दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

आज का विचार

जिंदगी का हर पल खुश रहकर जीना चाहिए क्योंकि हर शाम केवल सूरज ही नहीं ढलता, बल्कि आपकी जिंदगी का एक दिन भी ढलजाता है।

5

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ I सोमवार, 17 नवंबर, 2025 वर्ष 23, अंक 291, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

शहीद सराभा का बलिदान युवाओं को हमेशा प्रेरित करता रहेगा: भगवंत मान

शहीद के पैतृक गांव में राज्य स्तरीय समारोह की अध्यक्षता की

सिटी दर्पण संवाददाता
सराभा (लुधियाना)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने स्वतंत्रता संग्राम के महान शहीद करतार सिंह सराभा को उनके शहीदी दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके पैतृक गांव सराभा के लिए 45.84 करोड़ रुपये के विकास प्रोजेक्टों का ऐलान किया।

यहां राज्य स्तरीय समारोह में संबोधन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीद के सम्मान में सराभा गांव के लिए 45 करोड़ 84 लाख रुपये की लागत से विभिन्न विकास परियोजनाओं के जरिए गांव को बुनियादी ढांचा, साफ पीने का पानी, खेल, रक्षा प्रशिक्षण सहित अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी, जो शहीद के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस महान शहीद के पैतृक गांव को मॉडल गांव के रूप में विकसित करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शहीद करतार सिंह सराभा को श्रद्धांजलि देते हुए उनके साथियों, शहीद विष्णु गणेश पिंगले, बख्शीश सिंह, जगत सिंह, सुरैण सिंह (वड्डा), शहीद हरनाम सिंह सियालकोटी और सुरैण सिंह (छोट्टे), को भी याद किया, जिन्हें भी उसी दिन फांसी दी गई थी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि करतार सिंह सराभा भारत के सबसे युवा क्रांतिकारी थे, जिन्होंने महज 19 साल की उम्र में अपने प्राणों की आहुति दे दी।

- मुख्यमंत्री द्वारा शहीद करतार सिंह सराभा के शहीदी दिवस पर सराभा गांव के लिए 45.84 करोड़ रुपये के विकास प्रोजेक्टों का ऐलान
- पंजाब वासियों को 23 से 25 नवंबर तक श्री आनंदपुर साहिब में होने वाले श्री गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस के समारोहों में शामिल होने का निमंत्रण

उन्होंने कहा कि इतनी कम उम्र में शहीद होने वाले करतार सिंह सराभा अपने देश के लिए निस्वार्थ सेवा का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए सदियों से युवा पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बने हुए हैं। उन्होंने विदेशी साम्राज्यवाद से देश को मुक्ति दिलाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गदर पार्टी के सक्रिय नेता के रूप में उन्होंने पहले विदेशों में और बाद में देश की आजादी के लिए अथक प्रयास किए।

भगवंत सिंह मान ने कहा कि उन्होंने शहीद भगत सिंह के पैतृक गांव खटकड़ कलां में शपथ लेकर राज्य की बागडोर संभाली थी और उनकी सरकार शहीदों के सपनों को साकार करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पंजाबवासियों को नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर 23 से 25 नवंबर तक श्री आनंदपुर साहिब में आयोजित हो रहे कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर शामिल होने का निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक अवसर पर पंजाब सरकार की ओर से लाइट एंड साउंड शो, नगर कीर्तन, ड्रोन शो, कीर्तन दरबार और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि गुरु साहिब के महान जीवन और शिक्षाओं का संदेश घर-घर तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि हम सभी सौभाग्यशाली हैं कि जिन्हें यह ऐतिहासिक अवसर मनाने का मौका मिला है।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने शहीद करतार सिंह सराभा के पैतृक घर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि भी दी। मुख्यमंत्री द्वारा घोषित 45.84 करोड़ रुपये के विकास प्रोजेक्टों में ललतों कलां से सराभा होते हुए रायकोट और हलवारा तक मौजूदा दो-मार्गी सड़क को चार-मार्गी करने के लिए 40 करोड़ रुपये की लागत शामिल है। यह सड़क हलवारा एयरपोर्ट तक जाएगी। इसी तरह 2 करोड़ 82 लाख रुपये की लागत से सतही जल योजना, 2 करोड़ रुपये की टारगेट सेफ्टी सेटअप वाली 10 एमएम इनडोर शूटिंग रेंज, 10 लाख रुपये की लागत से बास्केटबॉल ग्राउंड की मरम्मत और 3 लाख रुपये से वॉलीबॉल कोर्ट और छह कंक्रीट बेंचों सहित खेल मैदान का विकास किया जाएगा। इसके अलावा 89 लाख रुपये की लागत से वन विभाग की नर्सरी को नवीनतम तकनीक से अपग्रेड किया जाएगा। सुरक्षा और पुलिस बलों के लिए प्रशिक्षण अकादमी स्थापित की जाएगी, जिसमें पायलट और ड्रोन प्रशिक्षण हेतु एयर फोर्स अकादमी से हटाए गए मिग-21 विमान की व्यवस्था भी शामिल है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने महेंद्रगढ़ जिला को दिए कई तोहफे

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज महेंद्रगढ़ जिला को कई योजनाओं के तोहफे दिए। नई अनाज मंडी नारनौल में रविवार को महाराजा शूर सैनी जयंती के उपलक्ष में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जिला महेंद्रगढ़ के लिए लगभग 83.70 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। नायब सिंह सैनी ने जिला मुख्यालय नारनौल में अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए 3595.65 लाख रुपए की लागत से तैयार 110 आवासों का उद्घाटन किया। इसी प्रकार लगभग 656.41 लाख रुपए की लागत से तैयार ट्रॉमा सेंटर नारनौल, 280.25 लाख की लागत से तैयार महिला थाना से गर्ल्स आईटीआई तक सड़क निर्माण और सौंदर्यीकरण के कार्य, 234.76 लाख रुपए की लागत से तैयार नारनौल शहर में दो पार्कों के निर्माण कार्य, नांगल चौधरी में 228.47 लाख रुपए की लागत से 3 बे बस स्टैंड, 116.25 लाख रुपए की लागत से तैयार नारनौल में महिला थाना से अग्रसेन चौक तक सड़क कार्यों का, राजकीय कॉलेज अटेली में 100 लाख रुपए की लागत से तैयार प्रशासनिक खंड का निर्माण कार्य, 90.41 लाख रुपए की लागत से तैयार नारनौल शहर के चितवन वाटिका में पार्क का निर्माण, 71.81 लाख रुपए की लागत से तैयार वार्ड नंबर 13 नारनौल में सती माता मंदिर के पास पार्क का निर्माण, 40.29 लाख रुपए की लागत से तैयार आजमाबाद मोखूता में जीवीएच का निर्माण, 35.83 लाख रुपए की लागत से तैयार मेघोत हाला में जीवीएच का निर्माण, 35.83 लाख रुपए की लागत से तैयार कमानियां में जीवीएच का निर्माण, 32.58 लाख रुपए की लागत से तैयार झूक में जीवीडी का निर्माण, 31.11 लाख रुपए की लागत से तैयार खेड़ी में जीवीडी का निर्माण व 31.11 लाख रुपए की लागत से तैयार ढाणा में जीवीडी निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने लगभग 2789.23 लाख रुपए की लागत से तैयार होने वाली 4 परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया। लगभग 2113.94 लाख रुपए की लागत से तैयार होने वाली पी.डब्ल्यू.डी. (बीएंडआर) - सड़क परियोजनाएं फैजाबाद-सीहमा-कनीना सड़क (एडीआर-127) का सुधार कार्य का शिलान्यास भी किया।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह आज फरीदाबाद में उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की 32वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे

चंडीगढ़। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह, सोमवार, 17 नवंबर, 2025 को फरीदाबाद, हरियाणा में उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की 32वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे। उत्तरी क्षेत्रीय परिषद में हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, दिल्ली, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख और चंडीगढ़ राज्य/ संघ राज्यक्षेत्र शामिल हैं। भारत सरकार, राज्य सरकारों, और संघ राज्यक्षेत्रों के वरिष्ठ अधिकारी भी परिषद की इस बैठक में भाग लेंगे। यह बैठक अंतर-राज्य परिषद सचिवालय, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हरियाणा सरकार की मेजबानी में आयोजित की जा रही है। राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 की धारा 15 से 22 के तहत उत्तरी क्षेत्रीय परिषद सहित 5 क्षेत्रीय परिषदों की स्थापना की गई है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह उत्तरी क्षेत्रीय परिषद के अध्यक्ष हैं और हरियाणा के मुख्यमंत्री इसके उपाध्यक्ष हैं। सदस्य राज्यों में से एक राज्य के मुख्यमंत्री, हर साल परिषद के उपाध्यक्ष होते हैं। इस क्षेत्रीय परिषद में उत्तरी क्षेत्र के प्रत्येक राज्य के मुख्यमंत्री तथा दो वरिष्ठ मंत्री, और उत्तरी क्षेत्र के संघ राज्यक्षेत्रों के उप-राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं प्रशासक सदस्य हैं। क्षेत्रीय परिषद ने मुख्य सचिवों के स्तर पर एक स्थायी समिति का भी गठन किया है। राज्यों द्वारा प्रस्तावित मुद्दों को पहले क्षेत्रीय परिषद की स्थायी समिति के समक्ष चर्चा के लिए प्रस्तुत किया जाता है, जिनमें विचार के बाद शेष बचे मुद्दों को क्षेत्रीय परिषद की बैठक में विचार के लिए प्रस्तुत किया जाता है।

शाहपुर का विकास मेरी प्राथमिकता : पठानिया

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने रविवार को मुंदला पंचायत के वार्ड नंबर 4 में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा निर्मित जोल पुल का विधिवत उद्घाटन किया। लगभग 12 लाख रुपये की लागत से तैयार यह पुल और मोक्षधाम में विभिन्न कार्य स्थानीय लोगों की वर्षों पुरानी मांग पूरी करते हैं।

उपमुख्य सचेतक ने कहा कि शाहपुर विधानसभा का सर्वांगीण विकास ही मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री द्वारा स्वीकृत लाखों की धनराशि से इस पंचायत में अनेक विकास कार्य पूरे किए गए हैं, जिसके लिए मैं उनका आभारी हूं। उन्होंने बताया कि पंचायत की चम्बड़ बस्ती में बाड़बंदी की जाएगी ताकि किसानों की फसलें जंगली जानवरों से सुरक्षित रहें। उन्होंने बताया कि कोहले वाले रास्ते के निर्माण के लिए आवश्यक धनराशि शीघ्र उपलब्ध करवाई जाएगी। पूरे क्षेत्र में उचित सोलर लाइटें स्थापित कर लोगों को बेहतर सुविधा प्रदान की जाएगी। युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए पठानिया ने पंचायत के पांचों वार्डों के युवाओं को एक-एक स्पोर्ट्स किट भेंट की। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत प्रधान राकेश कुमार ने मुख्यातिथि का स्वागत किया और पंचायत में करवाए गए विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। सरिता सैनी ने भी गांव की विभिन्न मांगों को मुख्यातिथि के समक्ष रखा। इस अवसर पर गांव के विकास में सहयोग देने वाले सज्जनों को सम्मानित किया गया।

शिमला में हरियाणा के दो युवकों समेत तीन चिट्टा सहित दबोचे

शिमला। राजधानी शिमला में नशे के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत शिमला पुलिस की नशा तस्करों पर कार्रवाई जारी है। इस कड़ी में पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से चिट्टा बरामद किया है। आरोपियों में दो हरियाणा के अम्बाला जिला के रहने वाले हैं। शनिवार शाम एसआईयू शिमला के एएसआई सुशील कुमार नियमित गश्त और जांच के लिए लोअर खलीनी स्थित वर्मा कॉटेज के पास फौजी शॉप क्षेत्र में मौजूद थे। इसी दौरान उन्हें संदिग्ध गतिविधि दिखी और मौके पर पकड़े गए तीन युवकों की तलाशी लेने पर 6.910 ग्राम चिट्टा/हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने जिन तीन युवकों को पकड़ा है, उनमें पहला रजत कुमार (30) और दूसरा शुभम घई (29) जिला अंबाला (हरियाणा) के रहने वाले हैं। तीसरा आरोपी कमलेश वर्मा (25) रामपुर, जिला शिमला का रहने वाला है। पुलिस ने तीनों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार पुलिस को आशंका है कि आरोपी नशे की खेप शिमला क्षेत्र में सप्लाई करने आए थे। एसआईयू टीम ने बरामद नशे को कब्जे में लेकर थाना न्यू शिमला में तीनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज करवाया।

राजपूत महासभा ने उठाई सामान्य वर्ग आयोग के पुनर्गठन व आरक्षण में आर्थिक आधार की मांग

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

राजपूत महासभा हिमाचल प्रदेश ने सामान्य वर्ग आयोग के पुनर्गठन, आरक्षण को आर्थिक आधार पर लागू करने और एससी/एसटी के संपन्न क्रिमी लेयर परिवारों को बाहर करने की मांग को लेकर अपना संघर्ष और तेज करने का निर्णय लिया है। महासभा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक रविवार को शिमला में प्रदेश अध्यक्ष ई.के.एस. जम्वाल की अध्यक्षता में हुई। इसमें विभिन्न जिलों से आए राजपूत संगठनों के वरिष्ठ पदाधिकारी और शिमला की स्थानीय सभा के सदस्य शामिल हुए। बैठक में यह माना गया कि केंद्र और प्रदेश सरकारें जाति विशेष के तुष्टीकरण के नाम पर सामान्य वर्ग, विशेषकर राजपूत समाज की लगातार अनदेखी कर रही हैं, जिससे समाज में गहरा रोष है। महासभा ने निर्णय लिया कि सामान्य वर्ग संयुक्त मंच के साथ चल रहे संघर्ष को गांव और पंचायत स्तर तक ले जाया जाएगा और विशेष अभियान के तहत हर घर में सदस्यता सुनिश्चित की जाएगी।

प्रदेशाध्यक्ष ई.के.एस. जम्वाल ने कहा कि सरकार ने 23 अगस्त 2025 को प्रदेश राजपूत कल्याण बोर्ड का गठन तो कर दिया, लेकिन अभी तक विभिन्न जिलों और क्षेत्रों के प्रमुख पदाधिकारियों को बोर्ड में शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने मांग उठाई कि इन नियुक्तियों को तुरंत प्रभाव से पूरा किया जाए।

उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री ने 28 जून 2025 को महासभा की प्रमुख समस्याओं को हल करने हेतु संबंधित विभागों से रिपोर्ट लेने और विशेष बैठक बुलाने का आश्वासन दिया था, लेकिन प्रशासन ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की, जिससे युवा वर्ग में नाराजगी बढ़ रही है। महासभा ने सरकार से सामान्य वर्ग आयोग के पुनर्गठन, आरक्षण को आर्थिक आधार पर लागू करने, एससी/एसटी क्रिमी लेयर को बाहर करने, एससी/एसटी एट्रोसिटी एक्ट के अंतर्गत बिना जाँच के धन आवंटन रोकने, अंतरजातीय विवाह पर दी जाने वाली भारी-भरकम प्रोत्साहन राशि बंद करने और स्कूलों में वर्दी व छात्रवृत्ति में हो रहे जातिगत भेदभाव को समाप्त करने की प्रमुख मांगें रखीं।

बैठक में हमीरपुर के सासन गांव में राजपूत समाज की एक गरीब महिला की हत्या के मामले पर भी कड़ा रोष व्यक्त किया गया। महासभा ने इसे जघन्य अपराध बताते हुए पीड़ित परिवार को एससी/एसटी एक्ट की तर्ज पर उचित मुआवजा देने और आरोपी को कठोरतम सजा दिलवाने की मांग की।

बेकाबू कार ने ली चार वर्षीय मासूम की जान

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

राजधानी शिमला में रविवार का दिन एक परिवार के लिए कभी न भूलने वाला दुख लेकर आयाम। संजौली थाना अंतर्गत चलौंठी में एक निजी रेस्टोरेंट के समीप एक बेकाबू कार ने चार साल के मासूम की जिंदगी छीन ली। हादसे के बाद बच्चे के परिवार में कोहराम मच गया।

घटना रविवार को दिन में उस समय हुई, जब मारुति कार सड़क के किनारे पहाड़ी की ओर खड़ी हुई थी। इसी दौरान ढली की ओर से तेज रफ्तार में शिमला आ रही क्रेटा कार ने अचानक नियंत्रण खो दिया और खड़ी कार में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि उसकी चपेट में सड़क किनारे मौजूद एक छोटा बच्चा भी आ गया और मासूम ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

पुलिस के अनुसार मृतक बच्चे की पहचान रोजर (4) पुत्र हरीश, निवासी उत्तरकाशी, उत्तराखंड के रूप में हुई है। बताया गया है कि हरीश अपनी पत्नी और बच्चों के साथ उत्तराखंड से शिमला अपने रिश्तेदारों से मिलने आया था। परिवार सड़क किनारे खड़ा था और उसी समय बेकाबू क्रेटा ने आकर इस शांत पल को मातम में बदल दिया। रोजर अपनी मां-बाप की आंखों के सामने हमेशा के लिए उनसे बिछड़ गया। हादसे के बाद बच्चे की मां और परिवार की चीखें सुनकर आसपास के लोग भी मौके पर दौड़ पड़े, लेकिन कुछ भी बचाया नहीं जा सका।

स्थानीय लोगों ने हादसे की सूचना तुरंत पुलिस को दी। पुलिस दल ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिवार इस दर्द से टूट चुका है, जबकि इलाके में भी गहरा दुख छाया हुआ है।

पुलिस ने कार चालक को मौके से गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। तेज रफ्तार और लापरवाही से हुई यह दुर्घटना एक मासूम की जिंदगी तबाह कर गई, जिसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है, वहीं कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

प्राकृतिक खेती बनी सहारा, जमनोटी के किसानों की आय में बड़ी बढ़ोतरी

एजेंसी (हि.स.)
हमीरपुर

हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक खेती को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देकर सुरक्षित खाद्यान्न पैदा करने तथा पर्यावरण का संरक्षण सुनिश्चित करने के साथ-साथ किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में बहुत ही उत्साहजनक परिणाम सामने ला रहे हैं। अब प्रदेश के कोने-कोने में हजारों किसान प्राकृतिक खेती को अपनाने लगे हैं और उनकी आय में अच्छी-खासी वृद्धि देखने को मिल रही है।

मुख्यमंत्री के अपने गृह विधानसभा क्षेत्र नादौन की ग्राम पंचायत ग्वालपत्थर में भी कई किसानों ने प्राकृतिक खेती में उत्कृष्ट कार्य किया है। इसी पंचायत के गांव जमनोटी के कमल किशोर आज प्राकृतिक खेती करके अच्छा-खासा मुनाफा कमा रहे हैं। जमनोटी के साथ लगते गांव की एक और प्रगतिशील किसान कुसुम लता तथा उनके पति मदन लाल ने भी लगभग तीन वर्ष पहले कृषि विभाग की आतमा परियोजना के अधिकारियों की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन से प्राकृतिक खेती को अपनाया और आज वे भी कई तरह की सब्जियां पैदा करके एक सीजन में ढाई से तीन लाख रुपये तक की आय अर्जित कर रहे हैं।

कुसुम लता ने बताया कि उनके पति मदन लाल होमगार्ड्स से रिटायर हुए हैं और अब अपनी लगभग 5 कनाल भूमि पर विशुद्ध रूप से प्राकृतिक खेती कर रहे हैं। आजकल उन्होंने मूली, फूल गोभी, बंद गोभी, पीली गोभी, ब्रॉकली, मटर और अन्य सब्जियां लगाई हैं। उन्होंने अपने खेतों में न तो कोई रासायनिक खाद डाली है और न ही किसी जहरीले रासायनिक कीटनाशक का प्रयोग किया है। इसी प्रकार, कमल किशोर भी अपने खेतों में केवल गोबर की खाद डाल रहे हैं और फसलों में कीड़ा इत्यादि लगने पर केवल जीवामृत और घर में ही तैयार किए जाने वाले अन्य घोल का छिड़काव कर रहे हैं।

संक्षिप्त-समाचार

नौगाम विस्फोट से प्रभावित परिवारों को सरकार मुआवजा देगी, उनका पुनर्वास करेगी: मंत्री जाविद डार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मंत्री जाविद डार ने रविवार को कहा कि सरकार नौगाम विस्फोट से प्रभावित परिवारों को मुआवजा और पुनर्वास करेगी, जिसमें नौ लोग मारे गए और 32 अन्य घायल हो गए। डार ने कहा कि प्रशासन मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी करेगा और बिना किसी देरी के सहायता प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि सरकार पहले ही प्रभावित परिवारों के लिए राहत पैकेज की घोषणा कर चुकी है. उन्होंने कहा कि अधिकारी उन परिवारों का पुनर्वास करेंगे और उन्हें मुआवजा देंगे जिनकी संपत्ति को विस्फोट में नुकसान हुआ है। मंत्री ने कहा कि चूंकि मामला शुरूआती चरण में है इसलिए प्रशासन समय पर सहायता देने के लिए प्रक्रिया में तेजी लाएगा। उन्होंने कहा कि 20 से अधिक घायल लोग अभी भी अस्पताल में हैं जिनमें तीन की हालत गंभीर लेकिन स्थिर है।पुलिस स्टेशन के अंदर रखे जब्त विस्फोटकों के भंडार में दुर्घटनावश हुए विस्फोट के बाद हुए विस्फोट में राज्य जांच एजेंसी के एक अधिकारी एक नायब तहसीलदार और एक दर्जी सहित नौ लोगों की मौत हो गई और 32 अन्य घायल हो गए। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात ने किसी भी आतंकी पहलू से इनकार करते हुए कहा कि विस्फोट की घटना में कोई अन्य अटकलें अनावश्यक थीं। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने भी मामले की जांच के आदेश दिए और कहा कि सरकार विस्फोट से प्रभावित लोगों के साथ एकजुटता से खड़ी है।

पूरा देश नौगाम विस्फोट पीड़ितों के परिवारों के साथ खड़ा है, एलओपी सुनील शर्मा

श्रीनगर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) सुनील शर्मा ने रविवार को नौगाम पुलिस स्टेशन विस्फोट के पीड़ितों में से एक दर्जी मुहम्मद शफी के आवास पर जाकर संवेदना व्यक्त की और उन घटनाओं के क्रम के बारे में बताया जिनके कारण यह त्रासदी हुई। पत्रकारों से बात करते हुए शर्मा ने कहा कि विस्फोट रात 11:20 बजे के आसपास हुआ, जब नौगाम पुलिस स्टेशन में फरीदाबाद से बरामद विस्फोटक सामग्री की जांच की जा रही थी। उन्होंने कहा कि पदार्थ अत्यधिक ज्वलनशील था। चूंकि मामले से संबंधित शुरूआती एफआईआर इसी पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई थी इसलिए सामग्री को आगे की जांच और सीलिंग के लिए यहां लाया गया था। उन्होंने कहा कि पहली खेप का वजन कथित तौर पर लगभग 360 किलोग्राम था और जांच के दौरान एफएसएल विशेषज्ञ अपराध शाखा और स्थानीय पुलिस सहित कई टीमें मौजूद थीं। शर्मा ने कहा कि सामग्री को सील करने में सहायता के लिए दर्जी मुहम्मद शफी को भी बुलाया गया था। कुछ चूक के कारण, विस्फोटक में विस्फोट हो गया जिसके परिणामस्वरूप 10 लोगों की मौत हो गई और 28 अन्य घायल हो गए। शर्मा ने इस घटना पर गहरा दुख जताया और कहा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री सहित पार्टी नेतृत्व और केंद्र सरकार दोनों ने संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर वह और पूर्व भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना व्यक्तिगत रूप से प्रभावित घरों का दौरा कर रहे हैं। शर्मा ने कहा कि हमने मुहम्मद शफी के बच्चों से मुलाकात की उनका दुख साझा किया और इस कठिन समय में परिवार को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

जेएमसी पारिस्थितिक पुनरुद्धार के लिए जम्मू में 17 जल निकायों को बहाल करने के मिशन पर है

जम्मू। जम्मू नगर निगम (जेएमसी) ने शहर भर में 17 जल निकायों को बहाल करने और पुनर्जीवित करने के लिए एक व्यापक पहल शुरू की है जिसका लक्ष्य उनके पारिस्थितिक, सांस्कृतिक और सामुदायिक मूल्य को पुनर्जीवित करना है। एक अधिकारी ने कहा कि इस पहल में तालाबों और कुओं सहित लंबे समय से उपेक्षित जल संसाधनों के आसपास गाद निकालना सफाई, भूनिर्माण और सार्वजनिक-अनुकूल स्थान बनाना शामिल है जो हाल के वर्षों में सबसे बड़े शहरी जल विरासत पुनरुद्धार अभियानों में से एक है। जेएमसी ने अपने अधिकार क्षेत्र में सभी जल निकायों को पुनर्स्थापित और पुनर्जीवित करने के लिए एक व्यापक योजना शुरू की है। जेएमसी आयुक्त देवांश यादव ने कहा कि तालाब, कुएं और धाराएं जो कभी पानी और सामुदायिक स्थानों के महत्वपूर्ण स्रोत थे शहरीकरण और उपेक्षा के कारण धीरे-धीरे गायब हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि निगम इन प्राकृतिक संपत्तियों के संरक्षण के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है क्योंकि ये पारिस्थितिक संतुलन, भूजल पुनर्भरण और सांस्कृतिक विरासत को बनाए रखने के लिए आवश्यक हैं।

एनएसजी बम निरोधक दस्ते ने नौगाम विस्फोट स्थल का निरीक्षण किया

श्रीनगर। राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) का एक बम निरोधक दस्ता रविवार को नौगाम स्थित उस विस्फोट स्थल पर पहुँचा जहाँ शुक्रवार रात डॉक्टरों के मॉड्यूल से जब्त विस्फोटकों का एक जखीरा पुलिस थाने के अंदर दुर्घटनावश फट गया था। इस विस्फोट में 9 लोगों की मौत हो गई और 32 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि बम निरोधक दस्ते ने आकस्मिक विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए विस्फोट स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि बम निरोधक दस्ते ने नमूने एकत्र किए और आगे की जाँच के लिए विस्फोट स्थल पर मौजूद अधिकारियों से भी बातचीत की। पुलिस थाने में हुए विस्फोट में राज्य जाँच एजेंसी के एक अधिकारी एक नायब तहसीलदार और एक दर्जी सहित नौ लोगों की मौत हो गई और 32 अन्य घायल हो गए। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात ने किसी भी आतंकी पहलू से इनकार करते हुए कहा कि विस्फोट की घटना में किसी भी तरह की अन्य अटकलें अनावश्यक हैं।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

लाहौल स्पीति में चार जगहों पर माइनस तापमान, मैदानी इलाके शिमला से ज्यादा सर्द

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश इस बार नवंबर में ही भीषण शीतलहर की चपेट में है। लाहौल-स्पिति में ताबो, समधो, कुकुमसेरी और केलांग में आज तापमान माइनस में दर्ज किया गया, जिससे ऊपरी पर्वतीय इलाकों में सर्दी तेजी से बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार पूरे प्रदेश का न्यूनतम औसत तापमान सामान्य से 1.7 डिग्री कम चल रहा है, जो दर्शाता है कि हिमाचल में ठंड का असर सामान्य से अधिक है।

दिलचस्प बात यह है कि मैदानी और निचले क्षेत्रों की रातें इस समय शिमला से भी ज्यादा ठंडी हो गई हैं। हमीरपुर, बिलासपुर, कांगड़ा, ऊना और मंडी जैसे जिले रात में राजधानी शिमला से अधिक ठंड झेल रहे हैं। आज शिमला का न्यूनतम तापमान 9.0 डिग्री रहा, जबकि ऊना में 8.0 डिग्री, बिलासपुर में 8.0 डिग्री, हमीरपुर में 6.2 डिग्री, मंडी में 6.6 डिग्री और कांगड़ा में 7.3 डिग्री दर्ज किया गया। मैदानी इलाकों की इन ठंडी रातों ने लोगों को स्वेटर और जैकेट निकालने पर मजबूर कर दिया है।

जनजातीय जिला लाहौल-स्पिति में सबसे अधिक ठंड महसूस की गई, जहां केलांग का आज का तापमान झ2.5 डिग्री, कुकुमसेरी झ4.7 डिग्री, ताबो झ2.2 डिग्री और समधो झ0.8 डिग्री दर्ज किया गया। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हल्की ठंड से लेकर तीखी सर्द हवाएं चल रही हैं, हालांकि अभी तक कहीं भी बारिश या बर्फबारी नहीं हुई है।

मनाली में आज का न्यूनतम तापमान 2.5 डिग्री रहा, जो सामान्य से थोड़ा कम है। पर्यटन नगरी में सुबह और शाम ठिठुरन महसूस की जा रही है। कुल्लू और मनाली आने वाले पर्यटकों को सुबह की सैर के दौरान जैकेट, दस्ताने और टोपी पहनने की सलाह दी जा रही है।

प्रदेश के अन्य जिलों में भी तापमान में गिरावट जारी है। सुंदरनगर में आज 4.7 डिग्री, भुंतर में 3.1 डिग्री, सोलन में 3.2 डिग्री, पालमपुर में 5.0 डिग्री, मंडी में 6.6 डिग्री, बिलासपुर में 8.0 डिग्री, हमीरपुर में 6.2 डिग्री, कांगड़ा में 7.3 डिग्री, नाहन में 9.3 डिग्री, जुब्बड़हट्टी में 7.8 डिग्री, सराहन में 5.0 डिग्री, नकंर्डा में 4.9 डिग्री, शिमला के पास मशोबरा में तापमान उपलब्ध नहीं रहा, जबकि रेकांगपिओ में 4.6 डिग्री, बरमौर में 6.9 डिग्री, कसौली में 10.0 डिग्री, पांवटा साहिब में 11.0 डिग्री, नेरी में 11.4 डिग्री, बाजौरा में 4.9 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

पूरे प्रदेश में पिछले कई दिनों से बारिश और बर्फबारी नहीं हुई है। नवम्बर महीने में राज्य में बारिश सामान्य से 83 फीसदी कम हुई है। आज भी मौसम शुष्क बना हुआ है और अगले कई दिन भी ऐसा ही रहेगा। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के मुताबिक 22 नवंबर तक हिमाचल में कहीं भी बारिश या बर्फबारी की कोई संभावना नहीं है। इससे तापमान और गिरने की आशंका जताई जा रही है।

आरएसएस शताब्दी समारोह में सैकड़ों स्वयंसेवकों की सहभागिता, मातृशक्ति के भजन-कीर्तन रहे आकर्षण का केंद्र

एजेंसी (हि.स.)
हमीरपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शनिवार को शहीद अमन मेमोरियल खेल मैदान, कलसाई में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। क्षेत्रभर से पहुंचे सैकड़ों नागरिकों, स्वयंसेवकों, मातृशक्ति और युवाओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने पूरे मैदान को उत्सव, अनुशासन और राष्ट्रीय भावना से सराबोर कर दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वामी सर्वेश्वरानंद जी महाराज और प्रांत संघचालक वीर सिंह रांगड़ा ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि आरएसएस की शताब्दी यात्रा समाज को सेवा, संस्कृति और राष्ट्रभक्ति का उज्ज्वल मार्ग प्रदान करती है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र और समाजहित के कार्यों में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया तथा कहा कि राष्ट्र निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अमरोह मंडल की चार पंचायतों मझोग सुल्तानी, झन्यारा, अमरोह और मनिहाल के 38 महिला मंडलों ने भजन-कीर्तन प्रस्तुत कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

मुस्कान सिर्फ चेहरा नहीं, आत्मविश्वास और भविष्य भी बदलती है : विपिन परमार

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश डेंटल एसोसिएशन की 23वीं वार्षिक कॉन्फ्रेंस शनिवार को धर्मशाला के एक निजी होटल में आयोजित हुई, जिसमें हिमाचल प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व विधायक विपिन सिंह परमार ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। विशेष अतिथि के रूप में भाजपा नेता व विधायक पवन काजल सम्मेलन में मौजूद रहे। इस वार्षिक कॉन्फ्रेंस में प्रदेशभर से आए दंत चिकित्सकों व दंत चिकित्सा विद्यार्थियों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि विपिन परमार ने अपने संबोधन में भारत के विकास में दंत चिकित्सकों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि मुस्कान सिर्फ चेहरा नहीं बदलती, आत्मविश्वास और भविष्य भी बदलती है। दंत चिकित्सक इस परिवर्तन के असली शिल्पी हैं। परमार ने सभी चिकित्सकों के उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की। विधायक पवन काजल ने भी दंत चिकित्सकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि देश और प्रदेश को मुस्कान लौटाने का श्रेय दंत चिकित्सकों को जाता है। ये सिर्फ डॉक्टर नहीं, मुस्कान के वास्तुकार हैं। कार्यक्रम में ज़िला कांगड़ा भाजपा अध्यक्ष सचिन शर्मा, भाजपा प्रदेश मीडिया सह-प्रभारी एडवोकेट विश्व चक्षु, दंत चिकित्सक डॉ. संगीत वर्मा, डॉ. रोहित सबलोक, डॉ. रोहित शर्मा समेत अनेक दंत विशेषज्ञ एवं प्रतिभागी मौजूद रहे।

सफलता की कहानी: प्राकृतिक खेती से आत्मनिर्भर हिमाचल की नई इबारत लिख रहे प्रदेश के किसान

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

आत्मनिर्भर हिमाचल की दिशा में कदम बढ़ा रही सुक्खू सरकार की कृषि हितैषी नीतियां अब रंग लाने लगी हैं। प्राकृतिक खेती के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित होने से किसानों की आय बढ़ी है, वहीं लोगों को गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न भी उपलब्ध हो रहा है। प्रदेश सरकार ने इस वर्ष मक्की का समर्थन मूल्य 30 रुपए से बढ़ाकर 40 रुपए प्रति किलो घोषित किया है, जिससे किसान काफी उत्साहित हैं। ऐसे ही एक किसान हैं द्रंग विकास खंड की ग्राम पंचायत बल्ह टिक्कर के गांव तरेला चौहार घाटी निवासी लेख राम। वे पिछले तीनझचार वर्षों से प्राकृतिक खेती विधि अपना रहे हैं।लेख राम बताते हैं कि पिछले वर्ष उन्होंने कृषि विभाग को 5 क्विंटल गेहूं 60 रुपए प्रति किलो की दर से बेची। इस वर्ष उन्होंने प्राकृतिक खेती से पैदा 12 क्विंटल मक्की दी, जिसे विभाग ने 40 रुपए प्रति किलो की दर से खरीदा। इससे उन्हें कुल 48 हजार रुपए की आय हुई। रासायनिक खादों के प्रयोग के समय उनकी 10 बीघा भूमि से केवल 20झ22 क्विंटल मक्की होती थी, लेकिन अब प्राकृतिक खेती से इसकी गुणवत्ता भी बेहतर हुई है और बाजार में अच्छे दाम भी मिल रहे हैं। इससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। उन्होंने मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू का धन्यवाद करते हुए कहा कि राज्य सरकार किसानों के हित में सराहनीय कदम उठा रही है। विभाग द्वारा भी समय-समय पर प्रशिक्षण और मार्गदर्शन दिया जाता है, जिससे खेती की गुणवत्ता और उपज में निरंतर सुधार हो रहा है। कृषि विभाग के परियोजना उपनिदेशक हितेंद्र सिंह रावत ने बताया कि 14 नवम्बर से जिला में मण्डी तथा सुंदरनगर संग्रह केंद्रों पर मक्की की खरीद आरंभ कर दी गई है। सुंदरनगर केंद्र में सुंदरनगर, धनोटू, बल्ह, धर्मपुर, निहरी और गोपालपुर विकास खंडों के 48 किसानों से अभी तक लगभग 142.25 क्विंटल मक्की खरीदी गई। वहीं मंडी केंद्र में सदर और द्रंग विकास खंडों के 16 किसानों से करीब 18.80 क्विंटल मक्की की खरीद हुई। प्रदेश सरकार द्वारा मक्की के समर्थन मूल्य में 10 रुपए तथा गंदम के मूल्य में 20 रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी से किसान चहक रहे हैं।

सुंदरनगर संग्रह केंद्र में प्राकृतिक खेती से उगाई गई मक्की बेचने पहुंचे गांव बागलू तहसील बल्ह के शिव सिंह ने सात क्विंटल मक्की विभाग को बेची। उन्होंने कहा कि मूल्य में बढ़ोतरी तथा प्रति क्विंटल 200 रुपए ढुलाई भाड़ा सरकार की ओर से दिया जा रहा है। इससे किसानों की आय और उनका मनोबल दोनों ही बढ़े हैं।

अहीरवाल का इलाका सदैव से ही वीरों की भूमि रहा है: नायब सिंह सैनी

महर्षि च्यवन मेडिकल कॉलेज कोरियावास में बनने वाले सामान्य अस्पताल का नाम होगा शहीद राव तुलाराम के नाम पर

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अहीरवाल का इलाका सदैव से ही वीरों की भूमि रहा है, इस धरती ने अनेकों वीरों को जन्म दिया है जिन्होंने देश के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने का काम किया है।ऐसी तपस्वी भूमि पर आना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। आज यहां महाराजा शूरसैनी जी की जयंति कार्यक्रम के आयोजन से यह धरा और भी पावन हो गयी है। महाराजा शूरसैनी बहुत ही प्रतापी, वेदों के ज्ञाता, न्यायप्रिय, धर्मात्मा एवं प्रजापालक राजा थे। उनके राज्य में पूर्ण समाजवाद था।

मुख्यमंत्री आज नारनौल में राज्यस्तरीय महाराजा शूरसैनी जयंती समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इससे पूर्व , 84 करोड़ रुपये की लागत की 19 परियोजनाओं के उद्घाटन व शिलान्यास भी किये। उन्होंने नारनौल विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री ओमप्रकाश यादव द्वारा उनके समक्ष रखी गई अधिकतर मांगों को पूरा करने का आश्वासन देते हुए कहा कि इस क्षेत्र में विकास का पहिया तेजी से घूमता रहेगा।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने इस दौरान घोषणा की है कि महर्षि च्यवन मेडिकल कॉलेज कोरियावास में बनने वाले सामान्य अस्पताल का नाम ₹ शहीद राव तुलाराम₹ के नाम पर किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि नारनौल के विकास में कोई कमीं नहीं छोड़ी जाएगी। यहां की अनअप्रूवड कॉलोनियों को भी नियमानुसार अप्रूवड किया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने उपस्थित लोगों को महाराजा शूरसैनी जी की जयंती की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सैनी समाज का इतिहास प्राचीन और गौरवशाली है। सामाजिक क्रांति के अग्रदूत महात्मा ज्योति बा फूले व भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फूले सैनी समाज के रत्न हैं। उन्होंने समाज में विशेषकर, महिला शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी कार्य किए। इसी प्रकार कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए उन्होंने अपना जीवन लगा दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के स्वतंत्रता आंदोलन में सैनी समाज का अहम योगदान रहा है। आजाद हिन्द फौज के सेनानी सरदार महंगा सिंह सैनी व अजीत सिंह सैनी तथा हरि सिंह सैनी जैसे स्वतंत्रता सेनानी भी इसी समाज ने दिये हैं। इसी समाज ने संत श्री लिखमीदास, बल्लभगढ़ रियासत के सेनापति गुलाब चंद सैनी, बिहार में सामाजिक क्रांति के सूत्रधार बाबू जगदेव प्रसाद कुशवाहा जैसे समाज सेवक, हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद कुशवाहा जैसे खिलाडी तथा चंडीगढ़ स्थित रॉक गार्डन के निमार्ता पद्मश्री नेकचन्द सैनी जैसे कलाकार भी इसी समाज की देन हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार 'संत-महापुरुष विचार सम्मान एवं प्रसार योजना' के तहत संतों व महापुरुषों के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का काम कर रही हैं। महाराजा शूरसैनी जयंती समारोह का आयोजन भी इसी योजना की एक कड़ी है। महापुरुषों द्वारा दिखाये गये मार्ग पर चलते हुए हम हरियाणा एक-हरियाणवी एक की भावना से सभी वर्गों के कल्याण एवं उत्थान के लिए निरंतर कदम उठा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार 'सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास' की नीति पर आगे बढ़ रही है। गरीबों का कल्याण-उत्थान हमारा संकल्प था, संकल्प है, संकल्प रहेगा। इसलिए विकास का हमारा आधार गरीब का सशक्तिकरण है। लास्ट माइल डिलीवरी पर फोकस ने इन वर्गों का जीवन बदल दिया है।

श्री नायब सिंह सैनी ने पिछडे वर्गों के उत्थान व कल्याण के लिए चलाई गई योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि राज्य सरकार की नीतियां किसी एक वर्ग या एक जाति के लिए नहीं, बल्कि हरियाणा के समस्त समाज के लिए है।

उत्तरप्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार हर वर्ग की हितेषी है। वर्ष 2014 में जो विजय - यात्रा शरू हुई थी , वह आज भी जारी है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी सभी वर्गों का विकास कर रहे हैं , उससे साफ तौर पर लग रहा है कि वर्ष 2029 में हरियाणा प्रदेश कांग्रेस-मुक्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा किया जा रहा विकास विरोधियों को हजम नहीं हो रहा है, लेकिन जनता का आशीर्वाद सरकार पर है।

हरियाणा के शिक्षा मंत्री श्री महिपाल ढांडा ने कहा कि महाराजा शूर सैनी अपने न्यायपूर्ण, जन-केंद्रित और प्रगतिशील शासन के लिए जाने जाते थे और पारदर्शी एवं कल्याणकारी प्रशासन की यही भावना आज मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि श्री नायब सिंह सैनी जहाँ भी जनसभा या रैलियाँ करते हैं, भारतीय जनता पार्टी को लगातार मजबूत समर्थन मिलता है, चाहे वह हरियाणा हो, महाराष्ट्र हो, दिल्ली हो या बिहार।

लोक निर्माण मंत्री श्री रणबीर सिंह गंगवा ने अपने संबोधन में कहा कि कुछ नेताओं के हरियाणा में कांग्रेस की सत्ता में वापसी के दावों को प्रदेश की जनता ने ही खारिज कर दिया और तीसरी बार पुनः भाजपा को भारी जनसमर्थन दिया। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व ने विकास और जनकल्याण के लिए सरकार के निरंतर कार्यों ने लोगों का विश्वास मजबूत किया है।

स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने महाराजा शूरसैनी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए अपने संबोधन में कहा कि इस क्षेत्र के वीरों ने देश के इतिहास में अभूतपूर्व योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत-चीन युद्ध के दौरान रेजांगला में दिया गया सर्वोच्च बलिदान देश की स्मृति में अंकित है। उस ऐतिहासिक युद्ध में, कुमाऊँ रेजिमेंट के 120 सैनिकों ने लगभग 5,000 चीनी सैनिकों का बहादुरी से सामना किया और राष्ट्र की रक्षा करते हुए 114 सैनिक वीरगति को प्राप्त हुए। उन्होंने कहा कि उनका साहस और देशभक्ति पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। इस अवसर पर हरियाणा भाजपा अध्यक्ष श्री मोहन लाल बड़ौली, सांसद श्री धर्मबीर सिंह, विधायक श्री कृष्ण कुमार, श्री ओमप्रकाश यादव , श्री कंवर सिंह यादव सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

प्रजातंत्र को जिंदा रखने के लिए प्रैसकर्मियों की बहुत ही अहम भूमिका: अनिल विज

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ

हरियाणा के ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि प्रजातंत्र को जिंदा रखने के लिए प्रैसकर्मियों की बहुत ही अहम भूमिका है क्योंकि प्रजांतत्र के चार स्तम्भों में एक प्रैस भी स्तम्भ है लेकिन यह स्तम्भ अपनी भूमिका सही निर्वाह तभी कर सकता है जब यह निष्पक्ष पत्रकारिता करें। उन्होंने राष्ट्रीय प्रैस दिवस के अवसर पर सभी प्रैसकर्मियों को बधाई व शुभकामनाएं दी। श्री विज मीडिया कर्मियों के साथ बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मीडिया कर्मी यदि किसी दवाब में कार्य करेंगें, तो मीडिया कर्मी अपने दायित्व का निर्वाह नहीं कर पाएंगें। उन्होंने आज राष्ट्रीय प्रैस दिवस के अवसर पर कहा कि मैं यही कहना चाहूंगा कि निर्भीक होकर, बिना किसी डर व सच्चाई लोगों को दिखाओं और पत्रकारिता एक आईने की तरह होनी चाहिए जिसमें हकीकत बयां होनी चाहिए।

- प्रैसकर्मी निर्भीक होकर, बिना किसी डर, व सच्चाई लोगों को दिखाएं
- राष्ट्रीय प्रैस दिवस के अवसर पर सभी प्रैसकर्मियों को बधाई व शुभकामनाएं

नायब सिंह सैनी ने नारनौल सैनी सभा को 51 लाख रूपए देने की घोषणा की

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने नारनौल में आयोजित महाराजा शूर सैनी राज्य स्तरीय समारोह में नारनौल के विकास के लिए अनेक घोषणाएं की। नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव ने समारोह में नारनौल विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए 27 मांगे रखीं, जिन्हें मुख्यमंत्री ने तत्काल अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी।

मुख्यमंत्री ने नारनौल की सैनी सभा को 51 लाख रुपए देने की घोषणा की। इसके अलावा शिक्षा मंत्री महिपाल सिंह ढांडा, लोक निर्माण मंत्री रणबीर सिंह गंगवा, स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव व सांसद धर्मबीर सिंह ने भी 11-11 लाख रुपए सैनी सभा नारनौल को देने की घोषणा की।

महाराजा शूर सैनी समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने नारनौल विधानसभा के विधायक ओमप्रकाश यादव द्वारा रखी गई सभी मांगों को स्वीकृत करते हुए नारनौल डिस्ट्रीब्यूटरी की री मॉडलिंग के लिए 10 करोड़ रूपए, नांगलकाठा, चिंडालिया, डोहरकलां, अमरपुर जोरासी में स्प्रिंकलर सिस्टम के लिए जल भंडारण का टैंक बनवाने के लिए 8 करोड रुपए, कृष्णावती नदी के लिए आरसीसी पाइपलाइन व शोभासागर तालाब में माइनर से पानी पहुंचाने, गांव टहला व मुकुंदपुरा के पहाड़ी क्षेत्र के बाढ़ के पानी के ड्रेन की रीमॉडलिंग करवाने, नारनौल विधानसभा के गांव कुतुबपुर, मंडलाना, पटिकरा, लहरोदा, गेहली, नांगतिहाड़ी, गुवानी, सेवा, कांवी और सिहमा में सिंचाई नहरी पुल के निर्माण, गांव बाजाड़ और गनियार में भूमि जल स्तर के लिए तालाबों के निर्माण, कैनाल कॉलोनी के आवासों के निर्माण व सीवरेज सिस्टम का निर्माण, हुडा सेक्टर के विकास के लिए 5 करोड़ रुपए, नारनौल में आईटीआई भवन का निर्माण, राजकीय कॉलेज के 12 कमरों का टीचिंग ब्लॉक, महिला आईटीआई के भवन की मरम्मत करवाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने

- नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव की सभी मांगों को किया मंजूर

जयंती समारोह में नारनौल राजकीय महिला कॉलेज की चार दिवारी का निर्माण करवाने, राजकीय पी जी कॉलेज की 6 एकड़ भूमि में स्टेडियम बनाए जाने, नारनौल की ढाणी बटोटा में उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण करवाने, दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम का सब डिविजनल कार्यालय भवन का निर्माण व नया सीपी 2 सब डिवीजन स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने नारनौल में बिजली की पुरानी तारों को बदलने व पोल को उचित दूरी पर लगवाने, नगर परिषद नारनौल में पुराने नाले को कवर करने के लिए 7 करोड़ रुपए देने की घोषणा, शहर की लालपहाड़ी व ईदगाह कालोनी के डिस्पोजल को नया बनवाने, 25 किलोमीटर की नई सीवरेज लाइन व तीन किलोमीटर पुरानी सीवरेज लाइन बदले जाने की घोषणा की। रेवाड़ी रोड़ पर स्थित एसटीपी की रिपेयर करवाने, सिहमा, रामपुरा, बरकोडा और कुतुबपुर में पेयजल आपूर्ति के लिए जलघर बनवाने, कोजिंडा, नसीबपुर व पटीकरा में नए जलघर बनाने की सीएम ने घोषणा की। उन्होंने शहर की 11 कालोनियों में जलापूर्ति की नई पाइपलाइन डलवाने, पीडब्ल्यूडी की 95 किलोमीटर की 36 सडकों की मरम्मत करवाने और शहर की 13 अवैध कॉलोनियों को स्वीकृत किए जाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने च्यवन ऋषि मेडिकल कालेज तक फोरलेन का निर्माण व कॉलेज में बनने वाले सामान्य अस्पताल का नाम शहीद राव तुलाराम के नाम पर रखने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने खेत खलिहान के 25 किलोमीटर कच्चे रास्तों को पक्का बनवाने, नारनौल के विकास कार्यों के लिए अलग से 5 करोड़ रुपए देने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि सैनी सभा द्वारा रखी गई सभी 7 मांगो की फिजिबिलिटी चेक करके उन्हें मंजूरी दी जाएगी।

संक्षिप्त-समाचार

सीएम के आश्वासन पर भी जारी नहीं हुआ जुर्माना माफी पत्र

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी के आश्वासन के बावजूद प्रदेश की निजी स्कूल सोसायटियों को जुमार्ना माफी का पत्र जारी नहीं हुआ है जबकि प्रदेश की सभी सोसायटी वार्षिक फीस भरने के लिए तैयार हैं। प्राइवेट स्कूल संघ ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर स्कूल सोसायटियों का जुमार्ना माफी का पत्र जारी करवाने की मांग की है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष सत्यवान कुंडू ने रविवार को चंडीगढ़ में जारी जानकारी में कहा है कि सोसाइटी एक्ट 2012 के अनुसार सभी पंजीकृत सोसायटी को रिन्यू करवाने का वार्षिक शुल्क जमा करवाने के लिए वर्ष 2017 से ऑनलाइन प्रक्रिया की शुरूआत की गई व फीस ऑनलाइन न करने का जुमार्ना निर्धारित किया गया लेकिन किसी भी सोसायटी को इसकी सूचना नहीं दी गई और वर्ष 2013 से यह जुमार्ना लगा दिया गया जबकि ऑनलाइन प्रक्रिया की शुरूआत 2017 से हुई। अब ये जुमार्ना वार्षिक फीस समेत प्रति सोसायटी लगभग एक - एक लाख रुपए से भी अधिक हो गया जिसका कोई भी नोटिस या सूचना सोसायटियों को नहीं दी गई और जुमार्ना माफ न होने से सोसायटियों का काम अधर में लटक गया है क्योंकि अब न तो किसी सदस्य को सोसायटी से निकाला जा सकता और न ही नए सदस्य को शामिल किया जा सकता। इस मामले को लेकर प्राइवेट स्कूल संघ का प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री नायब सैनी से मुलाकात की तो उन्होंने शीघ्र ही पत्र जारी करवाने का आश्वासन दिया था लेकिन अभी तक पत्र जारी नहीं हो पाया है। संघ मुख्यमंत्री से मांग करता है कि स्कूल सोसायटियों पर लगाए गए जुमार्ने को माफ करने का पत्र जल्द से जल्द जारी किया जाए ताकि बिना लेट फीस के वार्षिक शुल्क जमा करवाकर स्कूल सोसायटियों के अधूरे पड़े काम को पूरा किया जा सके।

वाहे गुरुजी का खालसा-वाहे गुरुजी की फतेह से गुंजायमान हुई पीतल नगरी

रेवाड़ी। गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में फरीदाबाद से चली हिंद की चादर तीसरी शहीदी यात्रा का रविवार को रेवाड़ी जिला में आगमन पर श्रद्धापूर्वक स्वागत किया गया। शहीदी यात्रा के साथ शहर भर में नगर कीर्तन निकाला गया और विभिन्न स्थानों पर संगत ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का अभिनंदन किया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। धार्मिक माहौल के साथ वाहे गुरु जी का खालसा, वाहे गुरु जी की फतेह के जयकारों के साथ पूरा दिन पीतल नगरी गुंजायमान रही। गुरुग्राम जिला से रेवाड़ी जिला की सीमा में शहीदी यात्रा का आगमन होने पर रेवाड़ी जिला के गुरुद्वारा प्रबंधन समिति सदस्यों द्वारा यात्रा का स्वागत किया गया। पंज प्यारों की अगुवाई में यात्रा का रेवाड़ी शहर के दिल्ली रोड उत्तम नगर स्थित गुरुद्वारा में सबसे पहले आगमन हुआ। रेवाड़ी पहुंचने पर भाजपा जिलाध्यक्ष डा वंदना पोपली व एसडीएम सुरेश कुमार ने यात्रा का भावपूर्ण तरीके से अभिवादन किया। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार हमारी महान विभूतियों के त्याग व समर्पण का संदेश आमजन तक पहुंचाने में प्रभावी रूप से अपना दायित्व निभा रही हैं। गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान की गौरवमयी गाथा का ज्ञान हर आमजन मानस तक पहुंचाने के लिए शहीदी यात्रा युवा शक्ति को सार्थक संदेश देने में सशक्त माध्यम बन रही है। उन्होंने यात्रा के साथ चल रही संगत को प्रसाद वितरित भी किया। गुरुद्वारा संत कुटिया से यात्रा जलपान ग्रहण करने के बाद धारूहेड़ा चुंगी होते हुए बस स्टैंड रोड से अग्रसेन चौक पर पहुंची। अग्रसेन चौक पर गतका पार्टी द्वारा हैरतअंगेज करतब दिखाए गए। अग्रसेन चौक से नगर कीर्तन के साथ शहीदी यात्रा भाड़ावास गेट से पुरानी सब्जी मंडी, घंटेश्वर मंदिर, गोकल गेट, रेलवे स्टेशन चौक से रेलवे रोड स्थित सिंह सभा गुरुद्वारा पहुंची। जिला के सिख समाज की ओर से जगह-जगह जलपान और प्रसाद की व्यवस्था की गई। सिंह सभा गुरुद्वारा में लंगर की व्यवस्था की गई। इसके बाद गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में निकाली गई यात्रा नाईवाली चौक से नारनौल के लिए प्रस्थान कर गई। वहीं यात्रा के आगमन पर शहरवासी अपार श्रद्धाभाव से गुरु ग्रंथ साहिब के दर्शनार्थ बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

2026 का साल नरवाना में विकास का नया स्वर्णिम अध्याय लिखेगा: कृष्ण कुमार बेदी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा है कि 2026 का साल नरवाना में विकास का नया स्वर्णिम अध्याय लिखेगा। मुख्यमंत्री द्वारा गत 17 अगस्त को नरवाना इलाका के लिए घोषित की गई करीब 300 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं पर निकट भविष्य में काम शुरू हो जाएगा। इनमें रेस्ट हाउस के नए भवन का निर्माण कार्य इसी महीने तथा नागरिक अस्पताल की नई बिल्डिंग बनाने का काम भी दिसंबर महीने में शुरू हो जाएगा।

श्री बेदी शनिवार देर सायं नरवाना में महर्षि वाल्मिकी भवन में आयोजित सम्मेलन को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। यह सम्मेलन आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत हर घर स्वदेशी- घर-घर स्वदेशी की अवधारणा को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई स्वदेशी अपनाओ- देसी बनाओ मुहिम आत्मनिर्भर भारत के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगी। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य स्वदेशी अपनाना है जो हर नागरिक के लिए लाभकारी होगा। उन्होंने कहा कि आमजन जब देश में बनी वस्तुओं के उपयोग को प्राथमिकता देंगे और विदेशी उत्पादो से दूरी बनाएंगे, तो भारत स्वतः स्वावलंबी एवं विकसित राष्ट्र बनेगा।

उन्होंने कहा कि इस अभियान से देश में कारोबार और रोजगार बढ़ेगा, जिसका सीधा फायदा भारतीय उद्योग, कारखानेदारों, व्यापारियों तथा शिक्षित एवं बेरोजगार युवाओं को होगा और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी, यही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है, जिसे साकार करना हम सभी का दायित्व है।

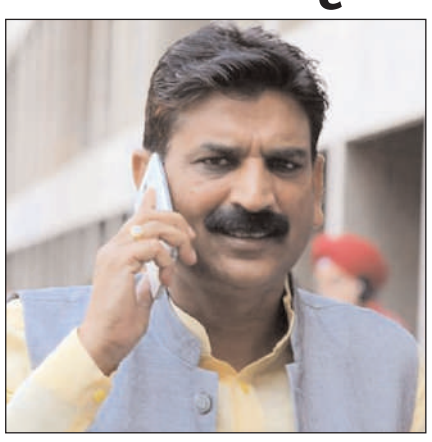

एकता, सत्यनिष्ठा व सेवा भावना ही भारत की असली पहचान: श्याम सिंह राणा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि एकता यात्रा लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर राष्ट्रनिर्माण और जनजागरण का प्रतीक है। पटेल जी ने अपने साहस, दृढ़ संकल्प और अद्भुत नेतृत्व से देश की सैकड़ों रियासतों को एक सूत्र में जोडकर भारत को एक मजबूत राष्ट्र बनाया।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने यह बात शनिवार को रादौर क्षेत्र में एक विशाल पैदल एकता यात्रा के दौरान कही। इस यात्रा का नेतृत्व गांव खेड़ी लक्खा सिंह से अनाज मंडी रादौर तक किया गया। इस यात्रा में बड़ी संख्या में युवाओं, महिलाओं, बच्चों, सामाजिक संगठनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

- सरदार पटेल की जयंती पर रादौर में निकली एकता यात्रा

उन्होंने कहा सरदार पटेल की विचारधारा हमें सिखाती है कि राष्ट्रीय एकता, सत्यनिष्ठा और सेवा भाव ही सशक्त भारत की पहचान है। हमारी नई पीढ़ी को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर देशहित में योगदान देना चाहिए। केंद्र में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और जल्द ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हर भारतीय का सामूहिक संकल्प होना चाहिए। उन्होंने नागरिकों से स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने की अपील करते हुए कहा जब हम स्वदेशी अपनाते हैं, तो स्थानीय कारीगर, महिला समूह और देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। आत्मनिर्भर भारत का रास्ता स्वदेशी से होकर गुजरता है।

एनजेडसीसी ने 5 दिसंबर तक घाटों पर होने वाले सांस्कृतिकों कार्यक्रमों का शेडयूल किया जारी

ब्रह्मसरोवर की फिजा में अलग-अलग प्रदेशों के सांस्कृतिक रंगों की महक के लिए पहुंचे कलाकार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2025 में ब्रह्मसरोवर की फिजा में अलग-अलग प्रदेशों के सांस्कृतिक रंगों की महक लेकर उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक कला केंद्र की तरफ से 6 प्रदेशों के कलाकार पहुंच चुके है। इस महोत्सव में 5 दिसंबर तक ब्रह्मसरोवर के घाटों के पर एनजेडसीसी के कलाकार अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। इसके लिए 4 बैचों में महोत्सव के शेड्यूल को बांटा गया है ताकि पर्यटकों का लगातार मनोरंजन किया जा सके।

उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक कला केंद्र पटियाला के अधिकारी भूपेंद्र सिंह ने बताया कहा कि सरकार के आदेशानुसार अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में पिछले कई सालों से लगातार एनजेडसीसी के कलाकार देश विदेश से आने वाले पर्यटकों का मनोरंजन कर रहे है। इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों को देखने के लिए ब्रह्मसरोवर के घाटों पर हर किसी के कदम रुक जाते है। यहां आने वाले पर्यटक इन कलाकारों का इंतजार करते है। उन्होंने कहा कि एनजेडसीसी संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के आदेशानुसार 15 नवंबर से 24 नवंबर तक 101 कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। इनमें हिमाचल प्रदेश के 15 कलाकार लुड्डी व गिद्दा, राजस्थान के 11 कलाकार कालबेलिया, लांगा गायन व भवई नृत्य, जम्मू-कश्मीर के 15 कलाकार डोगरी, जागरना, पंजाब के 15 कलाकार भांगड़ा, जिंदवा और झूमर तथा उत्तराखंड के 15 कलाकार छपेली, गसीयारी नृत्य की प्रस्तुतियां देंगे। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश के 13 कलाकार मानरा नृत्य व अवध की होली प्रस्तुत करेंगे तथा पंजाब से बाजीगर ग्रुप और राजस्थान के कलाकार भी अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

उन्होंने कहा कि 25 नवंबर से 29 नवंबर तक हिमाचल प्रदेश का झमकदा, उत्तराखंड के कलाकार बरसाना की होली व ठाडिया चौफला, महाराष्ट्र के कलाकार सोंगी मुखवाटे, त्रिपुरा के कलाकार होजागिरी, छत्तीसगढ़ के कलाकार पांथी, गौड मारिया व पांडवानी गायन, जम्मू-कश्मीर के कलाकार राउफ, पंजाब के कलाकार गतका की प्रस्तुतियां देंगे। इस महोत्सव में तीसरा बैच 30 नवंबर से 2 दिसंबर तक उत्तर प्रदेश के कलाकार डेदिया, मध्यप्रदेश के कलाकार गुडुम बाजा, लद्दाख के कलाकार जबरो व फ्लावर डांस, गुजरात के कलाकार गरबा, झारखंड के कलाकार पुरलिया चाहु, मणिपुर के कलाकार पूंग चूलम, ढोल चूलम व थांगाटा, सिक्किम के कलाकार तमांग सेलो व नेपाली नृत्य, ओडिसा के कलाकार घुगकुडु व संबलपुरी नृत्य तथा मेघालय के कलाकार वांगला नृत्य की प्रस्तुतियां देंगे। सांस्कृतिक अधिकारी भूपेंद्र सिंह ने कहा कि चौथा बैच 1 दिसंबर से लेकर 5 दिसंबर तक अपनी-अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे, जिनमें पंजाब के कलाकार झूमर, जम्मू-कश्मीर के कलाकार धमाली तथा पंजाब का बाजीगर ग्रुप अपनी प्रस्तुतियां देगा। इस प्रकार चारों बैचों में लगभग 450 कलाकार अपनी सांस्कृतिक विधाओं के माध्यम से पर्यटकों के मन को लुभाने का काम करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में एनजेडसीसी के कलाकारों ने संभाली कमान

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2025 के पावन पर्व पर उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक कला केन्द्र की तरफ से विभिन्न राज्यों के कलाकार अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में पहुंच चुके है। यह कलाकार लगातार 5 दिसंबर 2025 तक अपनी लोक संस्कृति की छठा बिखेरने का काम करेंगे। इस महोत्सव पर आने के लिए देश का प्रत्येक कलाकार आतुर रहता है। पर्यटकों को फिर से ब्रह्मसरोवर के तट पर लोक संस्कृति को देखने का अवसर मिला है। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव पर रविवार को विभिन्न राज्यों की कला का संगम उमड़ा और विभिन्न राज्यों की कला के संगम के बीच कलाकार अपने-अपने राज्य की कला का बखूबी बखान किया। कलाकारों का कहना है कि आज के आधुनिक जमाने में भी उन्होंने अपनी कला को जिंदा रखा है, कला के माध्यम से ही आज वह भी जिंदा है और अपनी कला को विदेशों तक पहुंचा रहे है। विदेशों की धरती पर भी उनकी कला ने उनका नाम रोशन किया है। गीता महोत्सव में पहुंचे कलाकारों का कहना था कि अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव एक ऐसा जरिया है जहां पर जहां पर वह पहुंचकर अपनी कला का बखूबी मंचन करते है।विभिन्न राज्यों की अलग-अलग कलाकारों ने कहा कि अब वह फिर से गीता महोत्सव में पहुंचकर अपनी कला को आमजन को दिखाने का काम कर रहे है। ब्रह्मसरोवर के घाटों पर विभिन्न राज्यों की लोक संस्कृति के अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे है। इन राज्यों के कलाकार अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव पर 5 दिसंबर तक लोगों को अपने-अपने प्रदेशों की लोक कला के साथ जोड़ने का प्रयास करेंगे।

संपादकीय

2047 तक भारत बनेगा आर्थिक महाशक्तिः आत्मनिर्भरता का नया रोडमैप तैयार !

भारत की आर्थिक आत्मनिर्भरता आज सिर्फ एक नीतिगत लक्ष्य नहीं, बल्कि एक व्यापक राष्ट्रीय संकल्प के रूप में उभर रही है। वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और तकनीकी प्रभुत्व की होड़ ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कोई भी देश बाहरी निर्भरता के सहारे दीर्घकालीन विकास सुनिश्चित नहीं कर सकता। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रतिपादित 'आत्मनिर्भर भारत' का विचार 21वीं सदी के भारत का परिवर्तनकारी रोडमैप बनकर सामने आया है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट कहा है कि आत्मनिर्भरता समय की आवश्यकता है और यह एक विकसित भारत की आधारशिला है–एक ऐसा भारत जो नवाचार में अग्रणी हो, उत्पादन में सशक्त हो, तकनीक में स्वावलंबी हो और नागरिकों को आर्थिक अवसरों से पूर्णतः सशक्त कर सके। भारत का लक्ष्य वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का है। यह लक्ष्य तभी प्राप्त हो सकता है जब आर्थिक संरचना को इस प्रकार पुनर्गठित किया जाए कि उत्पादन क्षमता, कौशल विकास, नवाचार, अवसंरचना, सामाजिक सुरक्षा और वैश्विक स्पर्धात्मकता का विस्तार समानांतर रूप से हो। सबसे पहली आवश्यकता श्रम सुधारों की मजबूती की है। देश की विशाल युवा आबादी तभी एक सशक्त आर्थिक शक्ति में परिवर्तित हो सकती है जब श्रम बाजार लचीला, सुरक्षित और निवेशकों के लिये अनुकूल हो। लंबे समय से चली आ रही जटिल श्रम नीतियों के कारण उद्योगों में प्रतिस्पर्धा की क्षमता प्रभावित होती रही है। इसलिए श्रम कानूनों का सरलीकरण, रोजगार सृजन को बढ़ावा देने वाली नीतियों का विस्तार और कार्यस्थल सुरक्षा व कौशल उन्नयन पर अधिक निवेश आर्थिक गति को तेज करेगा। भूमि अधिग्रहण भी लंबे समय से विकास परियोजनाओं की प्रगति में बाधा रहा है। उद्योगों और अवसंरचना परियोजनाओं के लिये भूमि उपलब्धता की प्रक्रिया अभी भी कई स्तरों पर अटक जाती है। यदि भूमि अधिग्रहण को अधिक पारदर्शी, त्वरित और जन-सहभागी तरीके से संपादित किया जाए, तो निवेश प्रवाह बढ़ेगा और परियोजनाओं का समय पर क्रियान्वयन संभव होगा। इसके समानांतर भारत को नियामक ढांचे को सरल बनाना होगा। देश की 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' रैंकिंग में सुधार हुआ है, लेकिन अभी भी कई क्षेत्रों में अनावश्यक अनुमति, जटिल प्रक्रियाएं और प्रशासनिक देरी निवेशकों की गति को धीमा करती हैं। नियमों को तर्कसंगत बनाना, सिंगल-विंडो सिस्टम को मजबूती देना और डिजिटल शासन को अनिवार्य रूप से लागू करना यही सुधार सुनिश्चित करेंगे। देश की अर्थव्यवस्था का बड़ा आधार एमएसएमई क्षेत्र है, जो कुल रोजगार का लगभग 30% से अधिक योगदान करता है और विनिर्माण गतिविधियों की रीढ़ माना जाता है। इस क्षेत्र को मजबूत किए बिना आत्मनिर्भरता का लक्ष्य अधूरा है। एमएसएमई अक्सर पूंजी की कमी, क्रेडिट गारंटी की अनुपलब्धता, तकनीकी पिछड़ेपन और बाजार विस्तार की चुनौतियों से जूझते हैं। इसलिए वित्तपोषण को सरल बनाना, डिजिटल ऋण सुविधाओं का विस्तार, तकनीकी उन्नयन का समर्थन और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं से जुड़ाव इस क्षेत्र को आत्मनिर्भर भारत का प्रमुख वाहक बना सकते हैं। यदि टरटए२ को विश्वस्तरीय गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता प्रदान की जाए, तो भारत न सिर्फ घरेलू मांग पूरी कर सकेगा, बल्कि वैश्विक बाजार में भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा पाएगा। शिक्षा और उद्योगिक आवश्यकताओं के बीच गहरा अंतर लंबे समय से देश की आर्थिक प्रगति में रुकावट रहा है। भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों और उद्योगों के बीच पर्याप्त समन्वय न होने से युवाओं में आवश्यक कौशलों की कमी रहती है। आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य के लिये जरूरी है कि शिक्षा प्रणाली को कौशल-आधारित, अनुसंधान-उन्मुख और नवाचार-केंद्रित बनाया जाए। नई शिक्षा नीति इस दिशा में व्यापक बदलाव का आधार बन सकती है, बशर्ते इसका क्रियान्वयन समान रूप से पूरे देश में प्रभावी तरीके से किया जाए। उद्योगों के साथ साझेदारी, अप्रेंटिसशिप कार्यक्रमों का विस्तार, स्टार्टअप इनक्यूबेशन केंद्रों का निर्माण और ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल शिक्षा के प्रसार से एक दक्ष और भविष्य-उन्मुख कार्यबल तैयार किया जा सकता है। नवाचार और स्वदेशी तकनीक आत्मनिर्भर भारत की आत्मा हैं। भारत ने डिजिटल भुगतान, अंतरिक्ष अनुसंधान और स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन अभी भी उच्च-प्रौद्योगिकी विनिर्माण, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और हरित ऊर्जा में बाहरी निर्भरता बनी हुई है। यदि अनुसंधान एवं विकास पर सरकारी और निजी निवेश को बढ़ाया जाए, तो भारत वैश्विक तकनीकी दौड़ में अग्रणी स्थान प्राप्त कर सकता है। स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र में पहले ही तेजी से बढ़ोतरी हुई है, लेकिन अनुसंधान-आधारित स्टार्टअप का विस्तार अभी भी सीमित है। नवाचार को बढ़ावा देने के लिये कर राहत, निवेश सहायता और विश्वविद्यालयों में मजबूत अनुसंधान संरचना की जरूरत है। आर्थिक आत्मनिर्भरता का अंतिम और सबसे महत्वपूर्ण घटक सामाजिक कल्याण है। जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास के लाभ नहीं पहुंचते, तब तक आत्मनिर्भरता अधूरी है। स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा, रोजगार और महिला सशक्तीकरण पर केंद्रित कल्याण योजनाएं भारत के सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करती हैं। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि समाज का हर वर्ग आर्थिक विकास में सहभागी बने और किसी भी प्रकार की असमानता विकास की रफ्तार को धीमा न कर सके। समावेशी विकास ही वह आधार है जिस पर आत्मनिर्भर भारत खड़ा होगा। इन सभी पहलुओं का एकीकृत और समन्वित क्रियान्वयन ही भारत को 2047 तक एक मजबूत, आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा। भारत के पास जनसांख्यिकीय शक्ति, विशाल बाजार, तकनीकी संभावनाएं और वैश्विक नेतृत्व का अवसर मौजूद है। आवश्यकता सिर्फ इस बात की है कि सुधारों को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाए, संस्थागत प्रक्रियाओं को मजबूत किया जाए और नवाचार को भारत की विकास यात्रा का मुख्य आधार बनाया जाए। आत्मनिर्भर भारत कोई वैकल्पिक विकल्प नहीं, बल्कि भविष्य के भारत का अनिवार्य मार्ग है–एक ऐसा मार्ग जो देश को आर्थिक सशक्तिकरण, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और स्थायी विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंचा सकता है।

मतदाता सूची की शुचिता का प्रश्न और एसआईआर की अनिवार्यता

डॉ. प्रियंका सौरभ (हि.स)

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहाँ शासन की असली शक्ति जनता के हाथों में निहित मानी जाती है। यहाँ सरकार जनता द्वारा चुनी जाती है और संविधान की स्पष्ट व्यवस्था के अनुसार यह प्रक्रिया चुनाव आयोग की निष्पक्ष संरचना और उसकी कार्यशैली द्वारा संचालित होती है। मतदाता सूची इस पूरी प्रक्रिया की आधारशिला है–क्योंकि उसी के माध्यम से नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं। इसलिए मतदाता सूची की विश्वसनीयता और शुचिता लोकतंत्र की स्थिरता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यही संदर्भ विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया–स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (Special Intensive Revision – SIR) को अत्यधिक महत्वपूर्ण बनाता है।

मतदाता सूची में त्रुटियाँ कई रूपों में सामने आती हैं- मृत व्यक्तियों के नाम, एक व्यक्ति का दो स्थानों पर नाम, पात्र मतदाताओं के नाम का गायब होना या पते के परिवर्तन के बावजूद संशोधन न होना। ऐसी स्थिति चुनावों की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 324 चुनाव आयोग को व्यापक अधिकार देता है, जिसमें चुनाव संचालन, नियंत्रण, निर्देशन और पर्यवेक्षण शामिल हैं। अतः एसआईआर केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि संवैधानिक रूप से स्थापित लोकतांत्रिक दायित्व है।

साल 1950 में संविधान लागू होने के बाद से ही चुनाव आयोग नियमित रूप से मतदाता सूची में संशोधन करता रहा है। कुछ राज्यों में एसआईआर के दौरान बड़ी मात्रा में मृतकों के नाम हटाए गए, गलत प्रविष्टियाँ सुधारी गईं और स्थानांतरित या नए पात्र मतदाताओं को सूची में जोड़ा गया। बिहार और बंगाल में हुए पुनरीक्षणों के उदाहरण बताते हैं कि लंबे समय से निष्क्रिय पड़े नामों को हटाने से मतदाता सूची अधिक वास्तविक और पारदर्शी बन सकी। बंगाल में 7.6 करोड़ मतदाताओं की सूची में से लगभग 47 लाख नाम हटाए गए, जिससे पता चलता है कि अगर नियमित संशोधन न हो तो सूची कितनी विकृत हो सकती है।

मतदाता सूची में त्रुटियाँ केवल तकनीकी समस्या नहीं- वे चुनावी निष्पक्षता, प्रतिनिधित्व के अधिकार और जनविश्वास पर सीधा आघात करती हैं। यदि किसी नागरिक का नाम सूची से गायब है तो वह अपने मौलिक लोकतांत्रिक अधिकार- मताधिकार से वंचित हो जाता है। दूसरी ओर, मृतकों या स्थानांतरित लोगों के नाम बने रहने से फर्जी मतदान या राजनीतिक दुरुपयोग की आशंका बढ़ती है। इन विसंगतियों से लोकतंत्र की वैधता कमजोर होती है।

कुछ लोग एसआईआर को राजनीतिक हस्तक्षेप या सरकार द्वारा मतदाता सूचियों में हस्तक्षेप के रूप में देखने लगते हैं, जबकि यह शंका तथ्यहीन है। मतदाता सूची का शुद्धिकरण किसी दल की जीत या हार के लिए नहीं, बल्कि निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया के लिए आवश्यक है। चुनाव आयोग पूर्णतः स्वायत्त संस्था है और उसके निर्णय न्यायालयों द्वारा भी संरक्षित माने जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कई फैसलों में स्पष्ट कहा है कि निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की आधारशिला है और इसके लिए मतदाता सूची की शुचिता सुनिश्चित करना अनिवार्य है।

एसआईआर के दौरान नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। यदि लोग स्वयं अपनी प्रविष्टियों की जाँच न करें, त्रुटियाँ सम्बंधित बूथ लेवल अधिकारियों को न बताएं और दस्तावेज उपलब्ध न कराएं तो प्रक्रिया धीमी हो जाती है। आज भी बड़ी संख्या में ऐसे नागरिक हैं जिनके नाम गलत होने पर वे स्वयं सुधार के लिए आगे नहीं आते। यह उदासीनता लोकतंत्र को कमजोर करती है। इसलिए चुनाव आयोग ने डिजिटल साधनों- जैसे वोटर हेल्पलाइन ऐप, ऑनलाइन फॉर्म, पोर्टल का उपयोग बढ़ाया है ताकि लोग आसानी से संशोधन कर सकें।

एसआईआर के विरोध करने वालों को यह समझना चाहिए कि यह प्रक्रिया मतदाता सूची में विसंगतियों को दूर करने, फर्जी मतदान रोकने और सही मतदाता आधार सुरक्षित करने के लिए है। जिन राज्यों में यह प्रक्रिया रोकी गई या राजनीतिक विवाद के कारण ठप हो गई, वहां मतदाता सूची में भारी त्रुटियाँ पाई गईं। ऐसे मामलों में न्यायालयों ने स्वयं दिशा-निर्देश जारी कर मतदाता सूची के शुद्धिकरण की आवश्यकता दोहराई है। अतः एसआईआर का विरोध लोकतांत्रिक मूल्यों का विरोध है।

भारत जैसे विशाल देश में जहाँ 96 करोड़ से अधिक मतदाता हैं, वहां मतदाता सूची का अद्यतन एक अत्यंत जटिल, विशाल और सतत प्रक्रिया है। इसे केवल सरकारी जिम्मेदारी मानना पर्याप्त नहीं; यह नागरिक कर्तव्य भी है। चुनाव आयोग केवल ढाँचा देता है लेकिन उसे प्रभावी बनाने का दायित्व जनता के सहयोग पर निर्भर है। मतदाता सूची में अपनी प्रविष्टि को सही रखना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना मतदान के दिन वोट देना।

अंततः, लोकतंत्र केवल मतदान का दिन नहीं- पूरी व्यवस्था का नाम है। इस व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए मतदाता सूची की शुचिता सर्वोपरि है। एसआईआर यही सुनिश्चित करता है कि चुनाव निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय हों। यह लोकतांत्रिक प्रणाली की आत्मा को जीवित रखता है और नागरिकों के अधिकारों को सुरक्षित करता है। इसलिए मतदाता सूची के नियमित शुद्धिकरण को लेकर जागरूकता बढ़ाना, नागरिकों को भागीदारी के लिए प्रेरित करना और एसआईआर जैसी प्रक्रियाओं को सहयोग देना हर जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

श्रम संहिताः भविष्य अनुकूल कार्यबल का निर्माण

ज्योति विज

देश आर्थिक और श्रम परिदृश्य में एक ऐतिहासिक परिवर्तन का साक्षी बन रहा है। 29 से अधिक केंद्रीय श्रम कानूनों को चार व्यापक श्रम संहिताओं में समेकित करना केवल एक विधायी प्रक्रिया नहीं है बल्कि यह श्रम इकोसिस्टम निर्माण की दिशा में एक कदम है जो आधुनिक, समावेशी और तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था की वास्तविकताओं के प्रति उत्तरदायी है।

लंबे समय से उद्योग जगत द्वारा श्रम सुधार एक मुख्य मांग रही है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के एकीकरण, प्रौद्योगिकी द्वारा उद्योगों को बाधित करने और रोजगार के नए विकल्पों के उभरने के साथ, देश को एक ऐसे ढांचे की आवश्यकता है जो व्यापार प्रतिस्पर्धात्मकता का समर्थन कर सके और श्रमिकों के अधिकारों और गरिमा की रक्षा कर सके। चार श्रम संहिताएं- मजदूरी, औद्योगिक सम्बंध, सामाजिक सुरक्षा, और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और काम करने की स्थिति पर - एक एकीकृत और सरलीकृत प्रणाली प्रदान करके ठीक यही करना चाहती हैं जो अस्पष्टता को कम करती है और अधिक समानता सुनिश्चित करती है।

नियोक्ताओं के लिए लाभ

उद्यमों के लिए, विशेष रूप से प्रतिस्पर्धी वैश्विक वातावरण में, श्रम संहिता बहुत आवश्यक सरलीकरण प्रदान करती है। कई अनुपालन और अतिव्यापी परिभाषाओं को एक स्पष्ट और एकीकृत प्रणाली में बदल दिया गया है। डिजिटल फाइलिंग, समान वेतन परिभाषाएं और सुव्यवस्थित लाइसेंसिंग प्रक्रियाएं अनुपालन बोझ को कम करती हैं और पारदर्शिता लाती हैं।

ये सुधार देश के एमएसएमई और स्टार्ट-अप के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। अनुपालन जटिलता को कम करके और एकल-खिड़की मंजूरी को सक्षम करके, श्रम संहिताएं छोटे व्यवसायों को तेजी से बढ़ने और घरेलू और वैश्विक बाजारों में अधिक प्रभावी ढंग से भाग लेने के लिए सशक्त बनाती हैं। महत्वपूर्ण रूप से, निश्चित अवधि के रोजगार और आधुनिक विवाद समाधान के प्रावधान व्यवसायों को प्रक्रियात्मक देरी से बाधित हुए बिना बढ़ने और अनुकूलन करने के लिए लचीलापन प्रदान करती हैं।

समान रूप से महत्वपूर्ण छोटे अपराधों का गैर-अपराधीकरण है, जो विशिष्ट प्रक्रियात्मक उल्लंघनों के लिए आर्थिक दंड के साथ कारावास को प्रतिस्थापित करता है। यह अधिक विश्वास-आधारित अनुपालन वातावरण के लिए एक प्रगतिशील पहल का प्रतिनिधित्व करता है, अनावश्यक मुकदमेबाजी को कम करता है, और नियोक्ताओं और नियामकों के बीच स्व-नियमन और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा देता है।

श्रमिकों के लिए लाभ

श्रमिकों के लिए संहिता, निष्पक्षता के सिद्धांत को सुदृढ़ करती है। वेतन संहिता सार्वभौमिक न्यूनतम मजदूरी और वेतन का समय पर भुगतान सुनिश्चित करती है, इससे मनमाने या विलंबित भुगतान की संभावना समाप्त हो जाती है। व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थिति संहिता कार्यस्थल सुरक्षा को मजबूत करती है, कल्याणकारी सुविधाओं को अनिवार्य करती है, और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच शुरू करती है। भविष्य निधि, ग्रेच्युटी, मातृत्व अवकाश और बीमा सहित सामाजिक सुरक्षा लाभ श्रमिकों के व्यापक आधार तक बढ़ाए जाते हैं, इससे उन लाखों लोगों को वित्तीय सुरक्षा मिलती है जो पहले इस दायरे में नहीं आते थे। अक्सर नियामक ढांचे से बाहर रहने वाले अंतरराज्यीय प्रवासी श्रमिक, श्रम संहिताओं से मान्यता और सुरक्षा पाते हैं। ये प्रावधान नियोक्ताओं और कर्मचारियों के बीच सामाजिक अनुबंध को मजबूत करते हैं, काम की गरिमा को बनाए रखते हैं।

गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए लाभ

शायद सबसे दूरदर्शी प्रावधान गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों और एग्रीगेटर्स की औपचारिक मान्यता है। लगभग 8 मिलियन भारतीय गिग इकॉनमी (एक ऐसी अर्थव्यवस्था जिसमें पारंपरिक ₹नौकरी₹ के बजाय अस्थायी, फ्रीलांस और अंशकालिक काम पर जोर दिया जाता है) में लगे हुए हैं और आने वाले दशक में इस संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। श्रम संहिता समावेशी विकास के लिए एक आधार प्रदान करती है। सामाजिक सुरक्षा संहिता उन योजनाओं के माध्यम से सुरक्षा प्रदान करती है जो स्वास्थ्य, मातृत्व, बीमा और वृद्धावस्था लाभों को कवर करती हैं। यह एक ऐतिहासिक कदम है जो काम के पारंपरिक और नए विकल्पों के बीच के अंतर को कम करता है। यह सुनिश्चित करता है कि जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी नौकरियों के भविष्य को नया आकार देती है, उभरते क्षेत्रों में श्रमिक पीछे न रहें।

महिला कर्मचारियों के लिए लाभ

ये संहिताएं कार्यस्थल में लैंगिक समानता को आगे बढ़ाने की दिशा में भी एक कदम आगे हैं। वे समान काम के लिए समान वेतन के सिद्धांत की पुष्टि करते हैं, मातृत्व लाभ को मजबूत करते हैं और क्रेच सुविधाओं के लिए प्रावधान लागू करते हैं। सुरक्षा और गरिमा के लिए आवश्यक सुरक्षा उपायों के साथ महिलाओं के काम के घंटों पर प्रतिबंधों को कम करके - श्रम संहिताएं महिलाओं के लिए उन क्षेत्रों और बदलावों में भाग लेने के अवसर पैदा करती हैं जो पारंपरिक रूप से कठिन थे।

उच्च वेतन वाली नौकरी जैसे कि खान श्रमिक तथा भारी मशीनरी का संचालन आदि क्षेत्रों में काम करने का अवसर प्रदान करने के साथ ही महिलाओं को भेदभाव से भी बचाता है। ऐसे समय में जब देश में महिला श्रम बल की भागीदारी वैश्विक औसत से कम है, ऐसे सुधार महिलाओं को आर्थिक विकास में पूरी तरह से योगदान करने में सक्षम बनाने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

अन्य हितधारकों के लिए लाभ

नियोक्ताओं और कर्मचारियों के अलावा, श्रम संहिता सरकारी एजेंसियों को पारदर्शी कार्यान्वयन के लिए एक आधुनिक ढांचा प्रदान करते हुए, अनुपालन को सरल बनाकर और विकास को सक्षम कर-के एमएसएमई और स्टार्ट-अप को भी लाभ पहुंचाती है। निवेशकों के लिए, एक पूर्वानुमानित और व्यापार के अनुकूल श्रम व्यवस्था देश की विकास गाथा में विश्वास बढ़ाती है। मजदूर संघों को मान्यता और बातचीत प्रक्रियाओं में स्पष्टता मिलती है, इससे सामाजिक संवाद के ढांचे को मजबूती मिलती है। अंततः, जब काम सुरक्षित, निष्पक्ष और अधिक समावेशी हो जाता है तो समग्र रूप से समाज को लाभ होता है।

आगे की एक साझा यात्रा

श्रम संहिताएं एक नए अध्याय की शुरूआत हैं। इनकी सफलता सुचारू कार्यान्वयन, राज्यों के बीच समन्वय और सभी हितधारकों की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करेगी। देश के लिए अगला दशक महत्वपूर्ण होने वाला है, इसलिए हमें अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का उपयोग करना चाहिए और प्रौद्योगिकी, वैश्वीकरण और स्थिरता की अनिवार्यताओं के अनुकूल दिए गए काम के लिए भविष्य में तैयार रहना चाहिए। श्रम संहिता इस परिवर्तन के लिए कानूनी आधार प्रदान करती है - उद्यमों को लचीलापन, श्रमिकों की सुरक्षा और सामाजिक समानता प्रदान करती है। यदि श्रम संहिताओं को अक्षरशः लागू किया जाए तो विकास समावेशी, टिकाऊ और भविष्य के लिए तैयारी सुनिश्चित करते हुए, एक वैश्विक आर्थिक महाशक्ति के रूप में भारत की स्थिति मजबूत हो सकती है।

लेखिका : महानिदेशक, फिक्की हैं।

आज का राशिफल

मेषः आज का दिन नए संबंधों की शुरूआत और बड़े व्यावसायिक समझौतों के लिए अनुकूल है। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से सम्मान मिलने की संभावना है। मानसिक दबाव कम होगा और पिछले समय की मेहनत का फल मिलते ही मन उत्साहित रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

वृषभः आपका व्यवहार सौम्य रहेगा और सामाजिक मुद्दों पर आपकी राय प्रभावशाली होगी। कठिन परिस्थितियों का धैर्य के साथ सामना करेंगे। बातचीत के दौरान वाणी पर संयम रखें। युवा वर्ग अपने प्रेम संबंधों को समय देगा। रुके हुए सरकारी मामलों में प्रगति बनती दिखेगी। *(सिटी दर्पण)*

मिथुनः पुरानी गलतियों को सुधारने का अवसर मिलेगा। स्वभाव में शांति बनाए रखना जरूरी है। आर्थिक पक्ष थोड़ी परेशानी दे सकता है। कार्यक्षेत्र में दबाव रहेगा। नया वाहन खरीदने के संकेत मजबूत हैं। *(सिटी दर्पण)*

कर्कः दिन खुशी से भरा रहेगा। दांपत्य जीवन का तनाव कम होगा। व्यवसाय में बड़े जोखिम से बचें। अपनी प्रशंसा स्वयं करने से परहेज करें, कुछ लोग आलोचना कर सकते हैं। स्वार्थपूर्ण व्यवहार से बचें। संतान के विवाह से जुड़ी अड़चनें दूर होने के योग हैं। *(सिटी दर्पण)*

सिंहः आपकी सोच स्पष्ट और सकारात्मक रहेगी। व्यापार में बढ़ती बिक्री से आर्थिक स्थिति सुधरेगी। प्रेमी से दिल की बात साझा कर सकते हैं। पिता का सहयोग और प्रशंसा मिलेगी। घर के लिए नया सामान खरीदने का मन बनेगा। *(सिटी दर्पण)*

कन्याः पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि होने की संभावना है। जीवन में सकारात्मक बदलाव महसूस करेंगे। विदेश यात्रा से लाभ मिलेगा। वरिष्ठ अधिकारियों से संबंध मजबूत होंगे। आपकी संवाद-कुशलता की प्रशंसा होगी। व्यवसाय में पारदर्शिता बनाए रखें। *(सिटी दर्पण)*

तुलाः नई शुरूआतों के लिए समय अनुकूल है। कला और रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। साझेदारी वाले कार्य लाभ देंगे। वैवाहिक जीवन में प्रेम और समर्पण बढ़ेगा। प्रेम संबंधों की गलतफहमियां दूर होंगी। मित्रों संग अच्छा समय बीतेगा। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिकः जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। पैरों में दर्द की समस्या हो सकती है। उलझे मामलों का हल मिलेगा। महंगी वस्तुएं खरीदते समय सावधानी जरूरी है। राजनीतिक क्षेत्र में कार्यरत लोगों की छवि को चुनौती मिल सकती है। प्रतियोगी परीक्षार्थियों का ध्यान भटक सकता है। *(सिटी दर्पण)*

धनुः दिन बेहद व्यस्त रहेगा। वरिष्ठ आपको बड़ी जिम्मेदारी दे सकते हैं। परिवार से पूरा सहयोग मिलेगा। विवाहेतर संबंधों से दूरी बनाए रखें। प्रभावशाली लोगों से मदद मिलने के योग हैं। शेयर बाजार से लाभ हो सकता है। *(सिटी दर्पण)*

मकरः नौकरी में संतोष महसूस करेंगे। परिवार का सहयोग मिलेगा। वित्तीय मामलों के समाधान के लिए शुभ दिन है। अनजान लोगों पर भरोसा करने से बचें। कुछ लोग आपकी निजी बातों को जानने की कोशिश कर सकते हैं। रुके कार्य पूरे होने की संभावना है। *(सिटी दर्पण)*

कुंभः दिन की शुरूआत थोड़ी कमजोर हो सकती है। बच्चों के साथ समय बिताने से मन हल्का होगा। सरकारी कामों में बाधा आने की संभावना है। जीवनसाथी की बातें कठोर लग सकती हैं। छात्र उच्च शिक्षा के प्रति बेहद सजग रहेंगे। कोई आवश्यक कार्य अटक सकता है। *(सिटी दर्पण)*

मीनः स्वास्थ्य के लिहाज से आराम की जरूरत है। अपनी प्रतिष्ठा को लेकर चिंतित रहेंगे। काम अपेक्षित गति से पूरे नहीं होंगे। गूढ़ विषयों और आध्यात्मिक अध्ययन में रुचि बढ़ेगी। मां के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। *(सिटी दर्पण)*

बिहार विस चुनाव नतीजे से निकले संदेश

हृदयनारायण दीक्षित (हि.स)

कोई भी घटना अप्रत्याशित नहीं होती। सम्यक आकलन नहीं होता। हमारी नासमझी और व्यापक अनुभवों का उचित मूल्यांकन नहीं होता। हम अनुमान करते हैं। प्रमाणों की सहायता लेते हैं, लेकिन नियति प्रमाणों की परवाह नहीं करती। प्रमाणों के आकलन की छोटी-सी गलती परिणाम बदल देती है। कभी-कभी परिणाम बदलने की जिजीविषा पूरी शक्ति के साथ चुनौती देती है आकाश को, तब सितारों व ग्रह दशा भी बदल जाती है। बिहार चुनाव नतीजे ने सबको चौंकाया है। चुनाव में हार-जीत होती ही है। लेकिन बिहार की जनता ने कमाल किया है और भारतीय चुनाव के इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया है। संविधान निमार्ताओं की भी इच्छा थी कि भारत का लोकतंत्र फले-फूले और जनता अपने प्रतिनिधि चुनने के लिए स्वतंत्र हो। जनता अपने नेता चुनने के अलावा कोई हिंसक रास्ता न अपनाए। इसके लिए स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव आयोग बना। संविधान (अनुच्छेद 324) में मतदाता सूची बनाने से लेकर मतगणना तक की जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग पर डाली गई। 1952 से लेकर विधानमण्डल व संसद के चुनाव कराए जा रहे हैं।

निष्पक्ष चुनाव का प्रयास देश में पहले से चल रहा है लेकिन जाति, धनबल, बाहुबल के प्रभाव ने संविधान निमार्ताओं की अभिलाषा को पूरा नहीं होने दिया। इसका अर्थ यह नहीं है कि भारतीय राष्ट्र राज्य कमजोर है। भारतीय संविधान निमार्ताओं ने संविधान की प्रस्तावना में भारतीय जनता को 'हम भारत के लोग' बनने और होने का आग्रह किया है। राजनीतिक जल्दबाजी में कभी-कभी भारत को हिंदू और मुसलमान का देश कहा जाता है। कोई सिख छोड़ देता है, कोई बुद्ध और महावीर। एक प्रधानमंत्री ने देश के संसाधनों पर मुसलमानों का पहला अधिकार बताया था, लेकिन संविधान निमार्ताओं ने 'हम भारत के लोग' कह कर हम सबके सामने एक आदर्श रखा है। हम किसी भी वर्ग या संप्रदाय से सम्बंधित हो सकते हैं। लेकिन प्रथमतः और अंततः भारतीय हैं। संविधान निमार्ताओं ने नागरिकों को जाति, संप्रदाय, मत, पंथ मजहब के द्वारा अभिज्ञात नहीं किया है।

दुनिया 21वीं सदी में अंतरिक्ष में घर बनाने के सपने देख रही है, लेकिन राजनीति जातियों की गिनती में व्यस्त है। प्रसन्नता की बात है कि जिस बिहार को बम, पिस्तौल और हिंसा के लिए बदनाम किया गया था, उसी बिहार की जनता ने पुनर्जागरण का स्वप्न देखा है। इस देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद बिहार के थे। उन्होंने देश को नई दिशा दी थी। सोमनाथ मंदिर का नवनिर्माण हुआ था। कार्यक्रम संयोजक राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद से मिले थे। उन्हें सोमनाथ मंदिर कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए निमंत्रित किया गया था। प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू नहीं चाहते थे कि भारतीय गणराज्य का राष्ट्रपति किसी धार्मिक आयोजन में हिस्सा ले, लेकिन राजेन्द्र प्रसाद वहां गए। प्रधानमंत्री की इच्छा न होने के बावजूद गए।

बिहार चुनाव ने किसी भी विभाजक आवाज को अनसुना कर दिया। राजनेता और टिप्पणीकार चुनाव के पहले से ही जीत हार का खाका बना रहे थे। जातियों के प्रतिशत निकाले जा रहे थे। कहा जाता था कि सरकार बनाने के लिए यादव और मुसलमान मिलकर पर्याप्त हैं, इसलिए चुनाव प्रचार की बहुत आवश्यकता नहीं है। इसी तरह सभी छोटी बड़ी पार्टियों में जाति का गणित फिट करने की होड़ थी। नतीजा आ जाने पर भी यह विश्लेषण थमा नहीं। एक बड़े चैनल ने कहा कि महिलाओं ने भारी संख्या में वोट दिया। कहा जाता है कि ज्यादातर महिलाओं ने राजग को वोट किया। चुनाव का यह विश्लेषण अधूरा है। चुनाव के समय की राजनीति का समग्र विश्लेषण नहीं हुआ। साथ ही चुनाव के संदेश पर भी चर्चा नहीं हो रही।

बिहार के चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हीरो थे। उन्होंने 14 सभाएं की। राजग की तरफ से गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आदि वक्ताओं को जनता ने सुना। नीतीश कुमार का अपना प्रभाव है। आज से नहीं है, पहले से है। वह अनुभवी राजनेता हैं। स्वाभाविक है उनकी लोकप्रियता का लाभ गठबंधन को मिला है। चुनाव नतीजे राजग के पक्ष में एक तरफा हो गए। दल और उसके समर्थक स्वाभाविक ही खुश हैं। ढोल बाजे बज रहे हैं। खास बात यह है कि चुनाव नतीजे से खास तरह की उम्मीदें हैं। विशेष प्रकार की प्रसन्नता है। इन नतीजों की उम्मीद नहीं थी। जन सुराज पार्टी के अभियान चलाए जा रहे थे, लेकिन उन्हें कोई सीट नहीं मिली। ऐसी उम्मीद उन्हें भी नहीं थी। जो भारी बहुमत से जीते और हारे हैं, सब मिलकर विकास करें।

एक समय बिहार में जंगलराज था। अधिकारी पीटे जा रहे थे। अपहरण थे। गुण्डा टैक्स थे। राजनीति की प्रतिष्ठित कुर्सियों पर बाहुबली थे। लोग मारे जा रहे थे। हिंसा का जोर था। कोर्ट ने भी बिहार के जंगलराज पर टिप्पणी की थी। जंगलराज शब्द का उपयोग न्यायालय ने किया था। बाहुबलियों की भरमार थी। नीतीश की पिछली सरकार ने जंगलराज पर काबू पा लिया था लेकिन मध्य वर्ग और टिप्पणीकार चुनाव नतीजों को जाति के आधार पर ही जांच रहे थे। एक समय बिहार में जातियों की सेनाएं थीं। परस्पर युद्ध करती थीं। वह राजनीतिक दलों के ऊपर सवार थीं। जातिवाद से बिहार झुलसता रहा। लोगों में निराशा थी। लोग सोचते थे कि अब जाति के इस प्रेत का सामना करना कठिन हो गया है। जनता के एक वर्ग ने इसे नियति मानकर स्वीकार कर लिया था।

लोकतंत्र एक जीवनशैली है। विचार आधारित राजनीति लोकतांत्रिक अधिकारों व अवसर का सदुपयोग करती है। समाज को उसका हक मिलता है। बिहार में वैसा नहीं हो रहा था। इतिहास के विद्यार्थी कौटिल्य को बिहार से जोड़ते हैं। तब मगध राज्य था। छोटे-छोटे टुकड़ों में बंटे देश को राष्ट्र बनाने का काम कौटिल्य ने किया था। छोटे-छोटे दलों को मिलाकर एक सशक्त विकल्प देने का काम भाजपा, जदयू, लोजपा, हम आदि ने किया है। बिहार चुनाव को पूरे देश ने देखा है। चुनाव परिणामों ने किसी को भी निराश नहीं किया। चुनाव में इस बार कोई हिंसा नहीं हुई। बूथ नहीं लूटे गए। अपवाद छोड़कर व्यक्तिगत हमले नहीं हुए। वोट डालने की यह शैली पूरे देश द्वारा सराही गई है। जाति ने राष्ट्र को बड़ी क्षति पहुंचाई है। बिहार का संदेश सुस्पष्ट है। राजनीति में विचारधारा की महत्ता बढ़ सकती है, विकास की मांग बढ़ेगी। जाति की बातें नहीं चलेगी। सबका साथ-सबका विकास राजनीति का एजेण्डा है ही। उम्मीद है कि इससे भारतीय राजनीति में जाति का महत्व घटेगा। पश्चिम बंगाल के अनुभवी राजनेताओं को भी इससे प्रेरणा मिलेगी। बिहार की आदरणीय जनता को बधाई।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

लालजीत भुल्लर द्वारा सड़क यातायात पीड़ितों के लिए विश्व स्मृति दिवस पर हिट एंड रन मुआवजा योजना के लिए कार्य-योजना की शुरूआत

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

नवंबर के तीसरे रविवार को विश्व स्तर पर मनाए जाने वाले सड़क यातायात पीड़ितों के विश्व स्मृति दिवस के अवसर पर, पंजाब के परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने सड़क सुरक्षा संबंधी लीड एजेंसी के अधिकारियों और सिविल सोसायटी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ एक विशेष बैठक बुलाई। आज यहां हुई इस बैठक में राज्य में हिट एंड रन मुआवजा योजना की कार्य-योजना की औपचारिक शुरूआत की गई। यह दिन सड़क दुर्घटना पीड़ितों की याद में, उनके शोकाकुल परिवारों के समर्थन में और भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोकने के लिए सामूहिक प्रयासों को मजबूत करने के उद्देश्य से मनाया जाता है।

इस अवसर पर परिवहन मंत्री ने सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने, पीड़ितों और उनके परिवारों के लिए सहायता प्रणालियों को बेहतर बनाने के प्रति राज्य सरकार की

प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि यह एक्शन प्लान पंजाब की हिट एंड रन मुआवजा योजना, जो राज्य की सड़क सुरक्षा प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, के तहत जागरूकता बढ़ाने और समय पर सहायता सुनिश्चित करने के संकल्प को दशार्ता है। हिट एंड रन मुआवजा योजना, 2022 के तहत, मृत्यु के मामलों में 2,00,000 रुपए और गंभीर चोट के मामलों में 50,000 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जहां दोषी वाहन या चालक की पहचान नहीं हो पाती।

पंजाब ट्रैफिक पुलिस के आंकड़ों का हवाला देते हुए, मंत्री ने बताया कि 2022 और 2023 के 3,324 हिट-एंड-रन मामले लंबित हैं, जिनमें 2,510 मौतें और 1,317 गंभीर रूप से घायल व्यक्ति शामिल हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रभावित परिवारों को राहत सुनिश्चित करते हुए, सरकार 31 मार्च 2026 तक इन लंबित मामलों का निपटारा करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

रोड सेफ्टी की लीड एजेंसी के डायरेक्टर जनरल, आर. वेंकट रत्नम, आईएएस (सेवानिवृत्त), ने बताया कि लीड एजेंसी ने छह जिला मुख्यालयों–जालंधर, एसएएस नगर (मोहाली), बठिंडा, तरनतारन, फिरोजपुर और पटियाला–में प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण सत्रों का कार्यक्रम तैयार किया है, जिसमें आसपास के ज़िले भी शामिल होंगे। 25 नवंबर से 31 दिसंबर 2025 तक चलने वाले ये सत्र एसडीएम, एसपी/डीएसपी (ट्रैफिक), सिविल सर्जन और आरटीओ को मुआवजा वितरण प्रक्रिया को तेज करने के लिए केस दस्तावेजों की प्रोसेसिंग और अपलोडिंग संबंधी प्रशिक्षण देंगे। यह प्रशिक्षण सड़क सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता हरप्रीत सिंह द्वारा, अवॉइड एक्सीडेंट एनजीओ और अन्य सूचीबद्ध संगठनों के सहयोग से दिया जाएगा। फाइल प्रोसेसिंग को सरल बनाने के लिए एक विस्तृत चेकलिस्ट भी तैयार की गई है।

लीड एजेंसी (सड़क सुरक्षा) के संयुक्त निदेशक परमजीत सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा होने के बाद, लीड एजेंसी मयंक फाउंडेशन, मुक्तसर वेलफेयर क्लब और अवॉइड एक्सीडेंट जैसी गैर-सरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर सुविधा शिविर आयोजित करेगी, ताकि दावेदारों को मौके पर ही दस्तावेज पूरे करने और मुआवजा वितरण को तेज करने में सहायता मिल सके। ये पहलें न केवल परिवहन विभाग के सड़क सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के निरंतर प्रयासों को दशार्ती हैं, बल्कि सड़क दुर्घटना पीड़ितों और उनके परिवारों से की गरिमा एवं अधिकारों की रक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को भी दशार्ती हैं। एक समन्वित और संवेदनशील दृष्टिकोण के साथ, पंजाब सरकार का उद्देश्य मुआवजा प्रक्रियाओं को अधिक सुलभ, कुशल और प्रभावी बनाना है।

स्पीकर ने आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को श्री आनंदपुर साहिब में आयोजित होने वाले पंजाब विधान सभा के विशेष सत्र में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

साहिब-ए-कमाल श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की शहीदी के 350वें शताब्दी वर्ष को समर्पित कार्यक्रमों के अंतर्गत, पंजाब सरकार द्वारा पहली बार चंडीगढ़ के बाहर, श्री आनंदपुर साहिब की पवित्र धरती पर पंजाब विधानसभा का विशेष सत्र आयोजित किया जा रहा है। इस संबंध में, पंजाब विधानसभा के स्पीकर श्री कुलतार सिंह संधवां ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल को विधानसभा की ओर से निमंत्रण पत्र भेंट किया। श्री संधवां ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी का बलिदान सिर्फ सिख समुदाय के लिए नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए प्रेरणादायक है। धर्मझनिरपेक्षता, धर्म की स्वतंत्रता, शांति और मानवाधिकारों के लिए दिए गए इस महान बलिदान की 350वीं शताब्दी पूरी दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक क्षण है। इस महान यादगार को और भी विशेष बनाने के लिए पंजाब सरकार और पंजाब विधानसभा द्वारा आनंदपुर साहिब में विशेष सत्र का आयोजन एक ऐतिहासिक कदम है।

स्पीकर श्री संधवां ने बताया कि इस विशेष सत्र के दौरान–

गुरु तेग बहादुर साहिब जी के अनूठे बलिदान और शिक्षाओं पर विशेष चर्चा होगी।

सभी विधायक, विभिन्न धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि और विशेष अतिथि इसमें शामिल होंगे।

उन्होंने कहा कि आनंदपुर साहिब, जो खालसा की जन्मभूमि है, से इस विशेष सत्र की शुरूआत के साथ पंजाब की आध्यात्मिक विरासत और मजबूत होगी तथा दुनिया को शांति, भाईचारे और मानवता का साझा संदेश मिलेगा।

श्री केजरीवाल को निमंत्रण पत्र भेंट करते हुए श्री संधवां ने आशा व्यक्त की कि वे इस ऐतिहासिक अवसर पर विशेष सत्र में अवश्य शामिल होंगे।

हरजोत सिंह बैंस द्वारा वरिष्ठ पत्रकार नलिन अचार्या के निधन पर गहरा शोक व्यक्त

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के सूचना एवं लोक संपर्क मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने वरिष्ठ पत्रकार श्री नलिन अचार्या के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। श्री नलिन, जो 67 वर्ष के थे, का आज सुबह निधन हो गया। वे ह्लहिम प्रभाह्व अखबार के मालिक और संपादक थे। वे चंडीगढ़ प्रेस क्लब के पूर्व प्रधान भी रह चुके थे। उनके परिवार में पत्नी, एक पुत्र, पुत्रवधू और पोते-पोतियाँ हैं।

अपने शोक संदेश में स. बैंस ने पत्रकारिता, धार्मिक तथा सामाजिक गतिविधियों के क्षेत्र में श्री नलिन अचार्या के बहुमुखी योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ प्रेस क्लब की अध्यक्षता और ह्लहिम प्रभाह्व में उनके सटीक नेतृत्व ने एक अमिट छाप छोड़ी है।

दुखी परिवार और रिश्तेदारों के प्रति अपनी संवेदनाएँ व्यक्त करते हुए स. हरजोत सिंह बैंस ने परमात्मा से प्रार्थना की कि वह दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में शाश्वत स्थान दें और परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

समाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कैबिनेट के बड़े फैसले: डॉ. बलजीत कौर

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- ट्रांसजेंडर समुदाय और महिलाओं की भलाई के लिए ऐतिहासिक कल्याणकारी कदम: डॉ. बलजीत कौर
- जन-कल्याण के प्रति मुख्यमंत्री मान की अटूट प्रतिबद्धता

पंजाब सरकार द्वारा सामाजिक कल्याण सेवाओं को मजबूत करने के लिए एक बड़े कदम के तहत, राज्य की पूर्ण कैबिनेट ने सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग से संबंधित कई महत्वपूर्ण निर्णयों को मंजूरी दी है। यह जानकारी साझा करते हुए कैबिनेट मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान और पूरी कैबिनेट का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि ये फैसले राज्य के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों के लिए बड़ी राहत साबित होंगे।

डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि कैबिनेट ने बाल विकास प्रोजेक्ट अधिकारी के 16 नए पदों को भरने की मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि इससे राज्य में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही महिला और बाल कल्याण योजनाओं की निगरानी और क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण सुधार आएंगे और इन योजनाओं को जमीनी स्तर पर और अधिक प्रभावी तरीके से लागू किया जा सकेगा।

इस संदर्भ में डॉ. बलजीत कौर ने आगे बताया कि खाली पड़े 19 बाल विकास प्रोजेक्ट अधिकारियों (सी.डी.पी.ओ.) के पदों को भरने की प्रक्रिया पहले से ही जारी थी। अब कैबिनेट द्वारा 16 नए पदों की मंजूरी मिलने के बाद कुल 35 सी.डी.पी.ओज. के पद पी.पी.एस.सी. के माध्यम से भरे जाएंगे, जिससे बाल विकास सेवाओं की कार्यकुशलता में बड़ा सुधार आएगा।

ट्रांसजेंडर समुदाय के कल्याण हेतु, कैबिनेट ने ट्रांसजेंडर मामलों से संबंधित नियम बनाने और उनमें संशोधन करने का पूर्ण अधिकार सामाजिक सुरक्षा विभाग को सौंपने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि इससे ट्रांसजेंडर समुदाय से जुड़ी नीतियों को और संवेदनशील, प्रभावी एवं समयबद्ध तरीके से लागू किया जा सकेगा। जरूरतमंद लड़कियों और महिलाओं की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए, कैबिनेट ने आंगनवाड़ी कार्यकताओं के माध्यम से सैनिटरी पैड वितरित करने के लिए 53 करोड़ रुपये की मंजूरी प्रदान की है। डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि यह योजना लाखों लड़कियों और महिलाओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता और मासिक धर्म संबंधी जागरूकता बढ़ाने में मददगार साबित होगी।

मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व और जन-केंद्रित दृष्टिकोण पर बोलते हुए, डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि मौजूदा सरकार कमजोर वर्गों की सुरक्षा, सम्मान और सामाजिक सहायता को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। कैबिनेट के ये ताजा फैसले जनता के कल्याण के प्रति मुख्यमंत्री मान की अटूट प्रतिबद्धता और पंजाब के लोगों के लिए वास्तविक, जमीनी सुधार लाने की दूरदर्शी सोच को दशार्ते हैं।

संक्षिप्त-समाचार

सेफ्टी अलायंस फॉर एवरीवन ने विश्व स्मरण दिवस मनाया

चंडीगढ़। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित ट्रैफिक पीड़ितों के विश्व स्मरण दिवस के अवसर पर, सड़क सुरक्षा को समर्पित संस्थाॅ सेफ झ सेफ्टी अलायंस फॉर एवरीवने ने आज चंडीगढ़ प्रेस क्लब में एक भावुक और प्रभावशाली कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में ए. एस. राय, आईपीएस, स्पेशल डीजीपी – रोड सेफ्टी एंड ट्रैफिक मैनेजमेंट, पंजाब; तथा पूर्व सांसद मोहिंदर सिंह केपी शामिल हुए, जिन्होंने हाल ही में सड़क दुर्घटना में अपने युवा पुत्र को खोया है। ए.एस. राय, एडीजीपी (ट्रैफिक एवं एसएसएफ) ने कहा, ₹आज, जब हम सड़क दुर्घटनाओं में खोए हुए लोगों को याद कर रहे हैं, तो हमारा सबसे सार्थक श्रद्धांजलि कार्रवाई है। पंजाब सड़क सुरक्षा फोर्स (एसएसएफ) का डेटा-आधारित मॉडल साबित करता है कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतें अनिवार्य नहीं हैं; वे रोकी जा सकती हैं। 48% की कमी केवल एक आंकड़ा नहीं है; यह हमारे मुख्यमंत्री के विजन जीरो निर्देश और हमारे 1,500 कर्मियों की निरंतर 24/7 मेहनत का प्रत्यक्ष परिणाम है। यह मॉडल सफल हो रहा है, और हम इसे और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।₹ दुर्घटनाओं में अपनों को खो चुके परिवारों ने अपने प्रियजनों को स्मरणे किया।ॅ सड़क सुरक्षा फॉर्स (एसएएफई) ने भारत में रोजाना होने वाली 473 सड़क मृत्यु का प्रतीकात्मक चित्रण करते हुऐ 473 मोमबत्तियाँ जलाईं, ताकि इस राष्ट्रीय संकट की गंभीरता लोगों के सामने रखी जा सके। सेफे के चेयरमैन रूपिंदर सिंह ने उपस्थित सभी को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाएँ आकस्मिक नहीं, बल्कि कारणों से होती हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि सड़क दुर्घटनाएँ पहचाने जा सकने वाले कारणों, रोके जा सकने वाले कारकों और शासन संबंधी कमियों का परिणाम होती हैं।

चार्टबस्टर क्रिएटर्स रोनी और गिल ने पेश किया न्यू ट्रैक पिंडां दे मुंडे

लुधियाना। यो यो हनी सिंह, जेसी गिल और गुरु रंधावा जैसे दिग्गजों के लिए चार्टबस्टर गीत बनाने के बाद मशहूर पंजाबी संगीतकार-गीतकार जोड़ी रोनी अंजलि और गिल मछराई ने अपना लेटेस्ट गीत, ह्यपिंडां दे मुंडेह्व पेश किया है। इस गाने में पंजाबी संस्कृति की जबरदस्त ऊर्जा है, जो उनके सिग्नेचर स्टाईल में लोकगीत की विश्वसनीयता और आधुनिक बीट्स के बेहतरीन तालमेल के साथ उभरकर आई है। पिंडां दे मुंडे अपने देसी स्वैग और संक्रामक अंदाज के साथ आज के युवाओं का नया एंथेम बन जाएगा। यह रोनी और गिल के संगीत के सफर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसके बारे में उन्होंने कहा, हम सालों से दूसरों के लिए गाने बनाते आ रहे हैं। पिंडां दे मुंडे के साथ हम अपनी खुद की सफलता की कहानी सुनाना चाहते हैं। हम बताना चाहते हैं कि हम कहाँ से आए हैं। यह अपने सफर में मदद करने वाले लोगों और स्थानों को भुलाए बिना जीवन की ऊँचाईयों का आनंद लेने के बारे में है। हम उत्सुक हैं कि श्रोता इस गीत को सुनकर इसकी ऊर्जा को महसूस करें। हमें उम्मीद है कि इस गाने में उन्हें अपनी खुद की कहानी महसूस होगी। यह गीत एक जीवंत म्यूजिक वीडियो के साथ पेश किया गया है, जिसमें यह ऊर्जा स्पष्ट दिखाई देती है। इसमें युवा जश्न, जमीन से जुड़े विज्युअल और रोनी एवं गिल को एक बिल्कुल नए अंदाज में दिखाया गया है। पिंडा दे मुंडे केवल एक सिंगल नहीं, बल्कि एक परिवर्तन का प्रतीक है। यह सोनी म्यूजिक इंडिया के साथ कई प्रोजेक्ट्स की डील में उनका पहला प्रोजेक्ट है। यह साझेदारी उन्हें पंजाबी मूल और आधुनिक साउंड के अपने अद्वितीय मिश्रण को व्यापक मंच पर पेश करने का अवसर प्रदान करेगी।

शक्ति पंप्स ने वित्त परिणाम घोषित किये

चंडीगढ़। शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड (एसपीआईएल) ने वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही और पहली छमाही में मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया। लंबे मानसून और कच्चे माल की बढ़ती कीमतों जैसी चुनौतियों के बावजूद कंपनी ने अपने इतिहास की सबसे अधिक तिमाही आय में से एक हासिल की। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में कुल आय 666.4 करोड़ रुपये दर्ज की, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 5 प्रतिशत ज्यादा है। पहली छमाही में कंपनी की कुल आय 1288.9 करोड़ रुपये रही, जिसमें 7.2 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज हुई। इस तिमाही में कंपनी का ईबीआईटीडीए 136 करोड़ रुपये रहा, जबकि मार्जिन 20.4 प्रतिशत पर रहा। कॉपर, स्टील और सोलर पैनल की कीमतों में 3-4 प्रतिशत बढ़ोतरी का असर मुनाफे पर पड़ा। कर पश्चात लाभ दूसरी तिमाही में 90.7 करोड़ रुपये और पहली छमाही में 187.5 करोड़ रुपये रहा। कंपनी के सोलर पंप इंस्टॉलेशन का प्रदर्शन मजबूत रहा। दूसरी तिमाही में 22,304 यूनिट और पहली छमाही में 39,861 यूनिट लगाए गए, जो क्रमशः 21 प्रतिशत और 19 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ते हैं। हालांकि यह संख्या और अधिक हो सकती थी, लेकिन प्रमुख बाजारों में लंबी चली बारिश और जीएसटी 2.0 ढांचे में बदलाव की प्रक्रिया के कारण कार्यान्वयन की रफ्तार कुछ धीमी रही।

अगाही एमयूएन 4.0 ने भारत के सबसे बड़े निजी आउटडोर एमयूएन में चंडीगढ़ में 1,000 युवा डेलीगेट्स को इक्कठा किया

चंडीगढ़। अगाही एमयूएन 4.0, की परिकल्पना अगाही इवेंट्स द्वारा की गई थी और इसे भारत के सबसे बड़े निजी मॉडल यूनाइटेड नेशंस और देश के पहले आउटडोर एमयूएन के रूप में मनाया जाता है। इसने 15 और 16 नवंबर, 2025 को अपना दो-दिवसीय सम्मेलन सफलतापूर्वक आयोजित किया। चंडीगढ़ में शानदार आउटडोर वेन्यू 'द हाउस ऑफ कैसल' में आयोजित इस सम्मेलन ने ट्राईसिटी और अन्य स्थानों से 1,000 से अधिक युवा डेलीगेट्स को प्रेरक थीम 'ब्रिंगिंग द चेंज' के तहत एकत्रित किया। डिप्लोमेसी, डिबेट और निर्णय लेने के लिए एक इमर्सिव प्लेटफॉर्म के रूप में डिजाइन किया गया अगाही एमयूएन, अगाही इवेंट्स की एक प्रमुख पहल बन गया है। यह छात्रों, नीति निमार्ताओं, विषय विशेषज्ञों और वैश्विक रूप से जागरूक युवाओं को वैश्विक मुद्दों से सार्थक रूप से जुड़ने के लिए एकजुट करता है। प्रत्येक संस्करण ग्लोबल गवर्नेंस, सतत विकास, युवा नेतृत्व और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग पर केंद्रित करता है। यह प्रतिभागियों को कक्षा की सीमाओं से परे जाने और वास्तविक दुनिया के समाधानों में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित करता है। भारत के पहले आउटडोर मॉडल यूएन के रूप में, अगाही एमयूएन छात्रों को विश्व नेताओं की भूमिका में कदम रखने, वैश्विक चुनौतियों पर विचार-विमर्श करने, कूटनीति को बढ़ावा देने और नेतृत्व कौशल का निर्माण करने का एक अद्वितीय अवसर प्रदान करता है। अगाही इवेंट्स द्वारा आयोजित, यह सम्मेलन डिबेट की ताकत को संस्कृति, कला और युवा अभिव्यक्ति के साथ जोड़ता है। इसका ओपन-एयर फॉर्मेट विचार की स्वतंत्रता और पारदर्शिता का प्रतीक है।

युद्ध नशों विरुद्ध: 260वें दिन, पुलिस द्वारा 3.1 किलो हेरोइन, 1.5 किलो अफीम सहित 72 नशा तस्कर गिरफ्तार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- डी-एडिक्शन अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने 35 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और उपचार करवाने के लिए किया राजी

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा राज्य से नशों के पूरी तरह खात्मे के लिए चलाई जा रही मुहिम ह्लयुद्ध नशों विरुद्धह्व को 260वें दिन भी जारी रखते हुए, पंजाब पुलिस ने आज 298 स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान राज्यभर में 46 एफआईआर दर्ज कर 72 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही 260 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या बढ़कर 36,855 हो गई है।

इस छापेमारी के दौरान गिरफ्तार तस्करों के कब्जे से 3.1 किलोग्राम हेरोइन, 1.5 किलोग्राम अफीम, 215 नशीली गोलियाँ और 1.5 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को पंजाब को नशामुक्त बनाने के निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार ने इस अभियान की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी का गठन भी किया है।

इस ऑपरेशन के दौरान 59 गजटेड अधिकारियों की निगरानी में 1000 से अधिक पुलिस कर्मचारियों वाली 120 से अधिक पुलिस टीमों ने राज्यभर में 298 छापे मारे। दिनभर चले इस अभियान में पुलिस टीमों ने 315 संदिग्ध व्यक्तियों की भी जांच की।

राज्य सरकार ने नशों के खात्मे के लिए तीन-स्तरीय रणनीति - प्रवर्तन, नशामुक्ति और रोकथाम (ईडीपी) - लागू की है। इसी ह्यडी-एडिक्शनह्व हिस्से के तहत पंजाब पुलिस ने आज 35 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास उपचार के लिए राजी किया है।

फिरोजपुर में संघ कार्यकर्ता की हत्या के लिए कौन जिम्मेदार, सीएम दें जवाब : रवनीत बिट्टू

एजेंसी (हि.स.)
चंडीगढ़

फिरोजपुर में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ कार्यकर्ता की हत्या के बाद भारतीय जनता पार्टी ने एकजुटता के साथ पंजाब सरकार को घेर लिया है। केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने घटना पर कहा कि पंजाब में अपराध को नियंत्रित करने में विफल होने पर अगर पुलिस अधिकारियों को निलंबित किया जा रहा है, तो फिर फिरोजपुर में हुई हत्या के लिए कौन जिम्मेदार है। इसके लिए सीएम भगवंत मान भी जवाबदेह है। उन्हें भी इस्तीफा देना चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने कहा है कि फिरोजपुर में आरएसएस के नेता बलदेव राज अरोड़ा के युवा पुत्र नवीन अरोड़ा की गोलियां मारकर की गई हत्या ने आप सरकार के राज में कानून व्यवस्था की पोल एक बार फिर खोल दी है। राज्य में गैंगस्टर समानांतर सरकार चला रहे हैं जबकि मुख्यमंत्री भगवंत मान अपनी जिम्मेदारी निभाने में असफल रहे हैं और उन्होंने पंजाब को लावारिस छोड़ दिया है। भाजपा प्रधान ने आरएसएस नेता के पुत्र की मौत पर दुख प्रकट करते हुए कहा कि पंजाब के लोग दहशत के माहौल में जीने के लिए मजबूर हैं जबकि आम आदमी पार्टी की सरकार लोगों को अमन-कानून और सुरक्षा देने में पूरी तरह नाकाम रही है। सुनील जाखड़ ने कहा कि नित दिन लोगों को धमकी और फिरौती के लिए फोन कॉल आ रही हैं और राज्य के किसी न किसी हिस्से में हर रोज कोई न कोई गंभीर वारदात हो रही है। बुरे तत्वों में सरकार का कोई डर नहीं रहा क्योंकि असल में सरकार चलाने वालों को राज्य प्रबंध की समझ ही नहीं है। भारतीय जनता पार्टी पंजाब के कार्यकारी अध्यक्ष अश्विनी शर्मा ने फिरोजपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्वयंसेवक नवीन अरोड़ा की बेरहमी से हत्या की कड़ी निंदा की है। शर्मा ने कहा कि यह कोई पहली या अकेली घटना नहीं है। उन्होंने कहा कि व्यापारी, खिलाड़ी, युवा या आम लोगों की लगातार हो रही हत्या और अपराध की घटनाएँ पंजाब सरकार की नाकाम कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। शर्मा ने आरोप लगाया कि पंजाब सरकार कानून-व्यवस्था संभालने में पूरी तरह असफल साबित हुई है और भाजपा निर्दोष लोगों की सुरक्षा के मुद्दे पर चुप नहीं बैठेगी। उन्होंने कहा कि यह घटना साफ दिखाती है कि मौजूदा सरकार के शासनकाल में अपराधियों के हौसले कितने बुलंद हो चुके हैं। उन्होंने गहरी चिंता जताते हुए कहा कि पंजाब में लोग अब कहीं भी खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं।

गिरफ्तार किये गये आरोपी सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान-आधारित हैंडलरों से कर रहे थे तालमेल: डीजीपी गौरव यादव

अमृतसर में पाकिस्तान आधारित हथियार और नार्को नेटवर्क का पदार्फाश; छह पिस्तौलों, 1 किलो हेरोइन सहित पाँच गिरफ्तार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/अमृतसर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों के तहत पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने की चल रही मुहिम के दौरान, अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने पाँच व्यक्तियों को 1.01 किलोग्राम हेरोइन और छह आधुनिक पिस्तौलों सहित गिरफ्तार करके पाकिस्तान से जुड़े हथियार एवं नार्को नेटवर्क का पदार्फाश किया है। यह जानकारी आज यहां पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान अकाश मसीह और प्रिंस दोनों निवासी पंडोरी गांव, अमृतसर ग्रामीण; करनबीर सिंह उर्फ करन निवासी चौगांवां गांव, अमृतसर ग्रामीण; सुखविंदर सिंह निवासी हेतमपुरा गांव, अमृतसर ग्रामीण; और गुरभेज सिंह उर्फ भेजा निवासी लाहियां गांव, तरनतारन के रूप में हुई है। बरामद किये गये पिस्तौलों में पाँच .30 बोर पिस्तौल और एक 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल शामिल है।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्राथमिक जांच में पता चला है कि गिरफ्तार किये गये आरोपी पंजाब में अवैध हथियार और नशीले पदार्थ प्राप्त करने और उनकी डिलीवरी करने के लिए सोशल मीडिया ऐप्लिकेशनों के जरिए पाकिस्तान-आधारित संचालकों से तालमेल कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी आरोपी अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक बसे गांवों से संबंध रखते हैं और अपने संचालकों के निदेशों पर अवैध खेपें प्राप्त करते थे।

डीजीपी ने कहा कि इस मामले में शामिल संचालकों की पहचान करने और

पूरे नेटवर्क का पदार्फाश करने के लिए आगे की जांच जारी है।

इस ऑपरेशन के बारे में जानकारी देते हुए अमृतसर के पुलिस कमिश्नर (सीपी) गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि छेहरटा के पास एक योजनाबद्ध नाकाबंदी के दौरान पुलिस टीमों ने आरोपी अकाश मसीह और प्रिंस को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से एक .30 बोर पिस्तौल और एक ग्लॉक 9 एमएम पिस्तौल बरामद की।

उन्होंने बताया कि मामले की पड़ताल के दौरान तकनीकी सुरागों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने करनबीर सिंह और सुखविंदर सिंह को तीन .30 बोर पिस्तौलों और 1 किलो 10 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया। आगे बताया कि मुलजम करनबीर सिंह उर्फ करन के खुलासे पर पुलिस ने गुरभेज सिंह उर्फ भेजा को एक .30 बोर पिस्तौल सहित गिरफ्तार किया।

सीपी ने बताया कि गिरफ्तार किये गये व्यक्ति अवैध हथियारों की खेप प्राप्त करने के बाद इन खेपों को क्षेत्र के अपराधी तत्वों को सप्लाई करते थे।

इस संबंध में, एफआईआर नंबर 223 दिनांक 06.11.2025 को थाना छेहरटा, अमृतसर में आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत तथा एफआईआर नंबर 239 दिनांक 12.11.2025 को थाना छावनी, अमृतसर में आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-बी), 25 और एनडीपीएस एक्ट की धारा 21-सी एवं 29 के तहत दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं।

बलोचिस्तान में पुलिस अधिकारी के काफिले पर गोलीबारी

हमलावरों के भाग जाने के बाद पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर तलाश शुरू कर दी

एजेंसी (हि.स.)

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान

बलोचिस्तान प्रांत के सनी और भाग के मध्य के इलाके में मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने एक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) के काफिले पर गोलीबारी की। इस दौरान पुलिस ने भी गोली चलानी पड़ी। फिलहाल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और काफिले में शामिल सभी पुलिसकर्मी सुरक्षित हैं। हमलावरों के भाग जाने के बाद पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर तलाश शुरू कर दी।

द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, कच्छी के एसएसपी हाल ही में सरकारी रिकॉर्ड जलाने की घटना की जांच के लिए शनिवार को हाजी शहर थाने पहुंचे थे। मुआयना करने के बाद लौटते समय, सनी और भाग के बीच के इलाके में मोटरसाइकिल सवार

घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू

हमलावरों ने अचानक उनके काफिले पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

पुलिस के अनुसार, दोनों ओर से लगभग 20-25 मिनट तक भीषण गोलीबारी हुई, लेकिन हमलावर घटनास्थल से भागने में सफल रहे। एसएसपी और सभी पुलिसकर्मी सुरक्षित हैं। घटना के बाद इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 24 घंटे में प्रांत के कई जिलों में गोलीबारी की घटनाएं हुई हैं। कच्छी जिले के भाग थाना क्षेत्र में महमूद औलिया की सीमा के पास हथियारबंद बदमाशों ने एक महिला समेत दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। बंदूकधारी वारदात को अंजाम देने के बाद भाग गए। लोरलाई में गोलीबारी की

फोटोः हि.स.

सूचना पर एसएसपी मलिक मोहम्मद असगर उस्मान के नेतृत्व में एक पुलिस दल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने समय पर कार्रवाई करते हुए दिलबर खान (निवासी न्यू बावर) को हथियार सहित गिरफ्तार कर लिया। इसके अलावा वाध के काका हीर इलाके में मदीना होटल के पास अज्ञात बंदूकधारियों ने 22 वर्षीय नवाब की गोली मारकर हत्या कर दी। हमलावर गोलीबारी के बाद भागने में सफल रहे। वहीं, डेरा मुराद जमाली के नगर थाना क्षेत्र के हुदूद अबारो मोहल्ले में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में टीटीपी के पांच लड़ाके मारे गए

इस्लामाबाद (पाकिस्तान)। खैबर पख्तूनख्वा पुलिस और आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) ने शनिवार को बन्नू और लक्की मरवत जिलों में संयुक्त अभियान में पांच लड़ाकों को मार गिराया। पांचों का संबंध प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) बताया गया है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, इस अभियान का लक्ष्य तख्ती खेल और होवैद के सीमावर्ती इलाकों में टीटीपी को निशाना बनाना था। यह अभियान बन्नू के क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी सज्जाद खान के नेतृत्व में स्थानीय लोगों के सहयोग से चलाया गया। इस अभियान के दौरान सभी पुलिसकर्मी सुरक्षित रहे। खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस महानिरीक्षकजुल्फिकार हमीद ने बन्नू और लक्की मरवत पुलिस की अभियान की सफलता के लिए सराहना की है।

पाकिस्तान में हाई-स्पीड डीजल छह रुपये प्रति लीटर हुआ महंगा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) में छह रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी आज से प्रभावी हो गई। इस बढ़ोतरी के साथ अब उपभोक्ताओं को एक लीटर एचएसडी खरीदने के लिए 284.44 रुपये चुकाने होंगे। फिलहाल यह बढ़ोतरी 15 दिन के लिए की गई है। पाकिस्तान का अधिकांश परिवहन क्षेत्र एचएसडी पर ही निर्भर है। डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, संघीय सरकार ने शनिवार को पेट्रोल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया, लेकिन अगले एक पखवाड़े के लिए हाई-स्पीड डीजल की कीमत में छह रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी। वित्त विभाग की एक अधिसूचना के अनुसार, 16 नवंबर से एचएसडी की नई कीमत 284.44 रुपये प्रति लीटर होगी। अधिसूचना के अनुसार, सरकार ने तेल एवं गैस नियामक प्राधिकरण (ओजीआरए) और संबंधित मंत्रालयों विचार-विमर्श के बाद पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में संशोधन किया है।

पोप लियो ने कहा-फिल्में सच दिखाएं आशा का संचार करने वाला हो सिनेमा

कहा, सिनेमा सिर्फ परदा नहीं, वह उससे से कहीं बढ़कर है

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

वेटिकन सिटी

पोप लियो ने कहा कि फिल्मों को सच दिखाना चाहिए। सिनेमा ऐसा रचा जो, जो आम आदमी में आशा का संचार करे। उन्होंने विश्व सिनेमा के दिग्गजों को आज की दुनिया में आशा, सुंदरता और सच्चाई का साक्षी बनने की चुनौती दी। पोप लियो (चौदहवें) ने वेटिकन के अपोस्टोलिक पैलेस में शनिवार सुबह विश्व सिनेमा के दिग्गजों (अभिनेता, निमार्ता, निर्देशक और पटकथा लेखकों) के स्वागत समारोह में यह आान किया।

वेटिकन न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पोप ने कहा कि सिनेमा सिर्फ परदा नहीं, वह उससे से कहीं बढ़कर है। यह आशा को साकार करता है। पोप ने खचाखच भरे अपोस्टोलिक पैलेस 1895 में पेरिस में पहली फिल्म के प्रीमियर के लगभग 130 साल बाद फिल्मों के महत्व पर प्रकाश डाला। पोप ने कहा आज का सिनेमा को समझने का माध्यम बन गया है। यग अनंत की लालसा को चित्रित करने की इच्छा की अभिव्यक्ति बन गया। है। पोप लियो ने सिनेमा के प्रति आभार व्यक्त करते कहा, सही अर्थों में यह एक लोकप्रिय कला है। यह सभी के लिए सुलभ है। यह मनोरंजन से कहीं अधिक है। फिल्में लोगों की जीवन यात्रा का एक आख्यान प्रस्तुत करती हैं। उन्होंने कहा कि सिनेमा का मानवता के लिए बड़ा योगदान है। यह दर्शकों को दुनिया को परखने में नई दृष्टि प्रदान करता है। यह आत्मनिरीक्षण लोगों को जीवन को पूरी तरह से जीने के लिए आवश्यक आशा के एक हिस्से को फिर से खोजने के लिए प्रोत्साहित करता है। उन्होंने कहा कि सिनेमा में खो जाने का मतलब है एक दहलीज पार करना हो। थियेटर के अंधेरे में हमारी इंद्रियां तीव्र हो जाती हैं और हमारा मन उन चीजों के प्रति अधिक खुला हो जाता है जिनकी हमने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। प्रस्तुतियां उन लोगों तक पहुंचती हैं जो मनोरंजन की तलाश में हैं, लेकिन साथ ही अर्थ, सौंदर्य और न्याय की भी तलाश कर रहे हैं। ऐसी दुनिया में जहां स्क्रीन हमारे दैनिक जीवन में सर्वत्र मौजूद हैं, सिनेमा एक ऐसा स्क्रीन हो सकता है जो और भी बहुत कुछ प्रदान करता है।

पोप लियो ने जोर देकर कहा, यह इच्छाओं, स्मृतियों और प्रश्नों का एक संगम है। उन्होंने कहा कि थियेटर और सिनेमा हमारे समुदायों के धड़कते दिल हैं, क्योंकि ये उन्हें और अधिक मानवीय बनाने में योगदान देते हैं। उन्होंने सिनेमा उद्योग को सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों को संरक्षित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

पूर्वी कमान के सेना नायक ने अरुणाचल प्रदेश की उत्तरी सीमाओं का दौरा किया

एजेंसी (हि.स.)

कोलकाता

फोटोः हि.स.

पूर्वी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ लेफ्टिनेंट जनरल रामचंदर तिवारी ने अरुणाचल प्रदेश की उत्तरी सीमाओं का दौरा किया। उन्होंने स्पीयर कोर के अग्रिम क्षेत्रों का दौरा कर ऑपरेशनल तैयारियों, आंतरिक सुरक्षा की स्थिति और जारी समेकित प्रशिक्षण गतिविधियों की व्यापक समीक्षा की। इस दौरे ने संवेदनशील पूर्वी मोर्चे पर तैनात जवानों की उच्च स्तरीय तैयारी और पेशेवर क्षमता को पुनः स्थापित किया।

सेना के पूर्वी कमान मुख्यालय विजय दुर्ग ने रविवार सुबह जारी बयान में कहा कि दौरे के दौरान सेनानायक को नवीनतम सामरिक प्रगति तथा भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना और भारत तिब्बत सीमा पुलिस के बीच निर्बाध समन्वय की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने आधुनिक हथियार प्रणालियों, निगरानी संसाधनों और प्रौद्योगिकी आधारित परिचालन साधनों के प्रभावी उपयोग को दशार्न वाले संयुक्त प्रशिक्षण मॉड्यूल का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। अग्रिम चौकियों पर तैनात जवानों ने युद्धाभ्यास और विशेषीकृत प्रशिक्षण के दौरान उत्साह, अनुशासन और रणनीतिक दक्षता का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इन प्रदर्शनों ने विविध भौगोलिक परिस्थितियों में संचालन की उनकी क्षमता तथा उभरती सुरक्षा चुनौतियों का त्वरित जवाब देने की उनकी तत्परता को रेखांकित किया। लेफ्टिनेंट जनरल तिवारी ने जवानों के मनोबल, समर्पण और प्रशिक्षण स्तर की सराहना करते हुए निरंतर कौशल वृद्धि, संयुक्तता और आधुनिक प्रौद्योगिकी के अधिकतम उपयोग की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि परिचालन मोर्चे को मजबूत और सक्षम बनाए रखा जा सके।

छतीसगढ़ के सुकमा में मुठभेड़, 3 इनामी माओवादी मारे गए

सुकमा। छतीसगढ़ के सुकमा जिले के थाना भेज्जी एवं चिंतागुफा के सीमावर्ती क्षेत्र तुमालपाड़ जंगल हुए मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 3 माओवादियों को मार गिराया। जिसमें 2 महिला माओवादी सहित 3 माओवादी कैडरों के शव डीआरजी टीमों द्वारा बरामद किए गए हैं। इलाके में सर्च अभियान चलाया जा रहा है। सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने रविवार सुबह मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि 16 नवंबर को सुकमा जिले के थाना भेज्जी एवं चिंतागुफा के सीमावर्ती क्षेत्र के तुमालपाड़ जंगल एवं पहाड़ी इलाके में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना पर जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) की टीम द्वारा क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। सर्च अभियान के दौरान आज सुबह से डीआरजी जवानों और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर फायरिंग हुई। तुमालपाड़ मुठभेड़ स्थल से अब तक 02 महिला माओवादी सहित कुल 03 माओवादी कैडर मारे गए हैं। एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि मारे गए नक्सलियों की पहचान माड़वी देवा (5 लाख का इनामी) जनमिलिशिया कमांडर, स्नाइपर स्पेशलिस्ट एवं कोंटा एरिया कमेटी सदस्य, पोड़ियम गंगी (5 लाख का इनाम) कोंटा एरिया कमेटी सीएनएम कमांडर, सोड़ी गंगी (5 लाख का इनाम) किस्टाराम की एरिया कमेटी सदस्य के रूप में हुई।

उत्तरी कैरोलिना के चार्लोट शहर में अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू

अभियान में बख्तरबंद वाहन और विशेष अभियान दल शामिल

एजेंसी (हि.स.)

वाशिंगटन

उत्तरी कैरोलिना राज्य के मैक्लेनबर्ग काउंटी के शहर चार्लोट में संघीय आव्रजन एजेंटों ने शनिवार को कार्रवाई शुरू की है। अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) ने कहा कि चार्लोट में अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों के खिलाफ अभियान शुरू किया गया है। इसे आधिकारिक तौर पर 'चार्लोट्स वेब' नाम दिया गया है। इस शहर को शार्लोट को भी कहा जाता है।

सीबीएस न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, गृह सुरक्षा विभाग का मुख्य जिम्मेदारी आतंकवाद, सीमा सुरक्षा, आव्रजन और साइबर आदि के विभिन्न खतरों से देश को सुरक्षित रखना है। यह

फोटोः हि.स.

अभियान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अवैध आव्रजन पर की जा रही कड़ी कार्रवाई का नया लक्ष्य है। गृह सुरक्षा विभाग ने कहा कि चार्लोट को अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों से खाली कराया जाएगा। इस अभियान की तैयारी पिछले सप्ताह शुरू की गई थी।

गृह सुरक्षा विभाग की प्रवक्ता ट्रिशिया मैकलॉघलिन ने कहा, अभियान का लक्ष्य अमेरिकी नागिरकों को सुरक्षा कवच प्रदान करना है। इन लोगों से सार्वजनिक सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया है। शनिवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में बॉर्डर पेट्रोल एजेंट चार्लोट क्षेत्र में अवैध रूप से रहे प्रवासियों को गिरफ्तार करते दिखाए गए हैं। इस अभियान में बख्तरबंद वाहन और विशेष अभियान दल भी शामिल हो सकते हैं।

ट्रंप प्रशासन के इस अभियान की चार्लोट के मेयर वी लाइल्स और उत्तरी कैरोलिना के डेमोक्रेटिक अधिकारियों ने कड़ी आलोचना की है। लाइल्स ने अन्य स्थानीय नेताओं के साथ संयुक्त बयान में कहा कि यह अभियान अनावश्यक भय और अनिश्चितता पैदा कर रहा है। चार्लोट दक्षिण-मध्य उत्तरी कैरोलिना में पीडमोंट क्षेत्र में कैटावबा नदी के ठीक पूर्व में स्थित है। यह उत्तरी कैरोलिना का सबसे बड़ा और अमेरिका का 14वां सबसे बड़ा शहर है। चार्लोट में अभियान पूरा होने के बाद यह कार्रवाई न्यू ऑरलियन्स पर शुरू हो सकती है। विभाग यहां 200 एजेंटों को भेजने की योजना बना रहा है।

संक्षिप्त-समाचार

घर का ताला तोड़ लाइसेंसी बन्दूक सहित लाखों की चोरी

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद में कायमगंज कोतवाली क्षेत्र में सूने घर का ताला तोड़कर चोरो ने लाइसेंसी बन्दूक सहित लाखो की चोरी कर ली। चोरो ने घटना को तब अंजाम दिया जब गृह स्वामी समेत पूरा परिवार विवाह समारोह में भाग लेने गया था। कोतवाली क्षेत्र के गांव कलाखेल मऊरशीदा बाद निवासी राशिद अपनी भांजी की शादी में शामिल होने कमाल गंज गया था। देर रात जब राशिद परिवार सहित वापस घर लौटा तो घर के मुख्य द्वार का ताला टूटा मिला। घर के अंदर जाकर देखा तो लाइसेंसी बन्दूक 12 बोर,35 हजार रुपये नकद सोने चांदी के जेवरात चोर चोरी कर लेगये। गृह स्वामी ने घटना की सूचना पुलिस को दी।मौके पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है। सीओ राजेश द्विवेदी ने बताया कि तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। घटना का खुलासा शीघ्र कर दिया जाएगा।

नेशनल हाईवे पर ट्रक की टक्कर से दो बाइक सवारों की मौत

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के सदर कोतवाली क्षेत्र के नेशनल हाईवे पर बाकरपुर बोहरा गांव के समीप बीती रात्रि एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक पर सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। सीओ सिटी अशोक कुमार ने बताया कि देर रात कंट्रोल रूम के माध्यम से पुलिस को सूचना मिली कि हाईवे पर ट्रक और बाइक की भिड़ंत हो गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने पाया कि हादसे में भूप सिंह पुत्र मानसिंह (उम्र लगभग 30 वर्ष) निवासी खरका की मढैया की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो चुकी थी। वहीं गंभीर रूप से घायल महाराज सिंह पुत्र नाथूराम (उम्र लगभग 40 वर्ष) को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें भी मृत घोषित कर दिया। दोनों मृतक एक ही गांव के निवासी थे और राजमिस्त्री का काम करते थे। अचानक हुए इस हादसे से गांव में शोक की लहर फैल गई है। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

दबंगो ने पुलिस के साथ मारपीट कर वर्दी फाड़ी, मुकदमा दर्ज

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद में कोतवाली फतेहगढ़ क्षेत्र में मारपीट की सूचना पर पहुंची पुलिस के साथ दबंगो ने मार पीट कर बर्दी फाड़ दी। पुलिस के सिपाही राहुल मलिक की तहरीर पर मारपीट करने वालो के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। विक्रांत अपनी कार से मोहम्मदाबाद की तरफ जा रहा था। इसी दौरान थाना कादरीगेट के गांव भाऊपुर के रहने वाले अनूप बाइक कार से टकरा गई। विक्रांत घायल अनूप को लेकर डॉक्टर विशाल अग्रवाल के यहां जा रहा था। इसी दौरान अनूप के तीन चार परिजन वहां आ गए और उसके साथ मारपीट करने लगे। विक्रांत ने मामले की सूचना 112 पुलिस को दी। घटना की सूचना पर पीआरवी के सिपाही राहुल मलिक, वीरेंद्र मौके पर पहुचे और बीच बचाव करने लगे। घायल अनूप के परिजन अजीत, पुष्पा, निकुंज ने पीआरवी सिपाहियों के साथ मारपीट कर बर्दी फाड़ दी।पीआरवी के सिपाही राहुल मलिक ने हमलावरों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने, मारपीट करने व वर्दी फाड़ने की रिपोर्ट हमला कोतवाली फतेहगढ़ में दर्ज कराई है। थानाध्यक्ष रण बहादुर सिंह ने बताया कि सिपाहियों के साथ मारपीट करने वालो के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। हमलावरों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बाइक चोरी का खुलासा, आठ बाइक बरामद

हरिद्वार। बाइक चोरी की घटनाओं से परेशान क्षेत्रवासियों को राहत देते हुए लक्सर कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस टीम ने चैकिंग के दौरान दो शातिर वाहन चोरों को दबोचकर उनके कब्जे से 8 चोरी की बाइक बरामद की हैं। दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी और बरामदगी का खुलासा लक्सर कोतवाली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एसपी देहात शेखर चंद्र सुयाल ने किया।

ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई तेज रफ्तार कार, 5 लोगों की मौत

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

ग्वालियर

मध्य प्रदेश के ग्वालियर में रविवार सुबह भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गया। मालवा कॉलेज के सामने एक तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार सामने जा रहे रेत से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि फॉर्च्यूनर सवार सभी पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। कार ट्रॉली के नीचे घुस गई, जिसकी वजह से कोई भी यात्री बच नहीं पाया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, हादसा ग्वालियर-झांसी हाइवे पर शहर से करीब 20 किलोमीटर पहले रविवार सुबह साढे.6 बजे हुआ। फॉर्च्यूनर कार झांसी की ओर से आ रही थी। कार जैसे ही मालवा कॉलेज के सामने पहुंची, मोड़ पर रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली सामने आ गई। तेज रफ्तार होने के कारण चालक कार को नियंत्रित नहीं कर सका और कार पीछे से ट्रॉली में घुस गई। कार का आधा हिस्सा ट्रॉली के नीचे चला गया और उसमें सवार सभी पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। शव ट्रैक्टर ट्रॉली और कार के बीच फंसे हुए थे। कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से कार को कटर से काटकर शवों को निकाला और अस्पताल पहुंचाया।

पुलिस के अनुसार, सभी मृतक ग्वालियर निवासी थे। वे कार से उत्तर प्रदेश के झांसी से एक कार्यक्रम में शामिल होकर ग्वालियर लौट रहे थे। इसी दौरान यह हादसा हो गया। मृतकों की पहचान क्षितिज उर्फ प्रिंस राजावत, राज पुरोहित, कौशल सिंह भदौरिया, आदित्य उर्फ राम जादौन और अभिमन्यु सिंह तोमर के रूप में हुई है। फॉर्च्यूनर कार ग्वालियर के प्रॉपर्टी कारोबारी उमेश राजावत की है। शनिवार रात करीब 9 बजे वे शनिचरा धाम से लौटे थे। उनका इकलौता बेटा प्रिंस राजावत कार चला रहा था।

ग्वालियर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने ने बताया कि रझांसी रोड थाना क्षेत्र के अंतर्गत मालवा कॉलेज के सामने बड़ा हादसा हुआ है। इसमें पाँच लोगों की मौत हुई है। मौके पर फोर्स भेजी है। वहीं, नेशनल हाईवे एम्बुलेंस के प्रायमरी मेडिकल ऑफिसर पंकज यादव ने बताया कि सुबह करीब साढे.6 बजे सिरोल थाने से सूचना मिली थी कि मालवा कॉलेज के सामने हादसा हुआ है। वे डबरा से टीम सहित सुबह 7:00 बजे मौके पर पहुंचे। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि फॉर्च्यूनर की रफ्तार करीब 160 किमी प्रतिघंटा थी।

बांग्लादेश में काकद्वीप के मछुआरे की मौत

एजेंसी (हि.स.)

दक्षिण 24 परगना (पश्चिम बंगाल)

भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय जलसीमा पार करने के आरोप में बांग्लादेश की जेल में बंद काकद्वीप के मछुआरे बाबुल दास उर्फ बोबा की मौत हो गई। यह सूचना शनिवार को उनके परिजनों को प्राप्त हुई। परिवार ने आरोप लगाया है कि जेल में उनके साथ अमानवीय व्यवहार किया गया। इस कारण उनकी मृत्यु हुई। हालांकि बांग्लादेश हाई कमीशन ने प्रारंभिक जानकारी के आधार पर बताया है कि उनकी मृत्यु हृदयाघात से हुई है।

बताया गया है कि इस साल 13 जुलाई को दक्षिण 24 परगना के काकद्वीप से ह्यएफबी मंगलचंडी-38ह्ल और ह्यएफबी झड़ह्ल नामक दो ट्रॉलर गहरे समुद्र में मछली पकड़ने निकले थे। इस दौरान दोनों ट्रॉलर बांग्लादेश की जलसीमा में प्रवेश कर गए, जिसके चलते बांग्लादेश नौसेना ने 34 भारतीय मछुआरों सहित उन्हें गिरफ्तार कर मोंगला पोर्ट थाना पुलिस के हवाले कर दिया। 15 जुलाई को

फोटोः हि.स.

बागेरहाट अदालत ने सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मृतक के भाई बसुदेव दास ने बताया कि हारवुड प्वाइंट तटीय थाना से उन्हें सबसे पहले मृत्यु की सूचना मिली। बाद में बांग्लादेश हाई कमीशन ने भी इसकी पुष्टि की। बसुदेव ने कहा कि उनके भाई को कोई गंभीर बीमारी नहीं थी और वह पूर्णतः स्वस्थ थे।

परिवार का आरोप है कि जेल में मारपीट या प्रताड़ना के कारण उनकी मौत हुई। परिजन ने शव को काकद्वीप लाकर पुनः पोस्टमार्टम कराने की मांग की है। वहीं, इस घटना ने सीमा पार मछुआरों की सुरक्षा और उनके साथ होने वाले व्यवहार को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं।

ब्राजील के साओ पाउलो में अंतरराष्ट्रीय आयुर्वेद सम्मेलन आयोजित

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

ब्राजील के साओ पाउलो में हुए तीसरे अंतरराष्ट्रीय आयुर्वेद सम्मेलन में दो दिनों तक विशेषज्ञों ने आयुर्वेद के 40 वर्ष पूरे होने पर इसकी यात्रा, भारत और ब्राजील के बढ़ते सहयोग, पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के भविष्य, नई शोध संभावनाओं और ब्राजील में आयुर्वेद को आधिकारिक नौकरी श्रेणी में शामिल किए जाने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। साथ ही दिसंबर में नई दिल्ली में होने वाले विश्व स्वास्थ्य संगठन और आयुष मंत्रालय के वैश्विक सम्मेलन की तैयारियों पर चर्चा की गई।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, कार्यक्रम की शुरूआत ब्राजील में भारत के राजदूत दिनेश भाटिया ने की। मंत्रालय ने कहा कि भारत और ब्राजील के बीच पारंपरिक उपचार पद्धतियों को लेकर सहयोग लगातार बढ़ रहा है। ब्राजील दक्षिण अमेरिका का पहला देश है जिसने आयुर्वेद को आधिकारिक मान्यता दी है और इसी साल ब्राजील के उपराष्ट्रपति जेराल्डो अल्कमिन की भारत यात्रा से इस साझेदारी को और मजबूती मिली है। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने अपने संबोधन में कहा कि आयुर्वेद शरीर, मन और जीवनशैली के संतुलन पर आधारित विज्ञान है। उन्होंने बताया कि दोनों देशों के बीच हुए समझौते और संस्थागत सहयोग आयुर्वेद के वैश्विक विस्तार के लिए अहम साबित हो रहे हैं। उन्होंने ब्राजील में कई वर्षों से आयुर्वेद को आगे बढ़ाने में जुटे विशेषज्ञों की भी सराहना की। स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र की निदेशक ज्योति किरण शुक्ला ने कहा कि भारत और ब्राजील की वेलनेस परंपराओं में समानता है और दोनों देश मिलकर इस क्षेत्र को मजबूत कर रहे हैं।

इतिहास

ब्रिटिश शासन के खिलाफ जनआंदोलनों को नई दिशा दी

लाला लाजपत राय की पुण्यतिथि पर देश ने 'पंजाब केसरी' को याद किया

एजेंसी (हि.स.)

फोटोः हि.स.

राष्ट्र रविवार स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी नेता लाला लाजपत राय की पुण्यतिथि पर उनके योगदान को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है। 1928 में इसी दिन साइमन कमीशन के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुए पुलिस लाठीचार्ज में लगी गंभीर चोटों के कारण उनका निधन हो गया था।

लाजपत राय, जिन्हें पूरे देश में 'पंजाब केसरी' के नाम से जाना जाता है, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की उन प्रमुख आवाजों में थे जिन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ जनआंदोलनों को नई दिशा दी। साइमन कमीशन का विरोध उन्होंने शांतिपूर्ण रैली के माध्यम से किया था, लेकिन लाठीचार्ज के दौरान उन्हें गंभीर चोटें आईं, जिनसे वे उबर नहीं सके।

उनकी मृत्यु ने युवा क्रांतिकारियों पर गहरा प्रभाव छोड़ा। इसी घटना ने भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को ब्रिटिश पुलिस अधिकारी जॉन सांडर्स पर कार्रवाई करने के लिए प्रेरित किया, जिसे उन्होंने लाठीचार्ज का जिम्मेदार माना। यह घटना स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में निर्णायक मोड़ बनकर दर्ज हुई। देशभर में आज विभिन्न कार्यक्रमों, संगोष्ठियों और श्रद्धांजलि सभाओं में लाला लाजपत राय के त्याग और उनके राष्ट्रप्रेम को याद किया गया।

जन्म

1900 - पद्मजा नायडू - प्रसिद्ध भारतीय राजनीतिज्ञ सरोजिनी नायडू की पुत्री, जिन्होंने अपना सारा जीवन भारत के हितों के लिए समर्पित कर दिया था। 1938 - रत्नाकर मटकारी, मराठी लेखक, नाटककार। 1940 - कपिल कपूर- भारतीय भाषा विज्ञानी, साहित्य के विद्वान और अंग्रेजी केंद्र में (1996 से) अंग्रेजी के पूर्व प्रोफेसर हैं। 1952 - सीरिल रामाफोसा - दक्षिण अफ़्रीका के पांचवें राष्ट्रपति हैं।

निधन

1928 - लाला लाजपत राय, स्वतंत्रता सेनानी। 1962 - जसवंत सिंह रावत - भारतीय थल सेना के जांबाज सैनिकों में से एक थे। 2007 - रघुनंदन स्वरूप पाठक - भारत के भूतपूर्व 18वें मुख्य न्यायाधीश थे। 2007 - आस्कर विजेता पीटर जीनर । 2008 - डार्विन दीनघदो पग - भारतीय राज्य मेघालय के भूतपूर्व दूसरे मुख्यमंत्री थे। 2012 - बाल ठाकरे, भारतीय राजनेता और शिवसेना के संस्थापक। 2015 - अशोक सिंघल - 'विश्व हिन्दू परिषद' (विहिप) के अध्यक्ष थे। 2016 - श्रीनिवास कुमार सिन्हा - भारतीय सैन्य अधिकारी तथा असम, जम्मू-कश्मीर और अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल थे। 2018 - कुलदीप सिंह चांदपुरी - भारतीय सेना के वह वीर सैन्य अधिकारी थे, जिन्हें लौंगावाला के प्रसिद्ध युद्ध के लिए जाना जाता है। 2020 - मोहनजी प्रसाद - हिन्दी और भोजपुरी फि ल्मों के निर्देशक थे।

महत्वपूर्ण दिवस

♦राष्ट्रीय पुस्तक दिवस (सप्ताह)। ♦नवजात शिशु दिवस (सप्ताह)। ♦विश्व छात्र दिवस।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र

1278 - इंग्लैड़ में 680 यहूदियों को नकली मुद्रा रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया और इनमें से 293 को फांसी पर लटका दिया गया। 1525 - मुगल शासक बाबर ने भारत को जीतने के मकसद से सिंध के रास्ते पांचवीं बार प्रवेश किया। 1831 - इक्वाडोर और वेनेज़ुएला ग्रेटर कोलंबिया से अलग हुए। 1869 - इंग्लैंड के जेम्स मूरी ने 13 हजार किलोमीटर लंबी पहली साइकिल रेस जीती। 1932 - तीसरे गोलमेज सम्मेलन की शुरूआत हुई। 1933 - अमेरिका ने सोवियत संघ को मान्यता देते हुए व्यापार के लिए सहमति दी। 1966 - भारत की रीता फारिया ने मिस वर्ल्ड का खिताब जीता। मिस वर्ल्ड बनने वाली वह पहली एशियाई महिला थी। 1970 - सोवियत अंतरिक्ष यान 'लुनाखोद-1' चन्द्रतल पर उतरा। 1970 - रानी लक्ष्मीबाई का एक महत्त्वपूर्ण पत्र जो की उन्होंने ईस्ट इंडिया कंपनी के गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौजी को लिखा था लन्दन में ब्रिटिश लाइब्रेरी के आर्काइव्स में मिला है। 1993 - अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने उत्तरी अमेरिका मुक्त व्यापार समझौते (नाफ्टा) को मंजूरी दी। 1995 - ओसाका में एशिया प्रशांत आर्थिक संघ (एपेक) का सातवां शिखर सम्मेलन शुरू। 1999 - अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस को यूनेस्को ने स्वीकृति दी। 2004 - रामेश्वर ठाकुर उड़ीसा के राज्यपाल बने। 2005 - श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव सम्पन्न। इटली की संसद ने व्यापक संविधान संशोधनों को मंजूरी प्रदान की। 2005 - वोल्कर समिति के दस्तावेज उपलब्ध कराने का संयुक्त राष्ट्र पर दबाव बढ़ा। 2006 - अमेरिकी सीनेट ने भारत-अमेरिका परमाणु संधि को मंजूरी दी। 2007 - जाफना प्रायःद्वीप में श्रीलंकाई सेना से मुठभेड़ में 11 लिबरेशन टाइगर मारे गये। 2008 - जे. एस. डब्ल्यू स्टील लिमिटेड ने बेल्कारी में 220 करोड़ की लागत से इस्पात संयंत्र स्थापित करने के ब्रिटेन की सीबरफील्ड रीवे स्ट्रेक्कर के साथ में समझौता किया। 2008 -मालेगांव ब्लास्ट की जांच कर रही मुम्बई एटीएस ने अपने पूर्व के वक्तव्य को पलटते हुए कहा कि समझौता एक्सप्रेस ब्लास्ट में आरडीएक्स लेफ्टिनेंट कर्नल श्रीकान्त पुरोहित ने उपलब्ध नहीं कराये थे। मामला सर्वोच्च न्यायालय में पहुंचा। 2008 - चन्द्रयान-1 की सफलता के बाद केन्द्र सरकार ने चन्द्रयान-2 की मंजूरी दी। 2009 - टी. एस. ठाकुर को उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया। 2012 - मिस्र के मेनफॉल्ट क्षेत्र के समीप एक रेल दुर्घटना में कम से कम 50 स्कूली छात्र मारे गये। 2013 - रूस के कजान हवाई अड्डे पर तातरस्तान एयरलाइंस के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से 50 लोगों की मौत।

आईसीयू में एडमिट हुए कप्तान शुभमन गिल गर्दन में दर्द के बाद कोलकाता टेस्ट से बाहर

अगले टेस्ट में खेलना मुश्किल, मांसपेशियों में ऐंठन की दी दवा

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल की तबीयत शनिवार यानी 15 नवंबर की रात अचानक बिगड़ गई। गर्दन के तेज दर्द की शिकायत बढ़ने पर उन्हें कोलकाता के वुडलैंड्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। कुछ घंटे पहले ही उन्होंने पहले टेस्ट के दूसरे दिन बल्लेबाजी करते हुए गर्दन में झटका लगने के कारण रिटायर्ड हर्ट लिया था। बीसीसीआई ने गिल की हेल्थ को लेकर अपडेट दिया है। बता दें कि शुभमन गिल पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं। अब ये माना जा रहा है कि दूसरे टेस्ट, जो कि गुवाहाटी में 22 नवंबर से खेला जाना है, उसमें गिल के खेलना पर संदेह है।

26 साल के शुभमन गिल ने साइमन हार्मर की एक गेंद को स्लॉग स्वीप करते समय झटके जैसा महसूस किया, जिसके बाद उन्हें गर्दन में दर्द महसूस हुआ। शुरूआत में चोट गंभीर नहीं लगी और फिजियो ने तत्काल इलाज किया, लेकिन दिन बढ़ने के साथ उनकी हालत खराब होती गई।

- बीसीसीआई की मेडिकल टीम करेगी निगरानी

शाम तक दर्द इतना बढ़ा कि उन्हें स्ट्रेचर पर स्टेडियम से बाहर ले जाना पड़ा। उनकी गर्दन को सपोर्ट के लिए सर्वाइकल कॉलर लगाया गया और मेडिकल टीम ने तुरंत उन्हें अस्पताल में एडमिट करवाया।

Rev Sportz की रिपोर्ट के अनुसार, गिल के कई टेस्ट किए गए और उन्हें मांसपेशियों के ऐंठन कम करने की दवाइयां दी गईं। रात भर उन्हें डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया। शुरूआती संकेत बताते हैं कि ठीक होने में कुछ दिन लग सकते हैं, इसलिए अगले टेस्ट में उनका खेलना बहुत मुश्किल माना जा रहा है।

फोटोः हि.स.

दूसरी पारी में दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजी करने पर ऋषभ पंत (फ्रुँ ढंल्ल३ उंस्र३ंल्ल) को कार्यवाहिक कप्तान बनाया गया। इससे साफ है कि टीम मैनेजमेंट गिल की वापसी की उम्मीद अभी नहीं कर रहा है। गिल भारत की दूसरी पारी में तभी उतरेंगे जब मैच की स्थिति बेहद गंभीर हो।

दिन के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल ने कहा कि यह चोट किसी भारी वर्कलोड की वजह से नहीं दिखती। उन्होंने कहा कि पहले हमें ये समझना होगा कि उन्हें गर्दन में दिक्कत कैसे हुई। हो सकता है बस रात को ठीक से नींद न आई हो। वह बहुत फिट खिलाड़ी हैं और खुद का अच्छी तरह ख्याल रखते हैं।

बीसीसीआई ने भी बयान जारी कर बताया कि कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रहे टेस्ट के दूसरे दिन कप्तान शुभमन गिल की गर्दन में चोट लग गई। दिन का खेल खत्म होने के बाद उन्हें जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। फिलहाल वह अस्पताल में निगरानी में हैं। वह आगे टेस्ट मैच में हिस्सा नहीं लेंगे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी निगरानी करती रहेगी।

आईपीएल 2025 में ही फ्रेंचाइजी छोड़ना चाहते थे सैमसन

- राजस्थान रॉयल्स के मालिक ने किया खुलासा
- सैमसन के लिए अच्छा नहीं रहा था पिछला सीजन

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

राजस्थान रॉयल्स के मालिक मनोज बडाले ने खुलासा करते हुए बताया है कि संजू सैमसन ने आईपीएल 2025 के बीच में पहली बार फ्रेंचाइजी छोड़ने की इच्छा व्यक्त की थी। सैमसन को ऑलराउंडर सैम करन और रवींद्र जडेजा के बदले आईपीएल के आगामी सीजन के लिए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में ट्रेड किया गया है। राजस्थान के पूर्व कप्तान के लिए 2025 का सीजन चुनौतीपूर्ण रहा था।

सैमसन चोट के कारण कई मैच नहीं खेल सके थे और नौ पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक ही लगा पाए। अपनी बल्लेबाजी के अलावा, सैमसन का कप्तान के रूप में भी कोई यादगार सीजन नहीं रहा और राजस्थान सिर्फ आठ अंकों के साथ अंक तालिका में दूसरे सबसे निचले पायदान पर रही थी।

फोटोः हि.स.

बडाले ने सैमसन को सराहा

बडाले ने कहा, इस साल या पिछले साल पहली बार जब संजू ने आगे बढ़ने की बात की थी। कोलकाता में मैच के बाद हमारी एक मीटिंग हुई थी। वह बहुत ईमानदार इंसान है। वह व्यक्तिगत और भावनात्मक रूप से थका हुआ था। वह राजस्थान रॉयल्स की बहुत परवाह करता है और मुझे लगता है कि 18 वर्षों में हमारे सबसे खराब सीजन ने उसे बहुत थका दिया। 14 वर्षों का सबसे अच्छा समय थोड़े से ब्रेक के साथ राजस्थान रॉयल्स को देने के बाद, उसे लगा कि उसे अपने आईपीएल सफर के अंत को ताजा करने के लिए एक नए अध्याय की जरूरत है। बडाले ने 11 सत्रों तक फ्रेंचाइजी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए संजू की सराहना की और याद दिलाया कि 2021 में उन्हें कप्तान बनाना एक उच्च जोखिम वाला कदम माना गया था, लेकिन उन्होंने जिम्मेदारी को सराहनीय तरीके से निभाया।

पूरे टूर्नामेंट में टीम को गति प्राप्त करने में संघर्ष करना पड़ा था। सैमसन भावनात्मक रूप से थक गए थे और उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मिली करीबी हार के बाद मनोज बडाले से इस सीजन के बाद फ्रेंचाइजी छोड़ने की इच्छा व्यक्त की।

मिनौर को हराकर एटीपी फाइनल्स के खिताबी मुकाबले में पहुंचे सिनर

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)

तूरिन

इटली के यानिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन जारी करते हुए एटीपी फाइनल्स के अंतिम चार मैच में एलेक्स डी मिनौर को को हराकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की की। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज सिनर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी को सीधे सेटों में 7-5, 6-2 से हराकर दोनों खिलाड़ियों के बीच 13 मुकाबले में 13वीं जीत दर्ज की। सत्र के आखिरी टूर्नामेंट में घरेलू कोर्ट पर सिनर के सामने खिताबी मुकाबले में कार्लोस अल्कारेज होंगे जिन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल मैच में फेलिक्स ऑगर-एलियासेम को मात दी। सिनर और अल्कारेज पिछले तीन ग्रैंडस्लैम फाइनल में भिड़ चुके हैं। अल्कारेज ने फ्रेंच ओपन का खिताब जीता, जबकि सिनर ने विंबलडन में अल्कारेज को शिकस्त दी थी। अल्कारेज ने हालांकि यूएस ओपन में जीत के साथ सिनर के खिलाफ अपना दबदबा मजबूत किया।

थीगाला बरमूडा में संयुक्त 39वें स्थान पर पहुंचे

साउथम्पटन (बरमूडा)। भारतीय मूल के अमेरिकी गोल्फर साहिथ थीगाला बटरफील्ड बरमूडा चैम्पियनशिप के तीसरे दौर के बाद संयुक्त 39वें स्थान पर आ गए हैं। पहले दो दौर में 76 और 65 का कार्ड खेलने वाले थिगाला ने तीसरे दौर में तेज हवाओं के बीच 71 का स्कोर बनाया। अब उनका कुल स्कोर दो अंडर हो गया है। दूसरे दौर के बाद वह संयुक्त रूप से 46वें स्थान पर थे। इस बीच एडम शेंक ने बोगी रहित राउंड खेला और चार अंडर 67 का स्कोर बनाया, जिससे वह ब्रेडेन थॉर्नबेरी के साथ संयुक्त बढ़त पर आ गए।

आईपीएलः पंजाब किंग्स ने मैक्सवेल का पत्ता काटा

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन से पहले पंजाब किंग्स की टीम ने अपने एक फ्लॉप क्रिकेटर को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। अपने खराब प्रदर्शन के कारण ये क्रिकेटर आईपीएल में कई टीमों को चूना भी लगा चुका है। पिछले सीजन में पंजाब किंग्स की टीम ने भले ही आईपीएल फाइनल तक का सफर तय किया था, लेकिन ये क्रिकेटर अपनी ही टीम के लिए सबसे बड़ा विलेन साबित हुआ है। पंजाब किंग्स की टीम ने बड़ा फैसला लेते हुए आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन से पहले फ्लॉप क्रिकेटर ग्लेन मैक्सवेल का पत्ता काट दिया है।

ग्लेन मैक्सवेल को लगभग हर आईपीएल सीजन के लिए करोड़ों की रकम में खरीदा जाता है, लेकिन जब बात प्रदर्शन की आती है तो वह बुरी तरह नाकाम साबित होते हैं। ग्लेन मैक्सवेल को आईपीएल 2025 सीजन के लिए पंजाब किंग्स की टीम ने 4.2 करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन वह इस सीजन के 7 मैचों में 8 की बेहद घटिया औसत से सिर्फ 48 रन ही बना पाए। ग्लेन मैक्सवेल अपने इस खराब प्रदर्शन के कारण पंजाब किंग्स की टीम के लिए सबसे बड़े विलेन साबित हुए थे। ग्लेन मैक्सवेल ने अभी तक आईपीएल के 141 मैचों में 23.89 की औसत से 2819 रन बनाए हैं। आईपीएल में ग्लेन मैक्सवेल ने 41 विकेट भी झटके हैं। सभी 10 फ्रेंचाइजियों ने मिनी ऑक्शन से पहले अपने रिटेंशन की लिस्ट जारी कर दी है। पंजाब किंग्स के पास 11.50 करोड़ रुपये का पर्स है। पंजाब किंग्स ने जोश इंगलिस, ग्लेन मैक्सवेल, आरोन हार्डी, कुलदीप सेन और प्रवीण दुबे को रिलीज किया है।

फोटोः हि.स.

क्यों कट गया मैक्सवेल का पत्ता

2025 की आईपीएल उपविजेता टीम पंजाब किंग्स ने अपने अधिकांश कोर खिलाड़ियों को बरकरार रखा और 21 खिलाड़ियों को रिटेन किया। जोश इंगलिस को रिलीज करना एक चौंकाने वाला फैसला था, जिसकी शायद ही किसी को उम्मीद थी। इस बीच रिटेंशन वाले दिन ब्रॉडकास्टर से बात करते हुए हेड कोच रिकी पोंटिंग ने ग्लेन मैक्सवेल और जोश इंगलिस को रिलीज करने के पीछे की वजह बताई। रिकी पोंटिंग ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, 'ग्लेन मैक्सवेल और उनके खेल में योगदान से मैं बेहद खुश हूं। दुर्भाग्य से, पिछले साल हम उनसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं करवा पाए। इस सीजन को देखते हुए, हमें नहीं लगा कि वह हमारी शुरूआती टीम का हिस्सा होंगे, इसलिए हमने उन्हें रिलीज करने का फैसला किया।'

स्पेन विश्व कप में जगह बनाने के करीब, बेल्जियम ने ड्रॉ खेला

एजेंसी (हि.स.)

बार्सिलोना (स्पेन)

फोटोः हि.स.

मिकेल ओयारजाबल के दो गोल की मदद से स्पेन ने विश्व कप क्वालीफाइंग में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को जॉर्जिया को 4-0 से हराकर अगले साल होने वाली फुटबॉल प्रतियोगिता में जगह बनाने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। स्पेन की टीम ने ग्रुप चरण में पांच मैच में जीत हासिल की है। उसने अब तक 19 गोल किए हैं और उसके खिलाफ एक भी गोल नहीं हुआ है। यूरोपीय चैंपियन मंगलवार को अपने अंतिम क्वालीफायर में तुर्किए से भिड़ेगा।

स्पेन ग्रुप ई में तुर्किए से तीन अंक आगे है, जिसने शनिवार को बुल्गारिया को 2-0 से हराया था। यूरोपीय क्वालीफिकेशन के 12 ग्रुप विजेता सीधे विश्व कप में प्रवेश करेंगे। फ्रांस, इंग्लैंड और क्रोएशिया अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान पक्का करके विश्व कप में जगह बना चुके हैं। इस बीच बेल्जियम का इंतजार बढ़ गया। कजाकिस्तान ने बेल्जियम को 1-1 से ड्रॉ पर रोका। बेल्जियम ग्रुप जे में उत्तरी मैसेडोनिया से दो अंक आगे शीर्ष पर है। ग्रुप जे में ही जॉर्डन जेम्स के गोल की मदद से वेल्स ने लिचटेंस्टीन पर 1-0 से जीत हासिल की। यूनान ने ग्रुप सी में स्कॉटलैंड को 3-2 से हराया, जबकि डेनमार्क ने बेलारूस के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला। स्वीडन को 4-1 से हराकर स्विट्जरलैंड ग्रुप बी में शीर्ष पर बना हुआ है।

हर वर्ष आज के दिन मनाया जाता है इंटरनेशनल स्टूडेंट्स डे

हर वर्ष अंतरराष्ट्रीय छात्र दिवस 17 नवंबर में मनाया जाता है। इस दिन दुनियाभर में अंतरराष्ट्रीय छात्र दिवस के महत्व को समझाया जाता है। यह दिवस अंतरराष्ट्रीय छात्रों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में भी बताता है। इंटरनेशनल स्टूडेंट्स-डे छात्र समुदाय का एक वैश्विक उत्सव है। विदेश में अंतर्राष्ट्रीय छात्र बनना एक चुनौती है। क्योंकि विदेश में पढ़ाई करने के लिए अपने परिवार और घर को पीछे छोड़ने के लिए साहस की आवश्यकता होती है। छात्र अपने जीवन को बेहतर बनाने और अपने परिवारों का सपोर्ट करने के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अपने गृह देशों से लंबी दूरी की यात्रा करते हैं।

अंतरराष्ट्रीय छात्र दिवस की पृष्ठभूमि

अंतरराष्ट्रीय छात्र दिवस का इतिहास 28 अक्टूबर, 1939 की घटना से जुड़ा है। उस दौरान चेकोस्लोवाकिया के एक भाग पर नाजियों का कब्जा था। चेकोस्लोवाकिया की राजधानी प्राग में वहां के छात्रों और शिक्षकों ने देश की स्थापना के वर्षगांठ के अवसर पर एक प्रदर्शन का आयोजन किया था। नाजियों ने इन प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चला दीं जिससे मेडिकल का एक छात्र मारा गया। छात्र के अंतिम संस्कार के दौरान भी प्रदर्शन किया गया। जिसके परिणामस्वरूप प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया। 17 नवंबर, 1939 को नाजी सैनिक, छात्रों के हॉस्टल में घुसकर करीब 1200 छात्रों को गिरफ्तार कर लिये। उन गिरफ्तार छात्रों में से नौ को यातना शिविर में भेज दिया जिन्हें बाद में फांसी दे दी गई। नाजी सैनिकों ने इस घटना के बाद चेकोस्लोवाकिया के सभी कॉलेजों और यूनिवर्सिटियों को बंद करा दिया। चेकोस्लोवाकिया के घटना के दो वर्ष बाद 1941 में लंदन में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन बुलाया गया। यह सम्मेलन फासीवाद के विरुद्ध लड़ाई लड़ने वाले छात्रों का था। वहां निर्णय लिया गया कि नाजियों द्वारा किये गए हमले में शहीद हुए छात्रों की याद में प्रति वर्ष 17 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय छात्र दिवस मनाया जाएगा।

कब से मनाया जा रहा अंतरराष्ट्रीय छात्र दिवस

1939 में प्राग विश्वविद्यालय पर नाजी हमले के दौरान छात्र कार्यकताओं के साहस को याद करने के लिए 17 नवंबर को अंतर्राष्ट्रीय छात्र दिवस मनाया जाता ह। पहला आयोजन 1941 में लंदन में अंतर्राष्ट्रीय छात्र परिषद में हुआ था. यहीं पर छात्रों ने हर 17 नवंबर को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय छात्र दिवस को शुरू करने का फैसला किया. तब से कई संगठनों और अंतर्राष्ट्रीय छात्र समूहों ने इस दिन का पालन करना जारी रखा ह। चेक गणराज्य और स्लोवाकिया में इस दिन सार्वजनिक अवकाश रहता ह। इसे औपचारिक रूप से 'स्वतंत्रता और लोकतंत्र दिवस के लिए संघर्ष' कहा जाता ह।

अंतरराष्ट्रीय छात्र दिवस का महत्व

नवाचार और रचनात्मकता ऐसे वातावरण में पनपती है जहां विभिन्न संस्कृतियों के लोग मिलते हैं, विचारों का आदान-प्रदान करते हैं और एक-दूसरे से सीखते हैं। इसके अलावा यह माना जाता है कि विविधता के बारे में जागरूकता और मतभेदों को स्वीकार करना हमारे बच्चों के सफल व्यक्ति बनने के लिए आवश्यक है जो समस्याओं को हल कर सकते हैं और काम करने के नए तरीके ढूंढ सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय छात्र दिवस का इतिहास

अंतर्राष्ट्रीय छात्र दिवस 17 नवंबर को मनाया जाता है। यह दिन 1939 में प्राग में एक विश्वविद्यालय पर नाजी आक्रमण की सालगिरह के रूप में भी मनाया जाता है। इस आक्रमण के दौरान नाजियों ने लगभग एक हजार छात्रों को कैद कर लिया था। साथ ही विश्वविद्यालय को भी बंद कर दिया था औ कई अन्य को मार डाला और प्रताड़ित किया। ऐसे में इस दिन का उद्देश्य उन छात्रों को सम्मानित करने के साथ-साथ आज हमारे सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

आज भी शिक्षा के अधिकार का संघर्ष

शिक्षा का अधिकार और शांतिपूर्ण विरोध कई देशों में एक संघर्ष बना हुआ है। अंतर्राष्ट्रीय छात्र दिवस पर आइए हम अपने युवाओं के अधिकारों की रक्षा करने के संकल्प को मजबूत करें और उन्हें शिक्षा प्राप्त करने के लिए छात्रवृत्ति और संसाधनों के बारे में जानकारी प्रदान करने वाले एक मंच स्कॉलरू जैसे सही संसाधनों की ओर निर्देशित करके उनका समर्थन करें।

विश्व समयपूर्व जन्म दिवस

हर वर्ष विश्व में 15 मिलियन बच्चे समय से पहले पैदा होते है

हर साल 17 नवंबर को विश्व समयपूर्व जन्म दिवस मनाया जाता है, ताकि समय से पहले जन्मे बच्चों और उनके परिवारों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके। यह दिन समय से पहले जन्मे शिशुओं के स्वास्थ्य और जीवन को सुनिश्चित करने के लिए समय से पहले और पर्याप्त देखभाल के महत्व पर भी ध्यान केंद्रित करता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (हल्ड) के अनुसार, हर साल लगभग 15 मिलियन बच्चे समय से पहले पैदा होते हैं, जो वैश्विक स्तर पर दस में से एक बच्चे का प्रतिनिधित्व करता है। समय से पहले जन्म, जिसे गर्भावस्था के 37 सप्ताह से पहले जन्म के रूप में परिभाषित किया जाता है, पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में मृत्यु का एक प्रमुख कारण है।

समय से पहले जन्म का वैश्विक प्रभाव

समय से पहले जन्म एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दा है, खासकर निम्न और मध्यम आय वाले देशों में, जहाँ स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों में समय से पहले जन्मे शिशुओं के लिए आवश्यक देखभाल प्रदान करने के लिए संसाधनों की कमी हो सकती है। समय से पहले जन्म लेने वाले शिशुओं में श्वसन संबंधी समस्याओं, संक्रमण और विकास संबंधी देरी जैसी जटिलताओं का अधिक जोखिम होता है। समय से पहले जन्म लेने वाली समस्याएं नवजात शिशुओं की मृत्यु दर का लगभग एक तिहाई हिस्सा होती हैं और मृत्यु का मुख्य कारण होती हैं। जबकि नवजात शिशु देखभाल में प्रगति ने उच्च आय वाले देशों में जीवित रहने की दरों में नाटकीय रूप से सुधार किया है, इन देशों और कम आय वाले देशों के बीच जीवित रहने का अंतर अभी भी काफी बड़ा है। दुनिया के कई हिस्सों में, 28 सप्ताह से पहले पैदा हुए शिशुओं के बचने की संभावना बहुत कम होती है, क्योंकि वेंटिलेटर, इनक्यूबेटर और प्रशिक्षित स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों जैसी आवश्यक चिकित्सा देखभाल की कमी होती है।

समय से पहले जन्म के कारण और जोखिम कारक

समय से पहले जन्म कई कारणों से हो सकता है, और कुछ मामलों में, कारण अज्ञात होता है। हालाँकि, कई ज्ञात जोखिम कारक समय से पहले प्रसव की संभावना को बढ़ा सकते हैं। इनमें शामिल हैंः मातृ स्वास्थ्य स्थितियाँउच्च रक्तचाप, मधुमेह और गर्भावस्था के दौरान संक्रमण जैसी दीर्घकालिक बीमारियाँ समय से पहले जन्म का कारण बन सकती हैं। एकाधिक गर्भधारणजुड़वाँ, तीन या अधिक बच्चों को जन्म देने से गर्भाशय पर अतिरिक्त दबाव के कारण समय से पहले प्रसव हो सकता है। पिछला समयपूर्व जन्मजिन महिलाओं ने पहले भी समय से पहले बच्चे को जन्म दिया है, उनमें दोबारा समय से पहले प्रसव होने का खतरा अधिक होता है। जीवनशैली कारकधूम्रपान, नशीली दवाओं का प्रयोग और अपर्याप्त प्रसवपूर्व देखभाल समय से पहले जन्म की उच्च दर से जुड़े हैं। आयुबहुत कम उम्र की माताओं (17 वर्ष से कम) और अधिक उम्र की माताओं (35 वर्ष से अधिक) में समय से पहले प्रसव होने की संभावना अधिक होती है। संक्रमणसंक्रमण, विशेष रूप से गर्भाशय या मूत्र मार्ग में, समय से पहले प्रसव का कारण बन सकता है। इन जोखिम कारकों को समझने और उनका समाधान करने से स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को समय से पहले जन्म को रोकने और नवजात शिशुओं के लिए परिणामों में सुधार करने में मदद मिल सकती है।

चिकित्सा चुनौतियां और देखभाल

समय से पहले जन्मे शिशुओं को अक्सर कई तरह की चिकित्सा चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिसके लिए नवजात शिशु गहन देखभाल इकाइयों (NICU) में विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है। सबसे आम समस्याओं में से कुछ इस प्रकार हैंः श्वसन संकट सिंड्रोम (आरडीएस) अविकसित फेफड़ों के कारण, कई समय से पहले जन्मे शिशुओं को स्वयं सांस लेने में कठिनाई होती है और उन्हें ऑक्सीजन थेरेपी या मैकेनिकल वेंटिलेशन की आवश्यकता हो सकती है। संक्रमणसमय से पहले जन्मे शिशुओं की प्रतिरक्षा प्रणाली अपरिपक्व होती है, जिससे वे सेप्सिस और निमोनिया जैसे संक्रमणों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। पीलियारक्त में बिलीरूबिन की अधिकता से त्वचा और आंखें पीली हो सकती हैं, जिसके लिए फोटोथेरेपी से उपचार की आवश्यकता होती है। भोजन और पोषणसमय से पहले जन्मे शिशुओं को अक्सर उनके अविकसित पाचन तंत्र और प्रभावी ढंग से चूसने या निगलने में असमर्थता के कारण दूध पीने में कठिनाई होती है। मस्तिष्क में वृद्धिसमय से पहले जन्मे शिशुओं में तंत्रिका संबंधी जटिलताओं का खतरा रहता है, जिसमें अंतःस्त्रावी रक्तस्त्राव और विकासात्मक देरी शामिल है। चिकित्सा प्रौद्योगिकी और नवजात शिशु देखभाल में प्रगति के कारण, इनमें से कई चुनौतियों का प्रबंधन किया जा सकता है, जिससे समय से पहले जन्मे शिशुओं के लिए जीवित रहने की दर और दीर्घकालिक स्वास्थ्य परिणामों में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है। हालांकि, मृत्यु दर और जटिलताओं को कम करने के लिए समय पर हस्तक्षेप और गुणवत्तापूर्ण देखभाल तक पहुंच महत्वपूर्ण है।

परिवारों पर मनोसामाजिक और भावनात्मक प्रभाव

समय से पहले जन्मे बच्चे का जन्म परिवारों के लिए एक अत्यधिक भावनात्मक और तनावपूर्ण अनुभव हो सकता है। माता-पिता अपने बच्चे के जीवित रहने और दीर्घकालिक स्वास्थ्य की अनिश्चितता से अभिभूत महसूस कर सकते हैं, साथ ही उन्हें लंबे समय तक अस्पताल में रहने और चिकित्सा उपचार के लिए रसद और वित्तीय बोझ से भी निपटना पड़ सकता है। भावनात्मक बोझ अपराधबोध, चिंता और यहां तक कि अवसाद की भावनाओं को जन्म दे सकता है। परिवार के सदस्यों, स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों और सहकर्मी सहायता समूहों सहित सहायता नेटवर्क, माता-पिता को इस कठिन समय से निपटने में मदद करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सहकर्मी सहायता समूह, विशेष रूप से, माता-पिता को उन लोगों से जुड़ने का मौका देते हैं जिन्होंने समान परिस्थितियों का अनुभव किया है, भावनात्मक आराम और व्यावहारिक सलाह प्रदान करते हैं।

चौथी नेशनल रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2025 के विजेताओं को सांसद कार्तिकेय शर्मा ने ट्रॉफी और मेडल से किया सम्मानित

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

पंचकूला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में चौथी नेशनल रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2025 का आयोजन किया गया। आयोजन में क्लोजिंग सेरेमनी में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद कार्तिकेय शर्मा पहुंचे। यह कार्यक्रम हरियाणा टेबल टेनिस असोसिएशन द्वारा आयोजित किया गया था। इस दौरान सांसद कार्तिकेय शर्मा ने महिला और पुरुष वर्ग के फाइनल मैच देखे और विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल और कैश प्राइज से भी सम्मानित किया। इसके साथ ही उन्होंने भी टेबल टेनिस पर अपने हाथ आजमाए और खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाया।

सांसद कार्तिकेय शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि चौथी नेशनल रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप के इस भव्य आयोजन में उपस्थित होना मेरे लिए अत्यंत गर्व और आनंद का विषय है और यह गर्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि यह प्रतियोगिता हरियाणा की खेल-धरा, पंचकूला में आयोजित हो रही है। उन्होंने हरियाणा टेबल टेनिस एसोसिएशन तथा टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया को इस उत्तम और सुव्यवस्थित आयोजन के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा अंडर-11 के नन्हें प्रतिभाशाली खिलाड़ियों से लेकर वरिष्ठ अनुभवी खिलाड़ियों तक यह चैंपियनशिप भारत की उभरती खेल शक्ति का जीवंत उत्सव है। टेबल टेनिस गति, सूझ-बूझ और चपलता का अनोखा संगम है। 70 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ़्तार से आती गेंद को संभालना पल भर में निर्णय लेने की कला मांगता है। यह खेल केवल कौशल नहीं, बल्कि वर्षों की साधना, अनुशासन और धैर्य की कठोर परीक्षा है। सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा की 2018 में मनिका बत्रा ने कॉमनवेल्थ गेम्स में महिला सिंगल्स में स्वर्ण जीत कर भारतीय इतिहास में स्वर्णिम अध्याय जोड़ा।

भारत के टेबल टेनिस के स्तंभ-अचूक धैर्य और दृढ़ता के प्रतीक-शरत कमल का योगदान अविस्मरणीय है। यही जज्बा आज यहां मौजूद हर खिलाड़ी अपने भीतर लेकर आया है। जीत भले आज न मिले पर अनुभव अवश्य मिलेगा। साथ ही, उन मौन सहयोगियों- माता-पिता, प्रशिक्षकों और अधिकारियों का भी विशेष आभार, जिनकी मेहनत खिलाड़ियों के प्रदर्शन में झलकती है।

आईसीजीएसटी-2025 का तृतीय संस्करण : भारत में पहली बार नाईपर मोहाली में होगा आयोजित

सिटी दर्पण संवाददाता
मोहाली

- नाईपर मोहाली पहली बार आईसीजीएसटी-2025 की करेगा मेजबानी
- जापान और मलेशिया के बाद अब भारत में आईसीजीएसटी का आयोजन

नाईपर मोहाली 17झ18 नवम्बर को प्रातः 09:30 बजे से हरित विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीजीएसटी-2025) की मेजबानी करने जा रहा है। यह सम्मेलन पहली बार भारत में आयोजित हो रहा है। यह आयोजन शिजुओका यूनिवर्सिटी (जापान), यूनिवर्सिटी टेक्नोलॉजी मलेशिया- कुआलालंपुर (यूटीएम मलेशिया), यूपीएम मलेशिया तथा गदजाह माडा विश्वविद्यालय (इंडोनेशिया) के सहयोग से किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में ग्रैन्यूल्स इंडिया लिमिटेड प्रायोजन भागीदार के रूप में शामिल है।

आईसीजीएसटी श्रृंखला की शुरूआत 2021 में शिजुओका यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित ऑनलाइन संस्करण से हुई थी। वर्ष 2023 में इसका दूसरा संस्करण यूटीएम कुआलालंपुर, मलेशिया में आयोजित हुआ। अब इसका तीसरा संस्करण, आईसीजीएसटी-2025, पहली बार भारत में नाईपर मोहाली में आयोजित होने जा रहा है, जो इस श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। सम्मेलन में विश्वभर के विशेषज्ञों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों तथा युवा शोधकताओं की सहभागिता रहेगी। इसमें 100 से अधिक प्रतिभागी, 33 पोस्टर प्रेजेंटेशन, 9 ओरल प्रेजेंटेशन, 14 आमंत्रित तथा 8 मुख्य वक्ताओं के संबोधन शामिल होंगे। नाईपर मोहाली के निदेशक प्रो. दुलाल पांडा उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे।

आईसीजीएसटी-2025 का मुख्य उद्देश्य ग्रीन टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देना है, जो संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) जैसे– शून्य भुखमरी (एसडीजी 2), अच्छा स्वास्थ्य एवं कल्याण , सस्ती एवं स्वच्छ ऊर्जा (एसडीजी 7) तथा सतत उत्पादन और हरित प्रक्रियाओं के अनुरूप हैं। इस सम्मेलन की अगुवाई प्रो. दुलाल पांडा (अध्यक्ष), प्रो. इंदर पाल सिंह तथा प्रो. अरविंद के. बंसल द्वारा की जा रही है, जो आयोजन सचिव के रूप में अपनी जिम्मेदारियाँ निभा रहे हैं। सम्मेलन का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना, वैज्ञानिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना और स्वच्छ व हरित भविष्य के लिए सतत नवाचारों को गति देना है।

पंचकूला सरस मेले में उमड़ा जनसैलाब, कला संस्कृति और स्वाद ने जीता लोगों का दिल

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

पंचकूला के परेड ग्राउंड में 6 नवंबर से 17 नवंबर तक आयोजित सरस मेला इस वर्ष भी लोगों के बीच जबरदस्त उत्साह और आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। विशेषकर शनिवार और रविवार को मेले में अभूतपूर्व भीड़ देखने को मिली। मेले में पारंपरिक कला, शिल्प और क्षेत्रीय भोजन के साथ-साथ इस बार लोगों में ड्राई फ्रूट्स के प्रति विशेष क्रेज देखने को मिल रहा है। विभिन्न राज्यों से पहुंचे शिल्पकारों और उद्यमियों द्वारा लगाए गए स्टॉल लोगों को खूब आकर्षित कर रहे हैं। इसके अलावा मेले में रोजाना आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आगंतुकों का मन मोह रहे हैं। लोकनृत्य, संगीत प्रस्तुति और विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों का आनंद लेने के लिए बड़ी संख्या में परिवार, युवा और बच्चे मेले में पहुंच रहे हैं। सरस मेला न केवल खरीददारी और स्वादिष्ट व्यंजनों का केंद्र है, बल्कि भारत की विविध संस्कृति और परंपराओं को एक मंच पर लाने का सुंदर प्रयास भी है। आयोजकों ने लोगों से अपील की है कि वे मेले का आनंद लेते समय यातायात नियमों का पालन करें और व्यवस्थाओं में सहयोग दें।

एक्सिस बैंक ने मोहाली में अनक्लेम्ड डिपॉजिट के लिए एक मेगा कैंप का आयोजन किया

सिटी दर्पण संवाददाता
मोहाली

वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के निदेर्शानुसार, आज एक्सिस बैंक द्वारा मोहाली के फेज 2 में एक मेगा जन जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। रिपोर्टों के अनुसार, बैंक में पड़ी और 10 वर्षों से अधिक समय से संचालित न की गई एक बड़ी राशि को आरबीआई के डिफ खाते (जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता कोष) में स्थानांतरित कर दिया गया है। अकेले मोहाली जिले में, 85 करोड़ रुपये से अधिक की राशि आरबीआई को हस्तांतरित की गई है। अब बैंकों को इन खातों के लाभार्थियों का पता लगाने और उनके खातों को फिर से चालू करने का काम सौंपा गया है।एलडीएम मोहाली एम के भारद्वाज इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थे। एसबीआई, पीएनबी, यूनियन बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, पंजाब एंड सिंध बैंक, केनरा बैंक, पंजाब ग्रामीण बैंक, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक सहित शीर्ष 10 बैंकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और आम जनता और ग्राहकों को भारत सरकार के डिफ अभियान के बारे में जागरूक किया। इस कार्यक्रम के दौरान एक्सिस बैंक के अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे जिनमें श्री गुरमीत सिंह भाटिया (अनुपालन प्रमुख एक्सिस बैंक), एसएच पंकज रहेजा और ईश्वर सिंह (क्लस्टर प्रमुख एक्सिस बैंक), सुश्री शालिनी वर्गीस (भारत बैंकिंग सीआरडीएम नॉर्थ 2 एक्सिस बैंक), श्री संजय कुमार (एवीपी और डीसीओ एक्सिस बैंक) शामिल थे। एलडीएम मोहाली श्री भारद्वाज ने सभी प्रतिभागियों को डीईएएफ शिविर के महत्व को समझाया और सभी भाग लेने वाले बैंकों से इस मामले में सक्रिय दृष्टिकोण रखने और जनता को जागरूक करने का आग्रह किया ताकि धन को फिर से प्रचलन और बैंकिंग प्रणाली में लाया जा सके। उन्होंने मोहाली के सभी निजी बैंकों से अनुरोध किया कि वे सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं में भागीदारी और भारत सरकार की विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत नामांकन के संदर्भ में सकारात्मक भूमिका निभाएं।

संक्षिप्त-समाचार

मैक्सिम मेरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल का वार्षिक समारोह आयोजित

चंडीगढ़। मैक्सिम मेरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, खरड़ ने अपने वार्षिक समारोह 2025-26 का आयोजन टैगोर थिएटर में रूट्स एंड विंग्स थीम पर एक जीवंत समारोह के साथ किया। कार्यक्रम की शुरूआत एक भावपूर्ण प्रस्तुति से हुई, जिसके बाद मुख्य अतिथि, आईएएस अधिकारी श्री ललित जैन का हार्दिक स्वागत किया गया। अध्यक्ष श्री वेद कुमार कौशिक, निदेशक श्री हिमेंद्र कौशिक, प्रबंध निदेशक श्री पार्थसारथी कौशिक और प्रधानाचार्या श्रीमती पूजा खोसला ने मूल्यों, आत्मविश्वास और समग्र विकास पर प्रकाश डालते हुए संदेश साझा किए। शेक्सपियर के किंग लियर की आकर्षक प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया, साथ ही सफल विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। अपने संबोधन में, श्री ललित जैन ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति विद्यालय के समर्पण की सराहना की।

कुमाऊं सभा ने संगठन चुनाव के लिए नानांकन मांगे

चंडीगढ़। कुमाऊं सभा, चंडीगढ़ के सभी संरक्षक व आजीवन सदस्यों को इस चुनाव विज्ञप्ति के द्वारा सूचित किया जाता है कि प्रधान, वरिष्ठ उपप्रधान महासचिव, कोषाध्यक्ष एवं मुख्य संगठन सचिव के पदों के लिए होने वाले चुनाव में भाग लेने हेतु इच्छुक नामांकन पत्र कुमाऊं सभा, चंडीगढ़ के चुनावी कार्यालय मकान नंबर 3005, सेक्टर 45 डी, चंडीगढ़ में दिनांक 17.11.2025 से 20.11.2025 सायं 4:00 बजे से 6:00 बजे तक रुपए 200 देकर प्राप्त किया जा सकते हैं तथा नामांकन पत्र जमा करने की तिथि 21.11.2025 को 6:00 बजे तक होगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 26.11.2025 को 6:00 बजे तक होगी तथा चुनाव प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी की जाएगी। अगर किसी पद के लिए एक से अधिक नामांकन पत्र भरे जाते हैं तो चुनाव 21 दिसंबर, 2025 (रविवार) को होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा: कुलभूषण गोयल

पंचकूला। भारतीय जनता पार्टी द्वारा पंचकूला में आत्मनिर्भर भारत अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें शहर के विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को आत्मनिर्भरता, स्वावलंबन और स्थानीय उत्पादों के उपयोग के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में नगर निगम पंचकूला के महापौर कुलभूषण गोयल विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत सिर्फ एक अभियान नहीं, बल्कि यह राष्ट्र के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। महापौर ने लोगों से स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने, छोटे उद्यमियों का समर्थन करने और स्वदेशी संसाधनों के प्रयोग को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भाजपा उपाध्यक्ष सुरेश वर्मा, मंडल प्रधान एवं पार्षद राकेश वाल्मिकी सहित कई पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने मिलकर अभियान की रूपरेखा पर चर्चा की और पंचकूला में इसे और प्रभावी रूप से आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न सुझाव भी साझा किए। अभियान के दौरान क्षेत्र के लोगों को आत्मनिर्भरता से जुड़ी योजनाओं और केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही पहल के बारे में जानकारी दी गई। उपस्थित लोगों ने आत्मनिर्भर भारत की दिशा में पार्टी के प्रयासों की सराहना की और इसमें सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया।

हिमाचल महासभा के पाँचवे विशाल रक्तदान शिविर में 52 यूनिट रक्त हुआ एकत्र

चंडीगढ़। हिमाचल महासभा, चण्डीगढ़ द्वारा समुदाय केन्द्र सैक्टर 45 में यूनियन बैंक आफ इंडिया,सैक्टर 44-डी शाखा व विश्वास फाउंडेशन के विशेष सहयोग स्वरूप जीएमसीएच, सैक्टर 32 टीम के मार्फत लगातार पाँचवें रक्तदान शिविर का आयोजन किया जिसमें संजीव कुमार, डीजीएम, यूनियन बैंक आफ इंडिया बतौर मुख्य अतिथि शिरक्त की व खुद रक्तदान कर पुनीत कार्य में पूणार्हुति भी दी। दलजीत, उप-प्रधान, सैक्टर 44 मार्केट द्वारा अपने मनमोहक अंदाज और सुरीली आवाज में गाने गा रक्तदाताओं को सम्मोहित किया। संजीव चड्ढा, अध्यक्ष, चंडीगढ़ व्यापार मण्डल चण्डीगढ़ द्वारा हिमाचल महासभा, चण्डीगढ़ द्वारा मानव सेवा के लिए आयोजीत पुनीत कृत्य के लिए सराहना की।शिविर में लगभग 52 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया ।

सुखना चो के बरसाती नाले की दोनों ओर लगी टूटी पड़ी हुई सुरक्षा रेलिंग को जल्द ठीक कराएं : रामेश्वर गिरी

चंडीगढ़। बापूधाम से सटे शास्त्री नगर क्षेत्र में स्थित सुखना चो के बरसाती नाले की दोनों ओर लगी सुरक्षा रेलिंग पिछले कई महीनों से टूटी पड़ी है। तेज बरसाती बहाव के दौरान यह रेलिंग टूटकर गिर गई थी, लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि करीब आधा वर्ष बीत जाने के बाद भी चंडीगढ़ प्रशासन और नगर निगम इस ओर ध्यान नहीं दे रहे। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि यह लापरवाही किसी भी दिन बड़े हादसे का कारण बन सकती है। हर दिन हजारों वाहन गुजरते हैं, पर नहीं दिखाई देती टूटी रेलिंग इस मार्ग से दिन और रात हजारों वाहन गुजरते हैं। नाले के किनारे रेलिंग न होने के कारण खासकर रात के समय हादसे का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इलाके के लोगों का कहना है कि अंधेरे में या बारिश के दौरान फिसलकर कोई भी वाहन सीधे नाले में गिर सकता है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि इसी रास्ते से चंडीगढ़ प्रशासन और नगर निगम के अधिकारी रोज अपनी व सरकारी गाड़ियों में निकलते हैं, लेकिन इसके बावजूद किसी अधिकारी की नजर इस गंभीर खतरे पर नहीं पड़ती। लोगों का कहना है कि प्रशासन जैसे हादसे का इंतजार कर रहा है।

पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ के प्रो. अतुल पाराशर को प्रतिष्ठित आई.टी. जैक्सन क्लेफ्ट एंड क्रेनियोफेशियल सर्जरी पुरस्कार से सम्मानित किया गया

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमईआर), चंडीगढ़ में प्लास्टिक सर्जरी विभाग के प्रमुख प्रो. अतुल पाराशर को आई.टी. जैक्सन क्लेफ्ट एंड क्रेनियोफेशियल सर्जरी पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें 12 से 16 नवंबर, 2025 तक वाराणसी में आयोजित एसोसिएशन ऑफ प्लास्टिक सर्जन्स ऑफ इंडिया (एपीएसआईसीओएन 2025) के 59वें वार्षिक सम्मेलन में प्रदान किया गया।

आई.टी. जैक्सन पुरस्कार क्लेफ्ट और क्रेनियोफेशियल सर्जरी के क्षेत्र में सबसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कारों में से एक है, जो इस अत्यधिक विशिष्ट क्षेत्र में नैदानिक देखभाल, नवाचार और शैक्षणिक योगदान में उत्कृष्टता के लिए प्रदान किया जाता है।

भारत के अग्रणी क्रेनियोफेशियल सर्जरी केंद्रों में से एक, पीजीआईएमईआर का प्लास्टिक सर्जरी विभाग इन विकृतियों के साथ पैदा हुए रोगियों को उन्नत देखभाल प्रदान करने में अग्रणी रहा है। विभाग पिछले 25 वर्षों से एक समर्पित क्लेफ्ट और क्रेनियोफेशियल क्लिनिक चला रहा है, जो कटे होंठ, कटे तालु और जटिल क्रेनियोफेशियल विसंगतियों वाले बच्चों को बहु-विषयक उपचार प्रदान करता है।

2007 से, विभाग एक प्रमुख गैर-सरकारी संगठन, स्माइल ट्रेन इंडिया के साथ मिलकर भारत भर के 3,500 से अधिक बच्चों को निःशुल्क क्लेफ्ट सर्जरी प्रदान कर रहा है। इस कार्यक्रम के तहत, रोगियों को उच्च-गुणवत्ता वाली शल्य चिकित्सा सुधार, वाक चिकित्सा, पोषण सहायता और दीर्घकालिक अनुवर्ती देखभाल निःशुल्क प्रदान की जाती है।

प्रो. पाराशर पीजीआई-स्माइल ट्रेन क्लेफ्ट सेंटर के परियोजना निदेशक के रूप में कार्यरत हैं और क्लेफ्ट और क्रेनियोफेशियल क्लिनिक के प्रभारी भी हैं, जो व्यापक, करुणामयी और साक्ष्य-आधारित देखभाल के लिए समर्पित एक टीम का नेतृत्व करते हैं।

पुरस्कार ग्रहण करते हुए, प्रो. पाराशर ने कहा, यह सम्मान पीजीआईएमईआर में हमारी पूरी टीम की सामूहिक प्रतिबद्धता को दशार्ता है। स्माइल ट्रेन के साथ हमारी साझेदारी और हमारी दीर्घकालिक कपाल-चेहरे संबंधी सेवाओं ने हजारों परिवारों की मदद की है, और यह सम्मान हमें क्लेफ्ट और कपाल-चेहरे संबंधी समस्याओं के साथ पैदा हुए बच्चों की देखभाल के स्तर को और बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करता है।

इस समारोह में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संकाय, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि और एसोसिएशन ऑफ प्लास्टिक सर्जन्स ऑफ इंडिया के सदस्य उपस्थित थे।

एनएसआई चंडीगढ़ चैप्टर ने एनएसआई के 57वें वार्षिक सम्मेलन में 'सर्वश्रेष्ठ चैप्टर पुरस्कार' जीता

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

भारतीय पोषण सोसायटी (एनएसआई) चंडीगढ़ चैप्टर ने, एनएसआई चंडीगढ़ चैप्टर की संयोजक डॉ. नैन्सी साहनी के नेतृत्व में, 13-15 नवंबर, 2025 को हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पोषण संस्थान में आयोजित एनएसआई के 57वें वार्षिक सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ चैप्टर पुरस्कार जीता।

सर्वश्रेष्ठ चैप्टर पुरस्कार उस चैप्टर को दिया जाता है जो पोषण गतिविधियों में उत्कृष्टता प्राप्त करता है और विभिन्न सम्मेलनों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, आंगनवाड़ी दौरों और कमजोर आबादी (विशेष बच्चों, वृद्धों आदि) के लिए पोषण गतिविधियों का आयोजन करके स्वास्थ्य कार्यकताओं के साथ-साथ आम जनता में पोषण जागरूकता फैलाने में मदद करता है।

जीवन देने का एक मौका: चंडीगढ़ कार्निवल में नागरिकों ने आगे आकर रोट्टो पीजीआईएमईआर के अंगदान शिविर में आशा, जिज्ञासा और साहस जगाया

सिटी दर्पण संवाददाता
चडीगढ़

क्षेत्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (रोट्टो), पीजीआईएमईआर द्वारा 14 से 16 नवंबर तक जीवंत चंडीगढ़ कार्निवल में आयोजित तीन दिवसीय अंगदान जागरूकता एवं संकल्प शिविर को उल्लेखनीय प्रतिक्रिया मिली, जहाँ 124 नागरिकों ने अंगदान का संकल्प लिया और कई अन्य लोग हार्दिक प्रेरणा, विचारशील प्रश्नों और एक सार्थक विरासत छोड़ने की इच्छा के साथ आगे आए।

कई आगंतुकों के लिए, शिविर ने वह अवसर प्रदान किया जिसकी वे लंबे समय से तलाश कर रहे थे–अंगदान को समझने और दूसरों की मदद करने की दिशा में एक सूचित कदम उठाने के लिए एक सुलभ, विश्वसनीय स्थान।

पूरे कार्निवल के दौरान, पूरे क्षेत्र से लोग रोट्टो काउंटर पर आए–कुछ जिज्ञासावश, कुछ व्यक्तिगत अनुभवों से प्रेरित होकर, और कई करुणा। कुछ प्रतिज्ञाकताओं ने दिलचस्प और प्रेरक कहानियाँ साझा कीं, जिनमें विशाल गुप्ता (दिल्ली), उमर गोपाल (मोहाली), इंदु (ऊना), नेहारिका (चंडीगढ़), रवि (पंचकुला), चिराग (चंडीगढ़), प्रताप गर्ग (मोहाली), राजीव अग्निश (चंडीगढ़), मोनिका राय (चंडीगढ़), रविंदर बरलास (रोहतक), और राजीव अनीश (जीरकपुर) शामिल थे। उनकी प्रेरणाएँ ईमानदार और विविध थीं।

विशाल गुप्ता ने धीरे से कहा, मैंने अंतहीन प्रतीक्षा करते परिवारों की लाचारी देखी है। अगर मेरे अंग किसी और को आसानी से साँस लेने में मदद कर सकते हैं, तो यही वह सेवा है जो मैं अपने पीछे छोड़ना चाहता हूँ। मोनिका राय ने स्पष्टता व्यक्त करते हुए कहा, मेरे मन में वर्षों से प्रश्न थे, और कोई भी मंच सुलभ नहीं लग रहा था। आज, मुझे अंततः प्रतिज्ञा करने पर आश्वस्त और गर्व महसूस हो रहा है।

कई आगंतुकों ने अपने द्वारा देखे गए दर्द के बारे में खुलकर बताया। ऊना की इंदु ने कहा, एक करीबी रिश्तेदार ने किडनी के लिए तीन साल इंतजार किया, लेकिन उसे कभी नहीं मिली। अगर मैं किसी और परिवार के लिए उस तरह के दर्द को रोक सकती हूँ, तो यह सब कुछ सार्थक है। चंडीगढ़ की निहारिका के लिए, यह निर्णय व्यक्तिगत संकल्प पर आधारित था: ज़िंदगी ने मुझे बहुत कुछ दिया है। अपने अंगदान करना, बदले में कुछ देने का मेरा तरीका है। अन्य लोगों ने एक नए विश्वदृष्टिकोण को दशार्या– पंचकूला के रवि ने कहा, हम अपने जीवन के लिए बहुत योजनाएँ बनाते हैं, लेकिन यह संकल्प किसी और के जीवन के लिए योजना बना रहा है। इस विचार ने मुझे गहराई से प्रभावित किया। चंडीगढ़ के चिराग ने कहा, मैं हमेशा सोचता था कि क्या आम लोग असाधारण बदलाव ला सकते हैं। आज, मुझे एहसास हुआ कि हम कर सकते हैं।

आगंतुकों ने व्यावहारिक और हृदयस्पर्शी प्रश्न भी पूछे, जिनमें सच्ची चिंता और स्पष्टता की इच्छा दिखाई दी। कई लोगों ने पूछा कि क्या अंगदान में दाता के परिवार को कोई खर्च उठाना पड़ता है, प्रत्यारोपण के लिए प्रतीक्षा अवधि आमतौर पर कितनी होती है, मस्तिष्क मृत्यु कैसे और किसके द्वारा प्रमाणित होती है, और क्या सभी अस्पताल प्रत्यारोपण कर सकते हैं या केवल अधिकृत केंद्र ही। कुछ लोगों ने दुरुपयोग से बचाव के उपायों और इस प्रणाली की पारदर्शिता पर सवाल उठाए। टीम ने धैर्यपूर्वक प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दिया और इस बात पर जोर दिया कि अंगदान एक कानूनी रूप से संरक्षित, सुव्यवस्थित प्रक्रिया है जिसमें नैतिक आचरण सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट प्रोटोकॉल हैं। इस पारदर्शिता ने कई लोगों को आश्वस्त किया जो इस बारे में संशय में थे और अंततः उन्हें प्रतिज्ञा लेने के लिए प्रेरित किया। प्रो. विपिन कौशल, नोडल अधिकारी, पीजीआईएमईआर, ने सकारात्मक जनभागीदारी की सराहना की और कहा, चंडीगढ़ कार्निवल ने हमें लोगों से सीधे जुड़ने, उनकी शंकाओं का समाधान करने और उन्हें सही जानकारी प्रदान करने का एक अद्भुत मंच प्रदान किया। यहाँ ली गई प्रत्येक प्रतिज्ञा दयालुता का एक गहरा कार्य है और जीवन रक्षक प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा कर रहे रोगियों के लिए आशा का एक वादा है। हम नागरिकों द्वारा दिखाई गई ईमानदारी से बहुत प्रभावित हैं।

रोट्टो पीजीआईएमईआर ने सभी दानदाताओं, स्वयंसेवकों और आगंतुकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया, तथा जागरूकता को मजबूत करने और एक दयालु संस्कृति का निर्माण करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जहां अंगदान एक व्यापक रूप से स्वीकृत सामाजिक जिम्मेदारी बन जाए।